

Answers

1. Answer: d

Explanation:

अनालॉजी तर्क: शाखा से पौधा

यह प्रश्न आपके शब्दों के बीच संबंधों की पहचान करने की क्षमता का परीक्षण करता है। पहला जोड़ा, "Branch : Plant", एक ऐसा संबंध स्थापित करता है जहाँ एक शाखा एक भाग है पौधे का (एक संपूर्ण)।

संबंध को लागू करना

हमें एक ऐसा शब्द खोजना है जो "Limb" के साथ समान संबंध रखता हो। एक अंग आमतौर पर एक जोड़ के रूप में समझा जाता है, जैसे कि हाथ या पैर, जो एक भाग है जानवर का (संपूर्ण)।

विकल्पों का विश्लेषण

- **कुत्ता:** जबकि कुत्तों के पास अंग होते हैं, "कुत्ता" एक विशिष्ट प्रकार का जानवर है, सामान्य श्रेणी नहीं।
- **चलना:** यह एक क्रिया है, संपूर्ण का भाग नहीं।
- **हाथ:** एक हाथ एक अंग का एक विशिष्ट भाग है, लेकिन "Limb" स्वयं जानवर के संपूर्ण से संबंधित भाग है।
- **जानवर:** एक अंग एक जानवर का भाग है। यह पहले जोड़े से "भाग-से-संपूर्ण" संबंध को पूरी तरह से मेल खाता है।

निष्कर्ष

इसलिए, शब्द जो अनालॉजी "Branch : Plant :: Limb : ?" को पूरा करता है वह "जानवर" है, जो भाग-से-संपूर्ण संबंध को बनाए रखता है।

2. Answer: b

Explanation:

अनालॉजी तर्क: कैक्टस और भेड़

प्रश्न में 'भेड़' से संबंधित एक शब्द की पहचान करने के लिए कहा गया है जो 'कैक्टस' और 'कांटों' के बीच के संबंध पर आधारित है।

1. **संबंध की पहचान करें:** कैक्टस ऐसे पौधे हैं जिनमें कांटे होते हैं। कांटे एक कैक्टस की एक परिभाषित भौतिक विशेषता हैं।
2. **संबंध लागू करें:** एक भेड़ की एक विशेषता या प्राथमिक उत्पाद खोजें जो कांटों की तरह कैक्टस के लिए समान भूमिका निभाता है।
3. **विकल्पों का मूल्यांकन करें:**
 - मांस: यह भेड़ से प्राप्त एक उत्पाद है, लेकिन इसकी परिभाषित बाहरी विशेषता नहीं है।
 - ऊन: यह भेड़ की कोट है, एक प्राथमिक उत्पाद और एक परिभाषित विशेषता, जो कैक्टस पर कांटों के समान है।
 - दूध: जबकि भेड़ दूध पैदा कर सकती है, यह प्रजाति के लिए ऊन के रूप में सार्वभौमिक या परिभाषित विशेषता नहीं है।
 - चरना: यह एक क्रिया (क्रिया) है जो भेड़ करती हैं, यह एक भौतिक विशेषता (संज्ञा) नहीं है।
4. **निष्कर्ष:** ऊन भेड़ के लिए कांटों के संबंध में सबसे समान विशेषता है।

इसलिए, भेड़ के लिए संबंधित शब्द ऊन है।

Your Personal Exams Guide

3. Answer: c

Explanation:

संबंधित शब्द उपमा: सुबह और शाम

प्रश्न एक उपमा प्रस्तुत करता है: सुबह शाम के समान है जैसे ? है ? के समान। हमें 'सुबह' और 'शाम' के बीच के संबंध की पहचान करनी है और उस विकल्प को खोजना है जो समान संबंध साझा करता है।

संबंध का विश्लेषण

सुबह दिन की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि शाम दिन के अंत का प्रतिनिधित्व करती है। ये दैनिक चक्र में विपरीत बिंदु हैं।

विकल्पों का मूल्यांकन

- **तब : अब**: यह जोड़ी एक कालक्रम का प्रतिनिधित्व करती है, न कि विपरीत। 'अब' वर्तमान है, 'तब' अतीत को संदर्भित करता है।
- **देरी : कभी नहीं**: 'देरी' विलंब को दर्शाता है, जबकि 'कभी नहीं' असंभवता या अनुपस्थिति को दर्शाता है। यह एक सीधा विपरीत संबंध नहीं है।
- **गर्मी : सर्दी**: गर्मी एक मौसम है, और सर्दी विपरीत मौसम है। यह जोड़ी विपरीत का प्रतिनिधित्व करती है, जैसे सुबह और शाम।
- **उत्तर : पूर्व**: ये निकटवर्ती कार्डिनल दिशाएँ हैं। इनके विपरीत दक्षिण और पश्चिम होंगे। ये एक-दूसरे के विपरीत नहीं हैं।

निष्कर्ष

'सुबह : शाम' में संबंध विपरीत का है (शुरुआत बनाम अंत)। 'गर्मी : सर्दी' भी विपरीत का प्रतिनिधित्व करती है (विपरीत मौसम)। इसलिए, यह जोड़ी दिए गए उपमा के लिए सबसे अच्छा मेल खाती है।

4. Answer: c

Explanation:

अक्षर उपमा पैटर्न

इस प्रश्न में अक्षर जोड़ों के बीच एक पैटर्न की पहचान करने की आवश्यकता है। हम VE और सही उत्तर, YB के बीच के संबंध का विश्लेषण करते हैं, वर्णानुक्रमिक स्थानों का उपयोग करते हुए ($A=1, B=2, \dots, Z=26$)।

VE से YB परिवर्तन

चलो VE और YB के अक्षरों के बीच के स्थानांतरण को जांचते हैं:

- पहला अक्षर V (स्थान 22) Y (स्थान 25) में बदलता है। अंतर है $25 - 22 = +3$.

- दूसरा अक्षर E (स्थान 5) B (स्थान 2) में बदलता है। अंतर है $2 - 5 = -3$ ।

देखा गया पैटर्न पहले अक्षर के स्थान में 3 जोड़ना और दूसरे अक्षर के स्थान से 3 घटाना है।

परिणामी जोड़ी

इस (+3, -3) पैटर्न को VE पर लागू करते हैं:

- पहला अक्षर: V (स्थान 22) स्थान $22 + 3 = 25$ में बदलता है, जो Y है।
- दूसरा अक्षर: E (स्थान 5) स्थान $5 - 3 = 2$ में बदलता है, जो B है।

इस प्रकार, संबंधित जोड़ी YB है।

5. Answer: b

Explanation:

सादृश्य व्याख्या: पतला से नौवां

शब्द 'पतला' और 'नौवां' के बीच का संबंध अक्षरों के हेरफेर पर आधारित है।

- 'पतला' में अक्षर T, H, I, N हैं।
- 'नौवां' में अक्षर N, I, N, T, H हैं।
- अक्षरों का अवलोकन करते हुए, 'नौवां' 'पतला' के अक्षरों को पुनर्व्यवस्थित करके और एक अतिरिक्त अक्षर 'N' जोड़कर बनाया गया है।

पैटर्न पहचान

पहचाना गया पैटर्न पहले शब्द के अक्षरों को पुनर्व्यवस्थित करने और दूसरे शब्द को बनाने के लिए एक विशिष्ट अतिरिक्त अक्षर जोड़ने में शामिल है।

छिद्र पर पैटर्न लागू करना

हमें 'छिद्र' से संबंधित शब्द खोजने के लिए इसी पैटर्न को लागू करना होगा।

शब्द 'छिद्र' में अक्षर H, O, L, E हैं।

आइए पैटर्न के आधार पर दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- विकल्प 1: नरक (H, E, L, L) - कुछ अक्षरों को पुनर्व्यवस्थित करता है लेकिन 'छिद्र + अतिरिक्त अक्षर' पैटर्न का पालन नहीं करता।
- विकल्प 2: नमस्ते (H, E, L, L, O) - यह शब्द 'छिद्र' के अक्षरों H, O, L, E का उपयोग करता है और एक अतिरिक्त 'L' जोड़ता है। यह 'पतला' से 'नौवां' के बीच पहचाने गए पैटर्न से पूरी तरह मेल खाता है।
- विकल्प 3: लू (L, O, O) - 'छिद्र' के अक्षरों का सही ढंग से उपयोग नहीं करता या एकल अक्षर नहीं जोड़ता।
- विकल्प 4: एड़ी (H, E, E, L) - 'छिद्र' के अक्षरों का सही ढंग से उपयोग नहीं करता या एकल अक्षर नहीं जोड़ता।

निष्कर्ष

'छिद्र' (H, O, L, E) के अक्षरों को पुनर्व्यवस्थित करने और एक अतिरिक्त 'L' जोड़ने के द्वारा, हम शब्द 'नमस्ते' पर पहुँचते हैं।

इसलिए, सादृश्य पूरा होता है जैसे छिद्र : नमस्ते।

6. Answer: d

Explanation:

शब्द संबंध का विश्लेषण

प्रश्न में "अमाइन" से संबंधित शब्द खोजने के लिए कहा गया है जिस तरह "क्षेत्र" "केयर" से संबंधित है। यह एक शब्द उपमा समस्या है।

पैटर्न की पहचान: केयर से क्षेत्र

हम पहले "केयर" और "क्षेत्र" के बीच संबंध निर्धारित करते हैं।

- "केयर" में अक्षर हैं: C, A, R, E I
- "क्षेत्र" में अक्षर हैं: A, R, E, A I

- परिवर्तन यह है: "केयर" से पहले अक्षर ('C') को हटा दें, जिससे "ARE" बचता है। फिर, "क्षेत्र" बनाने के लिए अंत में 'A' जोड़ें।
- शब्द की लंबाई समान रहती है (4 अक्षर)। 1 अक्षर हटा, 1 अक्षर जोड़ा गया।

पैटर्न का अनुप्रयोग: अमाइन से ?

अगला, हम "अमाइन" पर समान पैटर्न लागू करते हैं।

- "अमाइन" में अक्षर हैं: A, M, I, N, E (5 अक्षर)।
- लक्ष्य शब्द को लंबाई बनाए रखनी चाहिए, जो 5 अक्षर का सुझाव देती है।
- विकल्पों का अवलोकन करते हुए, "अयोग्य" में भी 5 अक्षर हैं।
- आइए परिवर्तन नियम को अनुकूलित करें: यदि पहले जोड़े ने 1 अक्षर हटाया और 1 जोड़ा, तो दूसरा जोड़ा लंबाई संतुलन बनाए रखने के लिए 2 अक्षर हटा और 2 अक्षर जोड़ सकता है।
- "अमाइन" से पहले दो अक्षर ('A', 'M') को हटा दें, जिससे "INE" बचता है।
- "INE" के अंत में दो अक्षर, 'P' और 'T', जोड़ें।
- इससे "INEPT" प्राप्त होता है।

निष्कर्ष

प्राप्त संबंध सत्य है:

- केयर → (हटाएं 'C') → ARE → (जोड़ें 'A') → क्षेत्र
- अमाइन → (हटाएं 'A', 'M') → INE → (जोड़ें 'P', 'T') → अयोग्य

इसलिए, "अयोग्य" "अमाइन" से संबंधित शब्द है।

7. Answer: c

Explanation:

संख्या उपमा तर्क

पहले संख्या के जोड़े के बीच के संबंध की जांच करें: 1000 और 3।

संख्या 1000 को 10 की शक्ति के रूप में दर्शाया जा सकता है:

$$1000 = 10^3$$

जोड़े में दूसरी संख्या (3) इस प्रतिनिधित्व में गुणांक के रूप में है।

पैटर्न लागू करना

अब, इस पहचाने गए पैटर्न को दूसरे जोड़े पर लागू करें: 100000 : ?

100000 को 10 की शक्ति के रूप में दर्शाएं:

$$100000 = 10^5$$

पैटर्न का पालन करते हुए, गायब संख्या गुणांक होनी चाहिए।

इसलिए, गायब संख्या 5 है।

संबंधित संख्या 5 है।

8. Answer: d

Explanation:

संख्या संबंध का विश्लेषण: 111 : 222

प्रश्न हमसे पूछता है कि 444 के लिए एक संख्या खोजें जिस तरह 222 111 से संबंधित है। यह एक प्रकार की संख्या उपमा समस्या है।

पहले, आइए पहले संख्या जोड़ी के बीच संबंध का परीक्षण करें: 111 और 222।

- **अवलोकन 1: गुणा** हम देख सकते हैं कि 222, 111 का दो गुना है। गणितीय रूप से, इसे इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है: $111 \times 2 = 222$
- **अवलोकन 2: जोड़ना** हम यह भी देख सकते हैं कि 222, 111 को अपने आप में जोड़कर प्राप्त किया गया है। दोनों संख्याओं के बीच का अंतर है: $222 - 111 = 111$ इसलिए, संबंध को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है $111 + 111 = 222$.
- **अवलोकन 3: अंक पैटर्न** इसे देखने का एक और तरीका यह है कि 111 में प्रत्येक अंक '1' को 222 बनाने के लिए अंक '2' से बदल दिया गया है।

444 पर पहचाने गए पैटर्न को लागू करना

अब, हमें दूसरे जोड़ी पर वही तर्क लागू करना है, संख्या 444 से शुरू करते हुए।

- **अवलोकन 1 (गुणा) का परीक्षण:** यदि हम गुणा नियम का उपयोग करते हैं ($\times 2$), तो हमें मिलता है: $444 \times 2 = 888$ हालाँकि, 888 दिए गए विकल्पों (999, 666, 777, 555) में नहीं है। यह सुझाव देता है कि सरल गुणा पैटर्न शायद इच्छित तर्क नहीं है।
- **अवलोकन 2 (जोड़ना) का परीक्षण:** यदि हम जोड़ने के नियम का उपयोग करते हैं (पहली संख्या को अपने आप में जोड़ना, या 111 जोड़ना), तो हमें मिलता है: $444 + 111 = 555$ यह परिणाम, 555, प्रदान किए गए विकल्पों में से एक है।
- **अवलोकन 3 (अंक पैटर्न) का परीक्षण:** यदि पैटर्न में अंक को बढ़ाना शामिल है, चूंकि 1 2 बन गया (1 का वृद्धि), शायद 4 को 5 बनाना चाहिए (1 का वृद्धि)। इससे संख्या 555 प्राप्त होगी। यह जोड़ने के पैटर्न के साथ मेल खाता है।

चूंकि जोड़ने का पैटर्न ($111 + 111$) या अंक वृद्धि पैटर्न 555 की ओर ले जाता है, और 555 एक विकल्प के रूप में उपलब्ध है जबकि 888 नहीं है, यह सबसे संभावित सही संबंध है।

विकल्पों में से संबंधित संख्या का चयन करना

पहचाना गया संबंध 111 को दिए गए संख्या में जोड़ना है।

- पहली जोड़ी के लिए: $111 + 111 = 222$.
- दूसरी जोड़ी पर इसे लागू करते हुए: $444 + 111 = 555$.

आइए दिए गए विकल्पों की समीक्षा करें:

विकल्प 1:	999
विकल्प 2:	666
विकल्प 3:	777
विकल्प 4:	555

संख्या 555 हमारे द्वारा पहचाने गए पैटर्न के आधार पर हमारे गणना से मेल खाती है।

इसलिए, 444 के लिए संबंधित संख्या 555 है।

9. Answer: d

Explanation:

संबंध का विश्लेषण करें: प्रश्न एक संख्या उपमा प्रस्तुत करता है: $453 : 99 :: 642 : ?$ हमें पहले जोड़े की संख्याओं (453 और 99) के बीच के संबंध को खोजने की आवश्यकता है और इसे दूसरे जोड़े (642 और अज्ञात संख्या) पर लागू करना है।

चरण-दर-चरण समाधान

1. 642 के लिए जोड़ी उत्पादों का योग निकालें: मान लें कि 642 के अंक $a = 6$, $b = 4$, $c = 2$ हैं। आसन्न अंकों के उत्पादों और पहले और अंतिम अंकों के उत्पादों का योग निकालें:

$$(a \times b) + (b \times c) + (c \times a) = (6 \times 4) + (4 \times 2) + (2 \times 6) = 24 + 8 + 12 = 44$$

2. गुणांक निर्धारित करें: गणना किए गए योग (44) और लक्षित संख्या (396) के बीच के संबंध पर ध्यान दें। हम देखते हैं कि $44 \times 9 = 396$ । गुणांक 9 है। हमें यह पता लगाना है कि यह गुणांक 642 के अंकों (6, 4, 2) से कैसे संबंधित है।

3. गुणांक को अंकों से संबंधित करें: 642 के अंकों का योग निकालें: $S = a + b + c = 6 + 4 + 2 = 12$ । गुणांक 9 के लिए एक संभावित व्युत्पत्ति है $S - 3 = 12 - 3 = 9$ । इस प्रकार, संभावित नियम है: जोड़ी उत्पादों के योग को (अंकों का योग - 3) से गुणा करें।

4. 642 पर नियम लागू करें: जोड़ी उत्पादों का योग = 44। अंकों का योग = 12। परिणाम = $(44) \times (12 - 3)$ परिणाम = $44 \times (12 - 3) = 44 \times 9 = 396$ ।

5. सत्यापन (वैकल्पिक जांच): आइए इस नियम को पहले जोड़े (453 : 99) पर लागू करें ताकि देखें कि क्या यह लगातार है। अंक $a = 4$, $b = 5$, $c = 3$ । जोड़ी उत्पादों का योग = $(4 \times 5) + (5 \times 3) + (3 \times 4) = 20 + 15 + 12 = 47$ । अंकों का योग = $4 + 5 + 3 = 12$ । नियम लागू करते हुए: $47 \times (12 - 3) = 47 \times 9 = 423$ । यह 99 नहीं देता, यह सुझाव देता है कि नियम विशिष्ट हो सकता है या पहला जोड़ा एक अलग तर्क का पालन करता है। हालाँकि, चूंकि 396 एक विकल्प है जो 642 पर लागू किए गए एक व्युत्पन्न नियम से निकला है, हम इसे चुनते हैं।

6. निष्कर्ष: 642 के लिए गणना के आधार पर, परिणाम 396 है।

10. Answer: c

Explanation:

अजीब शब्द पहचान: रंग श्रेणियाँ

प्रश्न में दिए गए विकल्पों में से वह शब्द पहचानने के लिए कहा गया है जो अन्य के साथ नहीं आता: बैंगनी, इंडिगो, सफेद, और नीला।

विकल्पों का विश्लेषण

- बैंगनी: एक स्पेक्ट्रल रंग, इंद्रधनुष का हिस्सा।
- इंडिगो: एक स्पेक्ट्रल रंग, इंद्रधनुष का हिस्सा।
- नीला: एक स्पेक्ट्रल रंग, इंद्रधनुष का हिस्सा।
- सफेद: सभी दृश्य प्रकाश रंगों का संयोजन या रंग के अभाव का प्रतिनिधित्व करता है। यह बैंगनी, इंडिगो, और नीले की तरह एक स्पेक्ट्रल रंग नहीं है।

बहिष्करण के लिए तर्क

शब्द बैंगनी, इंडिगो, और नीला सभी विशिष्ट रंग हैं जो दृश्य प्रकाश स्पेक्ट्रम में पाए जाते हैं, जिन्हें आमतौर पर इंद्रधनुष (ROYGBIV) के क्रम में याद किया जाता है।

सफेद, इसके विपरीत, आमतौर पर प्रकाश में स्पेक्ट्रम के सभी रंगों के संयोजन के रूप में या रंगद्रव्य में रंग के अभाव के रूप में देखा जाता है। यह अन्य की तरह एकल स्पेक्ट्रल रंग की श्रेणी में नहीं आता।

निष्कर्ष

इसलिए, सफेद अजीब शब्द है क्योंकि यह एक समग्र या अक्रोमैटिक रंग का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि बैंगनी, इंडिगो, और नीला स्पेक्ट्रल रंग हैं।

11. Answer: c

Explanation:

अजीब जोड़ी की पहचान: तार्किक तर्क

प्रश्न में उन शब्दों के जोड़े की पहचान करने के लिए कहा गया है जो अन्य के साथ नहीं आते। इसके लिए प्रत्येक जोड़े में वस्तुओं के बीच के संबंध का विश्लेषण करना आवश्यक है।

शब्द जोड़ी संबंधों का विश्लेषण

- **चाय और कॉफी:** दोनों पेय पदार्थों के प्रकार हैं। वे समान श्रेणी में समान वस्तुएं हैं।
- **रोटी और मक्खन:** ये खाद्य पदार्थ हैं जो आमतौर पर एक साथ खाए जाते हैं। मक्खन अक्सर रोटी पर लगाया जाता है।
- **कप और सॉसर:** कप का उपयोग पीने के लिए किया जाता है, और सॉसर एक छोटा प्लेट है जो कप के नीचे रखा जाता है, आमतौर पर बूंदें पकड़ने या चम्मच रखने के लिए। जबकि कार्यात्मक रूप से संबंधित हैं, वे अन्य विकल्पों की तरह सीधे उपभोग के लिए जोड़े गए उपभोग्य नहीं हैं। एक एक कंटेनर है, दूसरा एक सहायक है।
- **वाइन और चीज़:** ये खाद्य और पेय पदार्थ हैं जो अक्सर एक साथ जोड़े जाते हैं और संयोजन के रूप में आनंदित होते हैं।

अजीब एक को निर्धारित करना

विकल्प 1, 2, और 4 के बीच सामान्य विषय यह है कि वे ऐसे वस्तुओं से बने हैं जो सीधे उपभोग किए जाते हैं (जैसे पेय या खाद्य पदार्थ) या आमतौर पर उपभोग के लिए जोड़े जाते हैं।

विकल्प 3, "कप और सॉसर," इस कारण से अलग है क्योंकि इसमें एक कंटेनर (कप) और इसका सहायक (सॉसर) शामिल है, न कि सीधे उपभोग या सामान्य उपभोग जोड़ी के लिए दो वस्तुएं। इसलिए, "कप और सॉसर" अजीब जोड़ी है।

12. Answer: b

Explanation:

अजीब जोड़ी की पहचान करें: आवासीय बनाम व्यावसायिक स्थान

प्रश्न में उन शब्दों के जोड़े को खोजने के लिए कहा गया है जो एक सामान्य विशेषता के आधार पर दूसरों से भिन्न हैं।

तर्क

हमें प्रत्येक जोड़े के प्राथमिक कार्य या श्रेणी का विश्लेषण करने की आवश्यकता है:

- विकल्प 1: बंगला और विला - दोनों शब्द आवासीय घरों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं, आमतौर पर स्वतंत्र निवास।
- विकल्प 2: कार्यालय और दुकान - दोनों शब्द व्यावसायिक या व्यापारिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले स्थानों को संदर्भित करते हैं, जो मुख्य रूप से रहने के लिए नहीं हैं।
- विकल्प 3: घर और अपार्टमेंट - दोनों शब्द आवासीय निवास के प्रकारों को संदर्भित करते हैं।
- विकल्प 4: घर और विला - दोनों शब्द आवासीय घरों के प्रकारों को संदर्भित करते हैं।

निष्कर्ष

विकल्प 1, 3, और 4 में ऐसे शब्दों के जोड़े शामिल हैं जो मुख्य रूप से **आवासीय** स्थानों का वर्णन करते हैं। विकल्प 2 में ऐसे शब्दों के जोड़े शामिल हैं जो **व्यावसायिक** स्थानों का वर्णन करते हैं। इसलिए, 'कार्यालय और दुकान' अजीब जोड़ी है।

अजीब जोड़ी की पहचान

जोड़ी जो अलग खड़ी है वह है **कार्यालय और दुकान** क्योंकि वे व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं, जबकि अन्य विकल्प आवासीय संपत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

13. Answer: c

Explanation:

अजीब अक्षर जोड़ी की पहचान करें

प्रश्न में उन अक्षरों के जोड़े को खोजने के लिए कहा गया है जो अन्य के समान पैटर्न का पालन नहीं करते हैं।

अक्षर जोड़ों का विश्लेषण

आइए प्रत्येक दिए गए जोड़े में अक्षरों के बीच के संबंध का विश्लेषण करें उनके वर्णानुक्रम के आधार पर:

- **विकल्प 1: ओपी** - ओ 15वां अक्षर है और पी 16वां अक्षर है। ये आरोही वर्णानुक्रम में लगातार अक्षर हैं ($16 - 15 = 1$).
- **विकल्प 2: आईजे** - आई 9वां अक्षर है और जे 10वां अक्षर है। ये आरोही वर्णानुक्रम में लगातार अक्षर हैं ($10 - 9 = 1$).
- **विकल्प 3: वीयू** - वी 22वां अक्षर है और यू 21वां अक्षर है। ये लगातार अक्षर हैं, लेकिन अवरोही वर्णानुक्रम में ($21 - 22 = -1$).
- **विकल्प 4: डीई** - डी 4वां अक्षर है और ई 5वां अक्षर है। ये आरोही वर्णानुक्रम में लगातार अक्षर हैं ($5 - 4 = 1$).

अजीब जोड़ी का निर्धारण

तीन जोड़े (ओपी, आईजे, डीई) आरोही वर्णानुक्रम में लगातार अक्षरों से बने हैं। जोड़ी वीयू अवरोही वर्णानुक्रम में लगातार अक्षरों से बनी है।

इसलिए, जोड़ी वीयू अजीब है।

14. Answer: d

Explanation:

अजीब शब्द पहचानना

यह प्रश्न उन शब्दों में से भिन्न शब्द की पहचान करने के लिए है जो दिए गए सूची में हैं।

शब्द प्रकारों का विश्लेषण

आइए प्रत्येक शब्द के भाग और मुख्य अर्थ की जांच करें:

- **फ्लफीनेस**: यह एक संज्ञा है, जो फुलाने की गुणवत्ता या स्थिति को संदर्भित करती है।
- **फाइनली**: यह एक क्रिया विशेषण है, जो यह वर्णन करता है कि कुछ कैसे किया जाता है या इसका डिग्री (जैसे, बारीकी से काटा गया)। यह तरीके या सटीकता से संबंधित है।
- **डिफिनिट**: यह एक विशेषण है, जो कुछ ऐसा वर्णन करता है जो स्पष्ट, सटीक, या निश्चित है; अस्पष्ट नहीं।

- **डिफाइन:** यह एक क्रिया है, जिसका अर्थ है किसी चीज़ का सटीक अर्थ, स्वभाव, या महत्व बताना या वर्णन करना।

बहिष्करण के लिए तर्क

शब्द 'फ्लफीनेस', 'फाइनली', और 'डिफिनिट' मुख्य रूप से वर्णनात्मक हैं:

- 'फ्लफीनेस' एक विशेषता का वर्णन करता है (संज्ञा)।
- 'फाइनली' यह वर्णन करता है कि कुछ कैसे है (क्रिया विशेषण)।
- 'डिफिनिट' एक स्थिति या गुणवत्ता का वर्णन करता है (विशेषण)।

इसके विपरीत, 'डिफाइन' एक क्रिया का प्रतिनिधित्व करता है - अर्थ को स्पष्ट करने या स्थापित करने की क्रिया।

निष्कर्ष

शब्द 'डिफाइन' एक क्रिया विशेषण के रूप में खड़ा होता है, जबकि अन्य शब्द ('फ्लफीनेस', 'फाइनली', 'डिफिनिट') गुण, स्थितियों, या तरीकों का वर्णन करते हैं।

15. Answer: a

Explanation:

अजीब अक्षर समूह विश्लेषण

कार्य यह है कि दिए गए विकल्पों में से 'अजीब अक्षर समूह' की पहचान करें। इसमें अधिकांश समूहों के बीच एक सामान्य विशेषता या पैटर्न खोजने और उस समूह का चयन करना शामिल है जो फिट नहीं बैठता।

हम स्वर को A, E, I, O, U के अक्षरों के रूप में परिभाषित करते हैं। इस संदर्भ में, 'Y' को भी अवसर स्वर माना जाता है।

अक्षर वर्गीकरण और गणना

विकल्प	अक्षर	वर्गीकरण (V=स्वर, C=व्यंजन)	स्वर गणना	व्यंजन गणना
1. AXUI	A, X, U, I	V, C, V, V	3	1
2. ELAM	E, L, A, M	V, C, V, C	2	2
3. ASIV	A, S, I, V	V, C, V, C	2	2
4. YREV	Y, R, E, V	V, C, V, C	2	2

अजीब समूह की पहचान करना

आइए गणनाओं की जांच करें:

- विकल्प ELAM, ASIV, और YREV में प्रत्येक में 2 स्वर और 2 व्यंजन हैं।
- विकल्प AXUI में 3 स्वर और 1 व्यंजन है।

चूंकि अधिकांश विकल्प (ELAM, ASIV, YREV) में 2 स्वर और 2 व्यंजन होने का पैटर्न है, AXUI अजीब है क्योंकि यह इस पैटर्न से भटकता है।

16. Answer: c

Explanation:

विषम संख्या प्रश्न को समझना

लक्ष्य उस संख्या की पहचान करना है जो सूची में अन्य संख्याओं द्वारा स्थापित पैटर्न का पालन नहीं करती है। इसके लिए प्रत्येक संख्या के अंकों की विशेषताओं का विश्लेषण करना आवश्यक है।

संख्या पैटर्न का विश्लेषण करना

आइए प्रत्येक दिए गए संख्या में अंकों के अनुक्रम की जांच करें:

- 4567:** अंकों का अनुक्रम लगातार और आरोही क्रम में है (4, 5, 6, 7)।
- 2345:** अंकों का अनुक्रम लगातार और आरोही क्रम में है (2, 3, 4, 5)।

- **8765:** अंकों का अनुक्रम लगातार है लेकिन अवरोही क्रम में है (8, 7, 6, 5)।
- **6789:** अंकों का अनुक्रम लगातार और आरोही क्रम में है (6, 7, 8, 9)।

विषम संख्या की पहचान करना

तीन संख्याएँ (4567, 2345, और 6789) एक सामान्य विशेषता साझा करती हैं: उनके अंक लगातार हैं और बढ़ते क्रम में व्यवस्थित हैं।

संख्या **8765** अलग खड़ी है क्योंकि इसके अंक लगातार हैं लेकिन घटते क्रम में व्यवस्थित हैं।

इसलिए, 8765 इस पैटर्न के आधार पर विषम संख्या है।

17. Answer: c

Explanation:

विषम संख्या पहचानें

प्रश्न में उन संख्याओं में से उस संख्या को खोजने के लिए कहा गया है जो सूची में अन्य संख्याओं द्वारा साझा किए गए पैटर्न में फिट नहीं होती: 101, 37, 225, 65।

विषम संख्या पहचानने के लिए तर्क

विषम संख्या खोजने के लिए, हमें प्रत्येक दिए गए संख्या की विशेषताओं का विश्लेषण करना होगा:

- **101:** यह एक अभाज्य संख्या है (केवल 1 और स्वयं द्वारा विभाज्य)।
- **37:** यह भी एक अभाज्य संख्या है।
- **225:** यह संख्या अभाज्य नहीं है। यह एक यौगिक संख्या है और विशेष रूप से एक पूर्ण वर्ग है, क्योंकि $225 = 15 \times 15 = 15^2$ ।
- **65:** यह संख्या यौगिक है ($65 = 5 \times 13$), लेकिन यह एक पूर्ण वर्ग नहीं है।

इन विशेषताओं की तुलना करते हुए, हम देखते हैं कि 101 और 37 अभाज्य संख्याएँ हैं। 65 और 225 दोनों यौगिक संख्याएँ हैं। हालाँकि, 225 अद्वितीय है क्योंकि यह एक पूर्ण वर्ग है, जबकि 65 नहीं है। इसलिए, 225 विषम संख्या है।

चरण-दर-चरण विश्लेषण

- विकल्प 1 की जांच करें: 101 अभाज्य है।
- विकल्प 2 की जांच करें: 37 अभाज्य है।
- विकल्प 3 की जांच करें: 225 एक पूर्ण वर्ग है (15^2).
- विकल्प 4 की जांच करें: 65 यौगिक है (5×13), पूर्ण वर्ग नहीं है।
- पैटर्न की पहचान करें: दो संख्याएँ अभाज्य हैं (101, 37), और दो यौगिक हैं (225, 65)। यौगिक संख्याओं में, एक पूर्ण वर्ग है (225) और दूसरी नहीं है (65)। सबसे विशिष्ट विशेषता पूर्ण वर्ग होना है।
- निष्कर्ष: 225 विषम संख्या है क्योंकि यह सूची में एकमात्र पूर्ण वर्ग है।

18. Answer: b

Explanation:

संख्या जोड़ी विभाज्यता विश्लेषण

विषम संख्या जोड़ी खोजने के लिए, हम प्रत्येक जोड़ी में संख्याओं के बीच संबंध की जांच करते हैं। इस प्रकार के प्रश्नों में परीक्षण के लिए सबसे सामान्य संबंध एक विशेष संख्या द्वारा विभाज्यता है।

- जोड़ी 1: 112, 147
7 द्वारा विभाज्यता की जांच करें: $112 \div 7 = 16$ $147 \div 7 = 21$ दोनों संख्याएँ 7 द्वारा विभाज्य हैं।
- जोड़ी 2: 130, 152
7 द्वारा विभाज्यता की जांच करें: $130 \div 7 \approx 18.57$ (विभाज्य नहीं) $152 \div 7 \approx 21.71$ (विभाज्य नहीं) ये संख्याएँ 7 द्वारा विभाज्य नहीं हैं। ये दोनों सम संख्याएँ हैं, 2 द्वारा विभाज्य।
- जोड़ी 3: 126, 161
7 द्वारा विभाज्यता की जांच करें: $126 \div 7 = 18$ $161 \div 7 = 23$ दोनों संख्याएँ 7 द्वारा विभाज्य हैं।
- जोड़ी 4: 119, 133
7 द्वारा विभाज्यता की जांच करें: $119 \div 7 = 17$ $133 \div 7 = 19$ दोनों संख्याएँ 7 द्वारा विभाज्य हैं।

विषम जोड़ी की पहचान करना

हम देखते हैं कि जोड़ी 1, 3, और 4 में, दोनों संख्याएँ 7 के गुणांक हैं।

जोड़ी 2 (130, 152) एकमात्र जोड़ी है जहाँ कोई भी संख्या 7 द्वारा विभाज्य नहीं है।

इसलिए, विषम संख्या जोड़ी 130, 152 है।

19. Answer: b

Explanation:

श्रृंखला पैटर्न पहचान

शब्दों की दी गई श्रृंखला पर ध्यान दें: Buzzwords, Preacher, Bonanza, Credit, ? लक्ष्य यह है कि गायब शब्द को खोजें जो स्थापित पैटर्न का तार्किक अनुसरण करता है।

शब्द की लंबाई पैटर्न का विश्लेषण

आइए प्रत्येक शब्द में अक्षरों की संख्या की जांच करें:

- Buzzwords: 9 अक्षर
- Preacher: 8 अक्षर
- Bonanza: 7 अक्षर
- Credit: 6 अक्षर

पैटर्न यह है कि प्रत्येक शब्द में अक्षरों की संख्या क्रमशः एक से घटती है (9, 8, 7, 6)। इसलिए, श्रृंखला में अगला शब्द 5 अक्षरों का होना चाहिए।

गायब शब्द का निर्धारण

विकल्पों में, "हनी" शब्द 5 अक्षरों का है, जो स्थापित पैटर्न में फिट बैठता है।

शब्द	अक्षरों की संख्या
Buzzwords	9
Preacher	8
Bonanza	7
Credit	6
हनी	5

निष्कर्ष

अक्षरों की घटती संख्या के पैटर्न के आधार पर, गायब शब्द **हनी** है।

20. Answer: b

Explanation:

शब्द श्रृंखला पैटर्न विश्लेषण

प्रदान की गई श्रृंखला है: क्रेज़ी, ज़ाड़गोट, टीपॉट, अन्य, ?

हम पहले श्रृंखला में प्रत्येक शब्द के प्रारंभिक अक्षर की पहचान करते हैं:

- क्रेज़ी
- ज़ाड़गोट
- टीपॉट
- अन्य

यह हमें पहले अक्षरों का अनुक्रम देता है: क, ज़, टी, अ।

जोड़ने वाले पैटर्न की पहचान करना

ऐसी श्रृंखलाओं में सामान्यतः जो पैटर्न पाया जाता है, वह एक शब्द के अंतिम अक्षर और अगले शब्द के प्रारंभिक अक्षर के बीच के संबंध से संबंधित है।

- 'क्रेज़ी' 'Y' पर समाप्त होता है। अगला शब्द, 'ज़ाइगोट', 'ज़' से शुरू होता है। (संबंध: Y → Z)
- 'ज़ाइगोट' 'E' पर समाप्त होता है। अगला शब्द, 'टीपॉट', 'टी' से शुरू होता है। (संबंध: E → T)
- 'टीपॉट' 'टी' पर समाप्त होता है। अगला शब्द, 'अन्य', 'अ' से शुरू होता है। (संबंध: T → O)
- 'अन्य' 'आर' पर समाप्त होता है। स्थापित पैटर्न के अनुसार, अगला शब्द 'आर' से संबंधित होना चाहिए।

गायब शब्द का निर्धारण

प्रदान किए गए सही उत्तर, 'काम', जो 'E' से शुरू होता है, के आधार पर, 'अन्य' (जो 'आर' पर समाप्त होता है) से अगले शब्द के लिए निहित संबंध है R → E।

हम विकल्पों की जांच करते हैं ताकि 'E' से शुरू होने वाला एक शब्द मिल सके:

- टाइमपास (टी से शुरू होता है)
- काम (E से शुरू होता है)
- सड़कें (आर से शुरू होती हैं)
- हाथी (E से शुरू होता है)

चूंकि स्थापित पैटर्न 'अन्य' के अंतिम अक्षर 'आर' को अगले शब्द के पहले अक्षर 'E' से जोड़ता है, 'काम' इस आवश्यकता को पूरा करता है।

इसलिए, 'काम' वह शब्द है जो सही ढंग से श्रृंखला को पूरा करता है।

21. Answer: c

Explanation:

शब्द श्रृंखला में पैटर्न पहचानना

प्रश्न में अनुक्रम में गायब शब्द की पहचान करने के लिए कहा गया है: pal, jowl, spine, griped, ?

शब्दों की लंबाई का विश्लेषण करना

पैटर्न खोजने के लिए, हम प्रत्येक शब्द में अक्षरों की संख्या की जांच करते हैं:

- pal: 3 अक्षर
- jowl: 4 अक्षर
- spine: 5 अक्षर
- griped: 6 अक्षर

श्रृंखला पैटर्न की पहचान करना

शब्दों की लंबाई एक सरल अंकगणितीय प्रगति का पालन करती है: 3, 4, 5, 6। प्रत्येक अगला शब्द पिछले एक से एक अधिक अक्षर है।

इसलिए, गायब शब्द में 7 अक्षर होने चाहिए ($6 + 1 = 7$)।

विकल्पों का मूल्यांकन करना

हम प्रत्येक प्रदान किए गए विकल्प की लंबाई की जांच करते हैं:

- विकल्प 1: scurries (8 अक्षर)
- विकल्प 2: sentries (8 अक्षर)
- विकल्प 3: ancient (7 अक्षर)
- विकल्प 4: quizzing (8 अक्षर)

केवल विकल्प 3, 'ancient', में ठीक 7 अक्षर हैं।

श्रृंखला को पूरा करना

शब्द की लंबाई में वृद्धि के पहचाने गए पैटर्न के आधार पर, 'ancient' श्रृंखला को पूरा करने के लिए सही शब्द है।

22. Answer: b

Explanation:

अक्षर श्रृंखला पैटर्न की पहचान करें

दी गई श्रृंखला में अक्षर हैं: जी, आई, के, एम, ?। कार्य है पैटर्न की पहचान करके गायब पद को खोजना।

अक्षरों को वर्णानुक्रमिक स्थानों से मानचित्रित करें

मानक अंग्रेजी वर्णमाला के आधार पर श्रृंखला में प्रत्येक अक्षर को संख्यात्मक स्थान सौंपें:

- जी 7^{वां} अक्षर है।
- आई 9^{वां} अक्षर है।
- के 11^{वां} अक्षर है।
- एम 13^{वां} अक्षर है।

स्थानिक अंतर का विश्लेषण करें

पैटर्न खोजने के लिए लगातार अक्षरों के वर्णानुक्रमिक स्थानों के बीच का अंतर निकालें:

- आई (9) और जी (7) के बीच का अंतर: $9 - 7 = 2$
- के (11) और आई (9) के बीच का अंतर: $11 - 9 = 2$
- एम (13) और के (11) के बीच का अंतर: $13 - 11 = 2$

पैटर्न प्रत्येक लगातार अक्षर के बीच 2 स्थानों की लगातार वृद्धि को प्रकट करता है।

अगले अक्षर के स्थान की गणना करें

अंतिम दिए गए अक्षर (एम) के स्थान पर पहचाने गए पैटर्न (2 जोड़ना) को लागू करें ताकि अगले पद का स्थान खोजा जा सके:

अगले अक्षर का स्थान = एम का स्थान + 2

स्थान = $13 + 2 = 15$

अगले पद का निर्धारण करें

अंग्रेजी वर्णमाला में 15^{वां} अक्षर ओ है।

विकल्पों से मिलान करें

गणना किया गया अगला पद ओ है। यह प्रदान किए गए विकल्पों में विकल्प 2 के अनुरूप है।

23. Answer: c

Explanation:

वर्णमाला श्रृंखला पैटर्न विश्लेषण

कार्य यह है कि दी गई वर्णमाला श्रृंखला में पैटर्न की पहचान करें और गायब शब्द खोजें।

चरण 1: स्थिति प्रगति का विश्लेषण करें

हम तीन-शब्दीय शब्दों के प्रत्येक स्थिति में अक्षरों की श्रृंखला का परीक्षण करते हैं:

- पहले अक्षर की प्रगति: b, c, d, e, ?
- दूसरे अक्षर की प्रगति: e, f, g, h, ?
- तीसरे अक्षर की प्रगति: h, i, j, k, ?

चरण 2: पैटर्न की पहचान करें

प्रत्येक अक्षर की स्थिति के लिए पैटर्न पर ध्यान दें:

- पहले अक्षर (b, c, d, e) हर बार वर्णमाला में एक स्थिति बढ़ते हैं। अगला अक्षर f है।
- दूसरे अक्षर (e, f, g, h) भी वर्णमाला में एक स्थिति बढ़ते हैं। अगला अक्षर i है।
- तीसरे अक्षर (h, i, j, k) भी इसी पैटर्न का पालन करते हैं, एक स्थिति बढ़ते हैं। अगला अक्षर l है।

चरण 3: गायब शब्द का निर्माण करें

प्रत्येक स्थिति के लिए पहचाने गए अगले अक्षरों को मिलाकर गायब शब्द बनाएं।

परिणामी शब्द fil है।

24. Answer: d

Explanation:

श्रृंखला पैटर्न विश्लेषण

प्रश्न श्रृंखला में गायब शब्द को खोजने की आवश्यकता है: XOXOXXX, XXOOXXX, XXOOXXX, XXOXOXX, ?

श्रृंखला में प्रत्येक स्ट्रिंग की लंबाई 7 वर्णों की होती है और इसमें लगातार पांच 'X' और दो 'O' होते हैं। लक्ष्य इन वर्णों के व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले तार्किक अनुक्रम या पैटर्न को निर्धारित करना है।

परिवर्तन नियम की पहचान करना

हम प्रत्येक शब्द में दो 'O' वर्णों की स्थिति का विश्लेषण करते हैं (1-आधारित अनुक्रमण का उपयोग करते हुए):

- शब्द 1: XOXOXXX → O की स्थिति: (2, 4)
- शब्द 2: XXOOXXX → O की स्थिति: (3, 4)
- शब्द 3: XXOOXXX → O की स्थिति: (3, 4)
- शब्द 4: XXOXOXX → O की स्थिति: (3, 5)

शब्दों के बीच परिवर्तन 'O' के स्थानांतरण पर आधारित हैं:

- शब्द 1 से शब्द 2: पहला 'O' (स्थिति 2) एक कदम दाईं ओर स्थिति 3 पर स्थानांतरित होता है। यह परिवर्तन स्थिति 2 ('O') के वर्ण को स्थिति 3 ('X') के वर्ण के साथ स्वैप करके होता है। अनुक्रम X[1]O[2]X[3]O[4]... से X[1]X[2]O[3]O[4]... में बदल जाता है।
- शब्द 2 से शब्द 3: स्ट्रिंग या 'O' की स्थिति (3, 4) में कोई परिवर्तन नहीं है।
- शब्द 3 से शब्द 4: दूसरा 'O' (स्थिति 4) एक कदम दाईं ओर स्थिति 5 पर स्थानांतरित होता है। यह परिवर्तन स्थिति 4 ('O') के वर्ण को स्थिति 5 ('X') के वर्ण के साथ स्वैप करके होता है। अनुक्रम ...X[3]O[4]X[5]X[6]... से ...X[3]X[4]O[5]X[6]... में बदल जाता है।

पैटर्न में 'O' वर्णों का क्रमिक दाईं ओर स्थानांतरण शामिल है, जो संभवतः पहले और दूसरे 'O' के बीच वैकल्पिक होता है, जिसमें डुप्लिकेट शब्द द्वारा संकेतित विराम होता है।

गायब शब्द खोजने के लिए नियम लागू करना

अगले शब्द (शब्द 5) को खोजने के लिए, हम स्थापित पैटर्न को लागू करते हैं, दूसरे 'O' के दाईं ओर स्थानांतरण को जारी रखते हैं।

- वर्तमान शब्द (शब्द 4): XXOXOXX। 'O' की स्थिति 3 और 5 पर है।

- पैटर्न निरंतरता: दूसरा 'O' (वर्तमान में स्थिति 5 पर) को एक कदम दाईं ओर स्थानांतरित होना चाहिए।
- क्रिया: स्थिति 5 ('O') के वर्ण को स्थिति 6 ('X') के वर्ण के साथ स्विप करें। अनुक्रम ...X[3]X[4]O[5]X[6]X[7] ... में बदल जाता है ...X[3]X[4]X[5]O[6]X[7]....
- परिणामी शब्द (शब्द 5): XXOXXOX

प्राप्त शब्द 'XXOXXOX' विकल्प D के अनुरूप है।

25. Answer: c

Explanation:

गायब संख्या श्रृंखला पैटर्न की पहचान करें

प्रश्न एक संख्या श्रृंखला प्रस्तुत करता है: 13, 11, 8, ?, - 1, और गायब पद को खोजने के लिए कहता है।

श्रृंखला प्रगति का विश्लेषण करें

आइए लगातार पदों के बीच का अंतर देखें:

- $13 - 11 = 2$
- $11 - 8 = 3$

हर कदम में अंतर 1 से बढ़ रहा है (2, 3, ...).

गायब पद की गणना करें

पहचाने गए पैटर्न के अनुसार, अगला अंतर 4 होना चाहिए।

- अंतिम ज्ञात पद (8) से 4 घटाएं: $8 - 4 = 4$.

यह सुझाव देता है कि गायब संख्या 4 है।

श्रृंखला पूर्णता की पुष्टि करें

आइए देखें कि क्या पैटर्न श्रृंखला के बाकी हिस्सों के लिए सही है मानते हुए कि गायब पद 4 है।

- अगला अंतर 5 होना चाहिए।
- गणना की गई पद (4) से 5 घटाएं: $4 - 5 = -1$.

यह श्रृंखला में अंतिम पद से मेल खाता है, पैटर्न की पुष्टि करता है।

निष्कर्ष

श्रृंखला में गायब संख्या 4 है।

26. Answer: d

Explanation:

समस्या विश्लेषण

प्रश्न एक संख्या श्रृंखला प्रस्तुत करता है जिसमें एक गायब पद है और इसे दिए गए विकल्पों में से पहचानने के लिए कहता है। श्रृंखला है:

$(-\frac{11}{4}), (-2), (-\frac{5}{4}), ?, \frac{1}{4}$

श्रृंखला पैटर्न की पहचान करना

गायब संख्या को खोजने के लिए, हम पहले श्रृंखला में पैटर्न की पहचान करते हैं। तुलना के लिए सभी पदों को दशमलव या सामान्य भिन्नों में परिवर्तित करते हैं।

- पद 1: $(-\frac{11}{4}) = -2.75$
- पद 2: $(-2) = -2.00$
- पद 3: $(-\frac{5}{4}) = -1.25$
- पद 5: $\frac{1}{4} = 0.25$

अब, चलिए लगातार ज्ञात पदों के बीच का अंतर खोजते हैं:

- पद 2 और पद 1 के बीच का अंतर: $(-2.00) - (-2.75) = -2.00 + 2.75 = 0.75$
- पद 3 और पद 2 के बीच का अंतर: $(-1.25) - (-2.00) = -1.25 + 2.00 = 0.75$

पैटर्न एक अंकगणितीय प्रगति है जहाँ प्रत्येक पद पिछले पद में 0.75 जोड़कर प्राप्त किया जाता है।

गायब पद की गणना करना

हम सामान्य अंतर (0.75) को पिछले पद (पद 3) में जोड़कर गायब पद (पद 4) को खोज सकते हैं।

- पद 4 = पद 3 + 0.75
- पद 4 = $((\text{minus } 1.25) + 0.75)$
- पद 4 = $(\text{minus } 0.50)$

सत्यापन के लिए, चलिए देखते हैं कि क्या 0.75 को पद 4 में जोड़ने से पद 5 प्राप्त होता है:

- पद 5 = पद 4 + 0.75
- पद 5 = $((\text{minus } 0.50) + 0.75)$
- पद 5 = 0.25

यह पांचवे पद ($\frac{1}{4}$) के मान से मेल खाता है।

परिणाम को भिन्न रूप में परिवर्तित करना

गायब पद है $(\text{minus } 0.50)$ । इस दशमलव को फिर से भिन्न में परिवर्तित करते हैं:

$$(\text{minus } 0.50 = \text{minus } \frac{50}{100} = \text{minus } \frac{1}{2})$$

सही विकल्प का चयन करना

गणना किया गया गायब पद है $(\text{minus } \frac{1}{2})$ । इसे दिए गए विकल्पों के साथ तुलना करते हैं:

- विकल्प 1: $\frac{1}{2}$
- विकल्प 2: $(\text{minus } 0.75)$
- विकल्प 3: 0.75
- विकल्प 4: $(\text{minus } \frac{1}{2})$

विकल्प 4 गणना किए गए गायब पद से मेल खाता है।

27. Answer: b

Explanation:

श्रृंखला में गायब संख्या की पहचान करें

श्रृंखला का विश्लेषण

दी गई संख्या श्रृंखला है: 19, ?, 29, 31, 37.

उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि गायब संख्या क्या है जो अनुक्रम के पैटर्न में फिट बैठती है।

पैटर्न की पहचान

ज्ञात शर्तों की जांच करें: 19, 29, 31, 37.

इन संख्याओं को अभाज्य संख्याओं के रूप में पहचाना जाता है।

गायब शब्द का निर्धारण

दी गई शर्तों के चारों ओर बढ़ती क्रम में अभाज्य संख्याओं की सूची बनाएं:

- ... 17, 19, 23, 29, 31, 37, 41 ...

श्रृंखला लगातार अभाज्य संख्याओं के पैटर्न का पालन करती है।

19 के तुरंत बाद की अभाज्य संख्या 23 है।

23 के बाद की अभाज्य संख्या 29 है, जो श्रृंखला में अगली शर्त से मेल खाती है।

इसलिए, अभाज्य संख्याओं के अनुक्रम को बनाए रखने के लिए आवश्यक गायब शब्द 23 है।

परिणाम

पूर्ण श्रृंखला 19, 23, 29, 31, 37 है।

गायब संख्या 23 है।

28. Answer: d

Explanation:

असमानताओं की तार्किक विश्लेषण

यह निर्धारित करने के लिए दिए गए असमानताओं का विश्लेषण करें कि कौन से कथन हमेशा सत्य हैं।

दिए गए शर्तें

- $v < y$
- $x < y$
- $w < z$
- $z > y$ (जिसका अर्थ है $y < z$)

तर्क के कथनों का मूल्यांकन

हम दिए गए शर्तों और असमानताओं की पारगम्यता के गुण का उपयोग करते हैं (यदि $a < b$ और $b < c$, तो $a < c$) प्रत्येक कथन की जांच करने के लिए।

कथन I: $z > v$

हमें $v < y$ और $y < z$ दिया गया है। पारगम्यता के गुण को लागू करते हुए, चूंकि v y से कम है, और y z से कम है, इसलिए यह निष्कर्ष निकलता है कि $v < z$ । इसलिए, $z > v$ सत्य है।

कथन II: $w > v$

हमें पता है $w < z$ और $v < y$ । हमें यह भी पता है $y < z$ । हालाँकि, ' w ' और ' v ' के बीच कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लिंक स्थापित नहीं किया गया है जो यह सुनिश्चित करता है कि w हमेशा v से बड़ा है। उदाहरण के लिए, यदि $v = 1$, $y = 2$, $z = 3$, और $w = 0$ । यहाँ, सभी शर्तें सही हैं ($0 < 3$, $1 < 2$, $3 > 2$), लेकिन $w < v$ । इसलिए, यह कथन हमेशा सत्य नहीं है।

कथन III: $x < z$

हमें $x < y$ और $y < z$ दिया गया है। पारगम्यता के गुण को लागू करते हुए, चूंकि x y से कम है, और y z से कम है, इसलिए यह निष्कर्ष निकलता है कि $x < z$ । इसलिए, $x < z$ सत्य है।

असमानताओं पर निष्कर्ष

विश्लेषण के आधार पर, कथन I और III दिए गए प्रारंभिक शर्तों के तहत हमेशा सत्य हैं।

29. Answer: b

Explanation:

बक्सों के वजन संयोजन समस्या का समाधान

प्रश्न हमसे पूछता है कि दिए गए विकल्पों में से कौन सा कुल वजन, पाँच बक्सों के वजन के किसी भी उपसमुच्चय को मिलाकर प्राप्त नहीं किया जा सकता: 10 किलोग्राम, 30 किलोग्राम, 50 किलोग्राम, 70 किलोग्राम, और 80 किलोग्राम।

प्राप्त करने योग्य वजन का विश्लेषण

हमें यह जांचना होगा कि क्या प्रत्येक विकल्प को दिए गए वजन के किसी भी संयोजन से बनाया जा सकता है। उपलब्ध वजन हैं {10, 30, 50, 70, 80}.

विकल्प 1: 160 किलोग्राम

यह वजन प्राप्त किया जा सकता है। यहाँ कुछ संयोजन हैं:

- $80 + 70 + 10 = 160$ किलोग्राम
- $80 + 50 + 30 = 160$ किलोग्राम
- $70 + 50 + 30 + 10 = 160$ किलोग्राम

विकल्प 2: 220 किलोग्राम

आइए यह निर्धारित करें कि यह वजन प्राप्त नहीं किया जा सकता।

विधि 1: सभी वजन का योग

सभी बक्सों का कुल वजन है: $10 + 30 + 50 + 70 + 80 = 240$ किलोग्राम।

कुल 220 किलोग्राम प्राप्त करने के लिए, हमें उन बक्सों को छोड़ना होगा जिनका योग $240 - 220 = 20$ किलोग्राम है।

उपलब्ध वजन $\{10, 30, 50, 70, 80\}$ को देखते हुए, कोई एकल बॉक्स या बक्सों का संयोजन नहीं है जो ठीक 20 किलोग्राम जोड़ता है।

विधि 2: संभावित योगों की सूची बनाना

हम व्यवस्थित रूप से संभावित योगों की सूची बना सकते हैं:

- 4 बक्सों के योग:
 - $10 + 30 + 50 + 70 = 160$ किलोग्राम
 - $10 + 30 + 50 + 80 = 170$ किलोग्राम
 - $10 + 30 + 70 + 80 = 190$ किलोग्राम
 - $10 + 50 + 70 + 80 = 210$ किलोग्राम
 - $30 + 50 + 70 + 80 = 230$ किलोग्राम
- 5 बक्सों का योग: 240 किलोग्राम

सबसे बड़ा संभव योग 240 किलोग्राम से कम है 230 किलोग्राम। चार बक्सों का उपयोग करके प्राप्त योग 160, 170, 190, 210, 230 किलोग्राम हैं। इनमें से कोई भी संयोजन, न ही सभी पांच बक्सों का योग, 220 किलोग्राम का परिणाम देता है। इसलिए, 220 किलोग्राम एक असंभव कुल वजन है।

विकल्प 3: 180 किलोग्राम

यह वजन प्राप्त किया जा सकता है:

- $70 + 30 + 80 = 180$ किलोग्राम

विकल्प 4: 150 किलोग्राम

यह वजन प्राप्त किया जा सकता है:

- $70 + 80 = 150$ किलोग्राम
- $70 + 50 + 30 = 150$ किलोग्राम

निष्कर्ष

विश्लेषण के आधार पर, 220 किलोग्राम का कुल वजन दिए गए बक्सों के वजन के किसी भी संयोजन द्वारा नहीं बनाया जा सकता।

30. Answer: a

Explanation:

अक्षरों को नंबरों से मैप करना

पहले, दिए गए मैपिंग को स्थापित करें:

- I = 1
- N = 2
- A = 3
- T = 4
- E = 5
- C = 6

नंबर संयोजनों को डिकोड करना

अब, स्थापित मैपिंग का उपयोग करके प्रत्येक विकल्प को डिकोड करें ताकि अर्थपूर्ण शब्द मिल सके:

- विकल्प 1 (3261524): 3 → A, 2 → N, 6 → C, 1 → I, 5 → E, 2 → N, 4 → T। यह शब्द ANCIENT बनाता है।
- विकल्प 2 (6543421): 6 → C, 5 → E, 4 → T, 3 → A, 4 → T, 2 → N, 1 → I। यह "CETATNI" बनाता है, जो एक अर्थपूर्ण शब्द नहीं है।
- विकल्प 3 (6214523): 6 → C, 2 → N, 1 → I, 4 → T, 5 → E, 2 → N, 3 → A। यह "CNITENA" बनाता है, जो एक अर्थपूर्ण शब्द नहीं है।
- विकल्प 4 (2541562): 2 → N, 5 → E, 4 → T, 1 → I, 5 → E, 6 → C, 2 → N। यह "NETIECN" बनाता है, जो एक अर्थपूर्ण शब्द नहीं है।

अर्थपूर्ण शब्द की पहचान करना

नंबर संयोजनों को डिकोड करके, केवल विकल्प 1 (3261524) एक अर्थपूर्ण अंग्रेजी शब्द, "ANCIENT" में परिणाम देता है।

31. Answer: a

Explanation:

कोडिंग पैटर्न विश्लेषण

यह प्रश्न एक कोडिंग पैटर्न से संबंधित है जहाँ शब्द *CONFUSED* को *XLMUFHVV* के रूप में कोडित किया गया है। हमें इस कोडिंग के पीछे की लॉजिक को निर्धारित करना है ताकि इसे शब्द *BAT* पर लागू किया जा सके।

रिवर्स अल्फाबेट पैटर्न की पहचान करना

आइए *CONFUSED* के अक्षरों और उनके संबंधित कोडित अक्षरों के बीच संबंध की जांच करें:

- C (3रा अक्षर) → X (24वां अक्षर)। नोट: $3 + 24 = 27$.
- O (15वां अक्षर) → L (12वां अक्षर)। नोट: $15 + 12 = 27$.
- N (14वां अक्षर) → M (13वां अक्षर)। नोट: $14 + 13 = 27$.
- F (6ठा अक्षर) → U (21वां अक्षर)। नोट: $6 + 21 = 27$.
- U (21वां अक्षर) → F (6ठा अक्षर)। नोट: $21 + 6 = 27$.
- S (19वां अक्षर) → H (8वां अक्षर)। नोट: $19 + 8 = 27$.
- E (5वां अक्षर) → V (22वां अक्षर)। नोट: $5 + 22 = 27$.
- D (4था अक्षर) → W (23वां अक्षर)। नोट: $4 + 23 = 27$.

देखा गया पैटर्न यह है कि प्रत्येक अक्षर को वर्णमाला में इसके रिवर्स समकक्ष से प्रतिस्थापित किया गया है। एक अक्षर और उसके कोडित अक्षर के स्थान का योग हमेशा 27 होता है (जैसे, A(1) को Z(26) से प्रतिस्थापित किया जाता है, $1 + 26 = 27$; B(2) को Y(25) से प्रतिस्थापित किया जाता है, $2 + 25 = 27$).

BAT पर पैटर्न लागू करना

पहचाने गए रिवर्स अल्फाबेट पैटर्न का उपयोग करते हुए (स्थान $n \rightarrow 27 - n$):

- B: 2रा अक्षर। कोडित अक्षर का स्थान $27 - 2 = 25$ है। 25वां अक्षर Y है।

- A: 1रा अक्षर। कोडित अक्षर का स्थान $27 - 1 = 26$ है। 26वां अक्षर Z है।
- T: 20वां अक्षर। कोडित अक्षर का स्थान $27 - 20 = 7$ है। 7वां अक्षर G है।

इसलिए, BAT को YZG के रूप में कोडित किया गया है।

32. Answer: c

Explanation:

कोड भाषा का डिकोडिंग

हमें दिए गए कोडित वाक्यांशों का उपयोग करके 'और' के लिए संख्या कोड खोजने की आवश्यकता है।

- वाक्यांश 1: 462 का अर्थ है 'सिंह जंगली है'
- वाक्यांश 2: 543 का अर्थ है 'बिल्ली भूखी है'
- वाक्यांश 3: 165 का अर्थ है 'जंगली और भूखी'

सामान्य कोड खोजने

सामान्य शब्दों और कोडों को खोजने के लिए वाक्यांश 1 और वाक्यांश 3 की तुलना करें:

- 'जंगली' दोनों वाक्यांशों में सामान्य है।
- 6 कोड 462 और 165 के बीच सामान्य है।
- इसलिए, 6 'जंगली' का प्रतिनिधित्व करता है।

सामान्य शब्दों और कोडों को खोजने के लिए वाक्यांश 2 और वाक्यांश 3 की तुलना करें:

- 'भूखी' दोनों वाक्यांशों में सामान्य है।
- 5 कोड 543 और 165 के बीच सामान्य है।
- इसलिए, 5 'भूखी' का प्रतिनिधित्व करता है।

'और' के लिए कोड निर्धारित करना

अब वाक्यांश 3 पर विचार करें: 165 का अर्थ है 'जंगली और भूखी'।

- हमें पता है कि 6 का अर्थ है 'जंगली'।

- हमें पता है कि 5 का अर्थ है 'भूखी'।
- शेष कोड अंक 1 है।
- वाक्यांश में शेष शब्द 'और' है।
- इसलिए, 1 'और' का प्रतिनिधित्व करता है।

33. Answer: b

Explanation:

कोड प्रतिस्थापन को समझना

प्रश्न में एक कोड दिया गया है जहाँ अंकगणितीय ऑपरेटरों को अलग-अलग दर्शाया गया है। हमें इस कोड को समझना होगा:

- + का अर्थ $\times$ है
- - का अर्थ $+$ है
- $\times$ का अर्थ $\div$ है
- $\div$ का अर्थ - (माइनस) है

व्यंजक पर कोड लागू करना

दिया गया व्यंजक है: $0.25 + 240 - 300 \times 5$

आइए कोड के अनुसार ऑपरेटरों को प्रतिस्थापित करें:

- + को $\times$ से बदलें
- - को $+$ से बदलें
- $\times$ को $\div$ से बदलें

व्यंजक बन जाता है:

$$0.25 \times 240 + 300 \div 5$$

BODMAS/PEMDAS का उपयोग करके व्यंजक को हल करना

अब हम परिवर्तित व्यंजक $0.25 \times 240 + 300 \div 5$ को संचालन के क्रम (BODMAS/PEMDAS) का उपयोग करके हल करते हैं:

1. भाग: पहले, भाग का भाग निकालें। $300 \div 5 = 60$ व्यंजक अब है: $0.25 \times 240 + 60$
2. गुणा: अगला, गुणा करें। $0.25 \times 240 = \frac{1}{4} \times 240 = 60$ व्यंजक अब है: $60 + 60$
3. जोड़: अंत में, जोड़ें। $60 + 60 = 120$

इसलिए, कोड को डिकोड करने के बाद व्यंजक का मान 120 है।

34. Answer: c

Explanation:

यह प्रश्न तार्किक तर्क कौशल का परीक्षण करता है जो एक प्रतीकात्मक पारिवारिक संबंध अभिव्यक्ति को डिकोड करता है।

रिश्ते की अभिव्यक्ति को डिकोड करना

हमें निम्नलिखित परिभाषाएँ दी गई हैं:

- $A @ B$ का अर्थ है A, B की माँ है।
- $\backslash (A \# B \backslash)$ का अर्थ है A, B की बहन है।
- $A ! B$ का अर्थ है A, B की पोती है।

हमें $\backslash (P \# Q ! R @ S \backslash)$ अभिव्यक्ति को डिकोड करना है, यह जानते हुए कि R के केवल एक बच्चा है।

चरण-दर-चरण विश्लेषण

1. विश्लेषण करें $R @ S$: इसका अर्थ है R, S की माँ है।
2. विश्लेषण करें $Q ! R$: इसका अर्थ है Q, R की पोती है। चूंकि R, S की माँ है, और Q, R की पोती है, Q को R के बच्चे का बच्चा होना चाहिए।
3. प्रतिबंध लागू करें: हमें बताया गया है कि R के केवल एक बच्चा है। पहले चरण से, हम जानते हैं कि यह बच्चा S है। इसलिए, Q को S का बच्चा होना चाहिए।
4. विश्लेषण करें $\backslash (P \# Q \backslash)$: इसका अर्थ है P, Q की बहन है।

5. जानकारी को मिलाएं: चूंकि Q, S का बच्चा है (तीसरे चरण से), और P, Q की बहन है (चौथे चरण से), यह स्पष्ट है कि P भी S का बच्चा होना चाहिए।

रिश्तों पर निष्कर्ष

- R, S की माँ है।
- S, Q का माता-पिता है।
- S, P का माता-पिता है।
- P, Q की बहन है।

उपरोक्त बिंदुओं से, हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि S, P की माँ है।

विकल्पों की पुष्टि

हमारे विश्लेषण के आधार पर:

- विकल्प 1: R, P की माँ है - गलत।
- विकल्प 2: Q, S की बहन है - गलत (Q, S का बच्चा है)।
- विकल्प 3: S, P की माँ है - सही।
- विकल्प 4: P, S की बहन है - गलत (P, S का बच्चा है)।

35. Answer: b

Explanation:

पैटर्न पहचानना

समस्या एक गैर-मानक गुणा प्रस्तुत करती है जहाँ परिणाम संख्याओं के अंकों के बीच एक विशिष्ट पैटर्न द्वारा निर्धारित होता है।

आइए दिए गए उदाहरणों का विश्लेषण करें:

- उदाहरण 1: $67 \times 25 = 6$
- उदाहरण 2: $24 \times 12 = 3$

देखा गया पैटर्न पहले संख्या के अंकों के योग और दूसरे संख्या के अंकों के योग के बीच का अंतर है।

पैटर्न लागू करना

उदाहरण 1: 67×25

- 67 के लिए अंकों का योग: $6 + 7 = 13$
- 25 के लिए अंकों का योग: $2 + 5 = 7$
- अंतर: $13 - 7 = 6$. यह दिए गए परिणाम से मेल खाता है।

उदाहरण 2: 24×12

- 24 के लिए अंकों का योग: $2 + 4 = 6$
- 12 के लिए अंकों का योग: $1 + 2 = 3$
- अंतर: $6 - 3 = 3$. यह भी दिए गए परिणाम से मेल खाता है।

अंतिम गणना

अब, 90×44 का मान ज्ञात करने के लिए वही पैटर्न लागू करें:

- 90 के लिए अंकों का योग: $9 + 0 = 9$
- 44 के लिए अंकों का योग: $4 + 4 = 8$
- अंतर: $9 - 8 = 1$

इसलिए, पहचाने गए पैटर्न के आधार पर, $90 \times 44 = 11$

Your Personal Exams Guide

36. Answer: b

Explanation:

शब्द प्रवृत्ति पहचान

प्रवृत्ति प्रत्येक शब्द में 'x' से पहले के अक्षरों की संख्या को पहचानती है:

- **Vertex:** 'x' से पहले 5 अक्षर (V, E, R, T, E).
- **Affix:** 'x' से पहले 4 अक्षर (A, F, F, I).
- **Unix:** 'x' से पहले 3 अक्षर (U, N, I).
- **Waxy:** 'x' से पहले 2 अक्षर (W, A).

- **Extra:** 'x' से पहले 1 अक्षर (E).

यह एक घटती श्रृंखला बनाता है: 5, 4, 3, 2, 1.

प्रवृत्ति निरंतरता

पैटर्न के अनुसार अगले शब्द में 'x' से पहले 0 अक्षर होने चाहिए, जिसका अर्थ है कि 'x' पहले अक्षर होना चाहिए.

शब्द विकल्प विश्लेषण

- Annex: 'x' से पहले 4 अक्षर हैं.
- Xray: 'x' से पहले 0 अक्षर हैं.
- Apex: 'x' से पहले 3 अक्षर हैं.
- Axial: 'x' से पहले 1 अक्षर है.

शब्द 'Xray' स्थापित प्रवृत्ति का पालन करता है.

37. Answer: b

Explanation:

रोमन संख्या पैटर्न पहचान

प्रश्न में अनुक्रम में अगला शब्द पहचानने के लिए कहा गया है: IVII, IIVII, IIIVII, _____.

अनुक्रम संरचना का विश्लेषण

आइए प्रत्येक दिए गए शब्द की संरचना का विश्लेषण करें:

- IVII: इसमें शुरुआत में एक 'I' वर्ण है, उसके बाद 'VII' है।
- IIVII: इसमें शुरुआत में दो 'I' वर्ण हैं, उसके बाद 'VII' है।
- IIIVII: इसमें शुरुआत में तीन 'I' वर्ण हैं, उसके बाद 'VII' है।

देखी गई प्रवृत्ति यह है कि प्रारंभिक 'I' वर्णों की संख्या क्रमशः बढ़ती है (1, 2, 3), जबकि प्रत्यय 'VII' स्थिर रहता है।

अगले शब्द का निर्धारण

अगले शब्द को खोजने के लिए, हम स्थापित पैटर्न को जारी रखते हैं:

- प्रारंभिक 'I's की अनुक्रम 1, 2, 3 है। इस अनुक्रम में अगला संख्या 4 है।
- प्रत्यय 'VII' स्थिर रहता है।

इसलिए, अगला शब्द चार 'I' वर्णों के साथ 'VII' होना चाहिए, जो IIIVII है।

निष्कर्ष: अगला शब्द

'IIIVII' की तुलना दिए गए विकल्पों से करें:

- विकल्प 1: IIIVIII
- विकल्प 2: IIIVII
- विकल्प 3: IIIVIII
- विकल्प 4: IIIVVIII

विकल्प 2, IIIVII, पैटर्न के आधार पर निकाले गए शब्द के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

Your Personal Exams Guide

38. Answer: a

Explanation:

नाव की अंतिम स्थिति की गणना प्रारंभिक स्थिति के सापेक्ष

नाव की यात्रा में कार्डिनल दिशाओं में गति शामिल है। प्रारंभिक बिंदु के सापेक्ष अंतिम स्थिति ज्ञात करने के लिए, हम उत्तर-दक्षिण अक्ष और पूर्व-पश्चिम अक्ष के लिए शुद्ध विस्थापन की गणना करते हैं।

उत्तर-दक्षिण विस्थापन गणना

नाव दक्षिण की ओर चलती है और फिर उत्तर की ओर। ये विपरीत दिशाएँ हैं।

- दक्षिण की ओर चलने की दूरी: 5 मील
- उत्तर की ओर चलने की दूरी: 5 मील

उत्तर-दक्षिण अक्ष के साथ शुद्ध विस्थापन है:

शुद्ध विस्थापन (N-S) = (उत्तर की दूरी) - (दक्षिण की दूरी)

शुद्ध विस्थापन (N-S) = 5 मील - 5 मील = 0 मील

यह इंगित करता है कि नाव उसी पूर्व-पश्चिम रेखा पर समाप्त होती है जिस पर यह शुरू हुई थी।

पूर्व-पश्चिम विस्थापन गणना

नाव पूर्व की ओर चलती है, और बाद में उत्तर से दाईं ओर मुड़ती है (जो पूर्व है) और आगे पूर्व की ओर चलती है।

- पहली पूर्व की ओर की दूरी: 8 मील
- दूसरी पूर्व की ओर की दूरी: 10 मील

पूर्व-पश्चिम अक्ष के साथ कुल विस्थापन है:

शुद्ध विस्थापन (E-W) = (पहली पूर्व की ओर की दूरी) + (दूसरी पूर्व की ओर की दूरी)

शुद्ध विस्थापन (E-W) = 8 मील + 10 मील = 18 मील

यह विस्थापन पूर्व की ओर है।

अंतिम स्थिति का सारांश

शुद्ध विस्थापनों को मिलाकर:

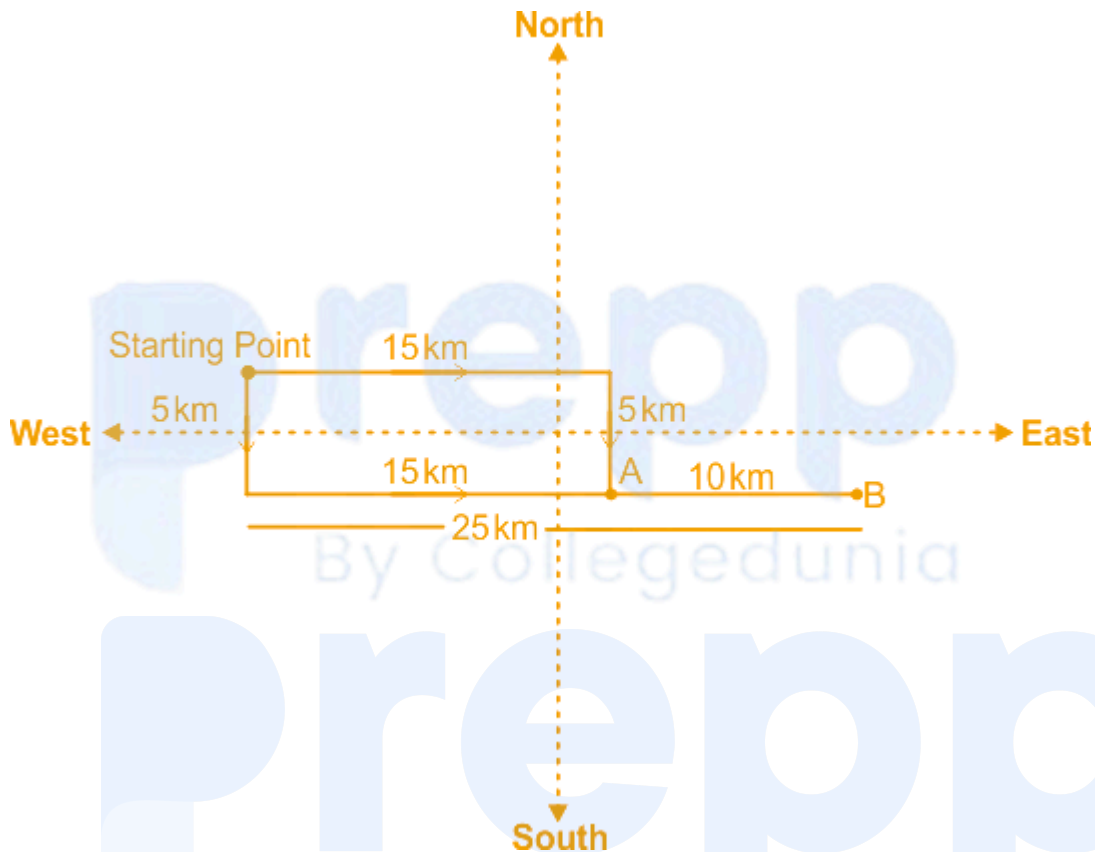
- शुद्ध उत्तर-दक्षिण विस्थापन: 0 मील
- शुद्ध पूर्व-पश्चिम विस्थापन: 18 मील पूर्व

नाव अपने मूल प्रारंभिक स्थान के पूर्व में 18 किमी स्थित है।

39. Answer: b

Explanation:

हम प्रश्नानुसार दिशा पथ बना सकते हैं।



इसलिए, B, A की स्थिति के सापेक्ष में 10 किमी पूर्व में है।

Your Personal Exams Guide

40. Answer: c

Explanation:

दिए गए कथन के आधार पर वैन आरेख खींचने पर,



निष्कर्ष I: कुछ बच्चे बच्चे हैं। ⇒ गलत (क्योंकि यह संभावना है लेकिन इसके बारे में कुछ निश्चित नहीं है)

निष्कर्ष II: कोई बच्चा बच्चा नहीं है। ⇒ गलत (क्योंकि यह संभावना है लेकिन इसके बारे में कुछ निश्चित नहीं है)

यहाँ निष्कर्ष I और II पूरक जोड़ी हैं।

इसलिए या तो निष्कर्ष I या निष्कर्ष II सत्य है।

41. Answer: d

Explanation:

कथन: जिन अपराधियों का व्यवहार अच्छा है, क्या उनके लिए बंदीगृह की अवधि कम की जानी चाहिए।

तर्क I: नहीं, क्योंकि यदि वे मुक्त हुए तो फिर से अपराध करेंगे।

तर्क II: हाँ, यह शेष सभी के लिए एक अच्छा व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहन होगा।

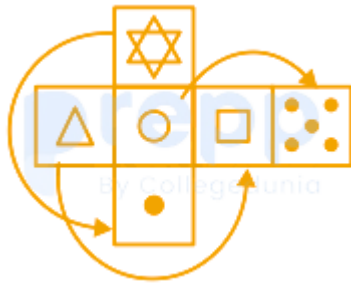
जैसा कि कथन में जानकारी दी गई है, तर्क II सबल होगा यदि जिन अपराधियों का व्यवहार अच्छा है, क्या उनके लिए बंदीगृह की अवधि कम कर दी जाएगी तो यह शेष सभी के लिए एक अच्छा व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहन होगा।

अतः, सही उत्तर "विकल्प (4)" है।

42. Answer: a

Explanation:

फोल्डेड क्यूब में विपरीत चेहरे एक साथ नहीं होने चाहिए।



बाईं ओर का त्रिकोण वृत्त के विपरीत है।

ऊपर का त्रिकोण एकल बिंदु के विपरीत है।

5 बिंदु वृत्त के विपरीत हैं।



इसलिए, विकल्प 1) में चित्र सही उत्तर होगा।

43. Answer: d

Explanation:



इसलिए विकल्प 4) में चित्र को प्रश्न चित्र प्राप्त करने के लिए संयोजित किया जा सकता है।

44. Answer: b

Explanation:

खेल खिलाड़ियों के लिए वैन आरेख विश्लेषण

प्रश्न तीन समूहों के बीच संबंध का प्रतिनिधित्व करने वाले चित्र के लिए पूछता है:

- हॉकी खिलाड़ी
- फुटबॉल खिलाड़ी
- वे व्यक्ति जिन्होंने हॉकी और फुटबॉल दोनों में पदक जीते हैं।

सेट सिद्धांत के संदर्भ में, H हॉकी खिलाड़ियों का सेट है और F फुटबॉल खिलाड़ियों का सेट है। उन व्यक्तियों का समूह जिन्होंने दोनों हॉकी और फुटबॉल में पदक जीते हैं, का तात्पर्य है कि वे दोनों सेटों के सदस्य हैं। यह दोनों सेटों का संयोग है, जिसे गणितीय रूप से $H \cap F$ के रूप में दर्शाया गया है।

वैन आरेख संरचनाओं की व्याख्या करना

वैन आरेख सेटों के बीच संबंध दिखाने के लिए ओवरलैपिंग सर्कल का उपयोग करते हैं।

- **अलग सर्कल:** सेटों के बीच कोई सामान्य सदस्य नहीं दर्शाते।
- **ओवरलैपिंग सर्कल:** दर्शाते हैं कि कुछ सदस्य दोनों सेटों के हैं (संयोग)।
- **एक सर्कल दूसरे के अंदर:** दर्शाता है कि एक सेट दूसरे का उपसेट है।

सही प्रतिनिधित्व का चयन करना

हमें एक चित्र की आवश्यकता है जो दो मुख्य समूहों (हॉकी खिलाड़ी और फुटबॉल खिलाड़ी) को दिखाता है जिसमें एक ओवरलैप है जो दोनों के लिए सामान्य खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व करता है।

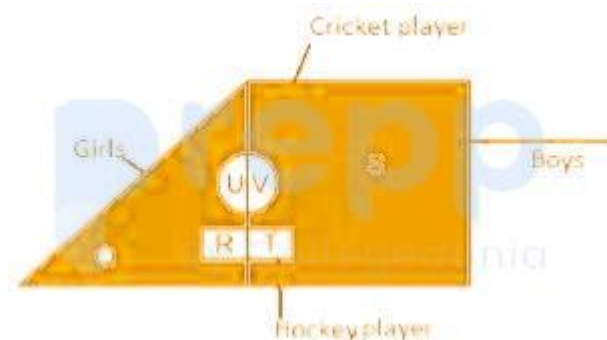
- विकल्प 1 अलग सर्कल दिखाता है, जो गलत है क्योंकि दोनों खेलों में खिलाड़ी हो सकते हैं।
- विकल्प 2 दो ओवरलैपिंग सर्कल दिखाता है। यह हॉकी खिलाड़ियों के सेट, फुटबॉल खिलाड़ियों के सेट और संयोग (जो दोनों खेलते हैं) का सही प्रतिनिधित्व करता है।
- विकल्प 3 एक सर्कल को दूसरे के अंदर दिखाता है, यह दर्शाता है कि एक खेल के सभी खिलाड़ी दूसरे खेल को भी खेलते हैं, जो जरूरी नहीं है।
- विकल्प 4 एक अधिक जटिल संबंध दिखाता है जो केवल दो खेलों और उनके संयोग के लिए सीधे लागू नहीं होता।

इसलिए, दो ओवरलैपिंग सर्कल वाला चित्र हॉकी खिलाड़ियों, फुटबॉल खिलाड़ियों और दोनों में भाग लेने वालों के बीच संबंध को सही ढंग से दर्शाता है।

सही दृश्य प्रतिनिधित्व विकल्प 2 में दिखाया गया है।

45. Answer: b

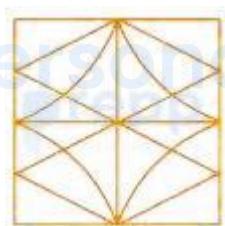
Explanation:



इसलिए, S, Q, T और U उन अक्षरों का समूह दर्शाते हैं जो उन लड़कियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो हॉकी नहीं खेलतीं और उन लड़कों का जो क्रिकेट नहीं खेलते।

46. Answer: b

Explanation:



ऊपर दिया गया चित्र प्रश्न में दिए गए अधूरे चित्र का पूरा पैटर्न दर्शाता है।

47. Answer: b

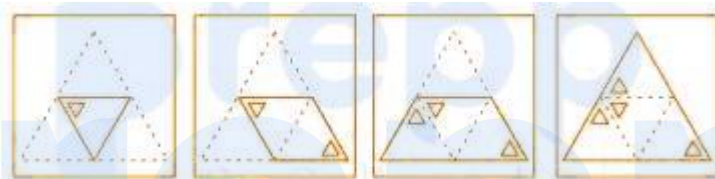
Explanation:



इसलिए, विकल्प 2) छवि प्रश्न आकृति को शामिल करती है।

48. Answer: d

Explanation:



यदि हम कागज को प्रश्न में जिस तरह मोड़ा गया है, खोलते हैं तो यह ऊपर चित्र में दिखाए अनुसार दिखाई देगा।

इसलिए विकल्प 4) सही उत्तर है।

49. Answer: b

Explanation:



ऊपर का चित्र प्रश्न चित्र का दर्पण चित्र दर्शाता है।

50. Answer: d

Explanation:

'WOVEN' शब्द के लिए सेट की पहचान करें मैट्रिक्स का उपयोग करके

कार्य यह है कि 'WOVEN' शब्द के लिए सही संख्या कोड खोजें दो मैट्रिक्स का उपयोग करके। प्रत्येक अक्षर एक विशिष्ट संख्या जोड़ी से मेल खाता है जो इसकी पंक्ति और कॉलम अनुक्रमांक (पंक्ति-कॉलम प्रारूप) का प्रतिनिधित्व करता है।

मैट्रिक्स में अक्षरों का स्थान ढूंढना

हमें दिए गए मैट्रिक्स में 'WOVEN' के प्रत्येक अक्षर के लिए पंक्ति और कॉलम संख्या खोजने की आवश्यकता है। याद रखें मैट्रिक्स I अनुक्रमांक 0-4 का उपयोग करता है और मैट्रिक्स II अनुक्रमांक 5-9 का उपयोग करता है।

मैट्रिक्स I (अनुक्रमांक 0-4) मैपिंग:

- W: पंक्ति 2, कॉलम 1 पर स्थित। कोड = 21.
- O: पंक्ति 4, कॉलम 0 पर स्थित। कोड = 40.
- V: पंक्ति 0, कॉलम 4 पर स्थित। कोड = 04.
- N: पंक्ति 0, कॉलम 1 पर स्थित। कोड = 01.

मैट्रिक्स II (अनुक्रमांक 5-9) मैपिंग:

- E: पंक्ति 6, कॉलम 9 पर स्थित। कोड = 69.

(नोट: कुछ अक्षर कई बार दिखाई दे सकते हैं। हम उस विकल्प अनुक्रम का चयन करते हैं जो एक मान्य विकल्प अनुक्रम बनाता है।)

'WOVEN' के लिए कोड बनाना

शब्द 'WOVEN' में अक्षरों के क्रम में पहचाने गए पंक्ति-कॉलम नंबर (कोड) को मिलाएं:

WOVEN अक्षर-से-कोड मैपिंग

अक्षर	पंक्ति	कॉलम	कोड
W	2	1	21
O	4	0	40
V	0	4	04
E	6	9	69
N	0	1	01

'WOVEN' के लिए कोड का अनुक्रम 21, 40, 04, 69, 01 है।

यह अनुक्रम विकल्प D से मेल खाता है।

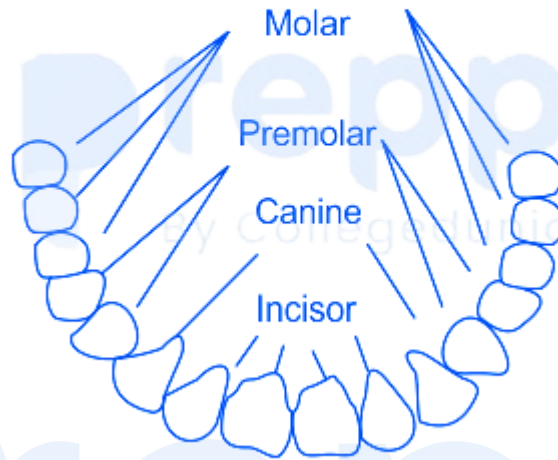
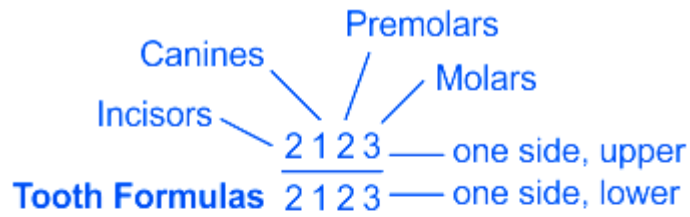
51. Answer: b

Explanation:

- वयस्क मनुष्यों में मोलर से प्री-मोलर का अनुपात 3: 2 है।

वर्णन:

- एक वयस्क मानव में 32 दांत होते हैं।
- मनुष्यों में विभिन्न प्रकार के दांतों की व्यवस्था आगे से पीछे तक - कृतक-श्वदन्त-अग्रचर्वणक-चबाने के दांत में होती है।



Arrangement of teeth and different type of teeth

प्रकार	कार्य	प्रत्येक जबड़े में संख्या
कृतक	काटना और तीक्ष्ण करना	4
श्वदन्त	छेदना और फाड़ना	2
अग्रचर्वणक	चबाना और पीसना	4
चबाने के दांत	चबाना और पीसना	6



Important Point

- शैशवावस्था में दांतों का पहला समूह बढ़ता है और वे छह से आठ साल की उम्र में टूट जाते हैं। इन्हें दूध का दांत कहा जाता है।

- दूसरा समूह जो उन्हें प्रतिस्थापित करता है वे स्थायी दांत होते हैं। स्थायी दांत जीवन भर रह सकते हैं या बुढ़ापे के दौरान या किसी दंत रोग के कारण टूट सकते हैं।

52. Answer: b

Explanation:

- बासोफिल सफेद रक्त कोशिका का एक प्रकार है जो हिस्टामाइन, सेरोटोनिन, हेपरिन आदि का स्राव करते हैं, और शोध प्रतिक्रियाओं में शामिल होते हैं।
- अधिकांश स्तनधारियों में पाए जाने वाले श्वेत रक्त कोशिकाओं में न्यूट्रोफिल सबसे प्रचुर मात्रा में होते हैं।
- लिम्फोसाइट्स सफेद रक्त कोशिकाओं का एक प्रकार है जो प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा हैं,
- मोनोसाइट्स भी एक प्रकार की श्वेत रक्त कोशिकाएं हैं और ल्यूकोसाइट का सबसे बड़ा प्रकार है।

53. Answer: b

Explanation:

- दलदले क्षेत्रों में उगने वाले राइजोफोरा जैसे कुछ पौधों में, कई जड़ें जमीन से निकलती हैं और ऊर्ध्वाधर रूप से ऊपर की ओर बढ़ती हैं। ऐसी जड़ों को न्यूमेटोफोरस कहा जाता है। ये एरियल जड़ें हैं और गैसीय विनिमय में मदद करती हैं। इन्हें श्वसन मूल के रूप में भी जाना जाता है और इसे दलदली, दलदली क्षेत्रों और मैंग्रोव में देखा जा सकता है।
- एक टेंड्रिल एक विशेष पेटिओल, तना या पत्ती होती है जिसमें आरोही पौधों द्वारा समर्थन के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक थ्रेड जैसा आकार होता है।
- एक तंतुमय जड़ प्रणाली में तने से उत्पन्न होने वाली पतली और मध्यम शाखाओं वाली जड़ें होती हैं। ये सबसे अधिक मोनोकोटाइलैड्स और फ़र्न में पाए जाते हैं।
- अनुवर्ती जड़ें वे जड़ें हैं जो जड़ों को छोड़कर किसी भी अन्य पौधे के अंग से उत्पन्न होती हैं। ये ज्यादातर तने या पत्तियों से निकलते हैं।

54. Answer: b

Explanation:

- वाष्पोत्सर्जन वाष्पीकरण की प्रक्रिया है जो स्थलीय पौधों की पत्तियों की सतह के माध्यम से होता है।
- निर्जलीकरण अत्यधिक शुष्कता या अत्यधिक शुष्कपन की स्थिति है।
- श्वसन ऊर्जा का उत्पादन करने और कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ने के लिए जीवित जीवों द्वारा ऑक्सीजन के सेवन की प्रक्रिया है।

55. Answer: c

Explanation:

सही उत्तर 3 और 4 है।

★ Important Points

एथानामाइन	$C_2H_5NH_2$
3- ब्रोमोप्रोपीन	C_3H_5Br
2-ब्रोमो-2-मिथाइलप्रोपेन	$(CH_3)_3CBr$
2- मेथोक्सीप्रोपानल	$CH_3CH(OCH_3)CHO$

56. Answer: c

Explanation:

★ Key Points

- विनाइल क्लोराइड का IUPAC नाम क्लोरोएथेन है।
- 2-क्लोरोब्यूटेन, द्वितीयक -ब्यूटाइल क्लोराइड का IUPAC नाम है।
- 3-ब्रोमोप्रोप-1-इन, एलिल ब्रोमाइड का IUPAC नाम है।
- डाइक्लोरोमेथेन,मेथिलीन डाइक्लोराइड का IUPAC नाम है

57. Answer: b

Explanation:

- स्टाइरीन का सूत्र $C_6H_5CH=CH_2$ है।
- स्टाइलिन को फेनिलिथीन, विनालेनबेज़िन, एथेनिलबेनज़ीन के रूप में भी जाना जाता है।
- यह बेंजीन का एक यौगिक है और इसका उपयोग कच्चे माल के रूप में घिसने, पॉलिमर और कॉपोलिमर, और पॉलीस्टायर्न प्लास्टिक बनाने के लिए किया जाता है।

58. Answer: d

Explanation:

- सामान्य इलेक्ट्रॉनिक कॉन्फ़िगरेशन ns^2np^3 नाइट्रोजन परिवार के लिए सही है जो समूह 15 के तत्व हैं। इनमें नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, आर्सेनिक, एंटीमनी और बिस्मथ शामिल हैं।
- दिए गए तत्वों का इलेक्ट्रॉन विन्यास निम्नानुसार है:
 1. नाइट्रोजन - $1s^22s^22p^3$
 2. बोरॉन - $1s^22s^22p^1$
 3. फ्लोरिन - $1s^22s^22p^5$
 4. ऑक्सीजन - $1s^22s^22p^4$

59. Answer: d

Explanation:

- HTML भाषा में `<hr>` टैग का उपयोग वेब पेज पर एक क्षैतिज रेखा या रूल डालने के लिए किया जाता है।
- HTML हाइपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज है जिसका उपयोग वेब पेज और वेबसाइट बनाने के लिए किया जाता है।

60. Answer: a

Explanation:

- एक ब्राउज़र एक सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग है जिसका उपयोग वर्ल्ड वाइड वेब (इंटरनेट) पर जानकारी अभिगमन के लिए किया जाता है।
- गूगल क्रोम, फायरफॉक्स, सफारी और ओपरा कुछ लोकप्रिय वेब ब्राउज़र हैं।
- लिनक्स, विंडोज और मैकओएस ऑपरेटिंग सिस्टम हैं जो मूल रूप से सॉफ्टवेयर हैं जो कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर संसाधनों का प्रबंधन करते हैं।

61. Answer: b

Explanation:

सही उत्तर विजय शेखर शर्मा है।

★ Key Points

- विजय शेखर शर्मा ने अगस्त 2010 में नोएडा में पेटीएम की स्थापना की। यह अब भारत का सबसे पसंदीदा डिजिटल वॉलेट और ई-कॉमर्स भुगतान प्रणाली है।
- इसकी मूल कंपनी वन97कम्युनिकेशंस लिमिटेड है और सीईओ वरुण श्रीधर (जुलाई 2020) हैं।

★ Additional Information

	विजय शेखर शर्मा	पेटीएम
	कुणाल बहल और रोहित बंसाली	स्नैपडील
	भाविश अग्रवाल	ओला कैब्स

62. Answer: b

Explanation:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर, 2016 को विमुद्रीकरण की घोषणा की।
- ₹. 500 और 1000 की मुद्रा नोट को बंद कर दिया गया और नागरिकों को 31 दिसंबर 2016 से पहले 500 और 2000 के नए नोटों के साथ अपनी मुद्रा को बदलने के लिए कहा गया।
- ऐसा करने के पीछे मुख्य उद्देश्य एक कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, आतंक-धन और काले धन को खत्म करना, मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना और हस्तक्षेप पर अंकुश लगाना था।

63. Answer: c

Explanation:

- एंटनी वैन लीउवेनहोक को माइक्रोबायोलॉजी का जनक माना जाता है। उन्हें बैक्टीरिया की खोज के लिए भी जाना जाता है।
- जोनास ई. साल्क ने पहली सफल पोलियो वैक्सीन में से एक का विकास और खोज की।
- दिमित्री मेंडेलीव ने आवधिक नियम का निर्माण किया।
- जोसेफ प्रिस्टले ने ऑक्सीजन की खोज की।

64. Answer: d

Explanation:

- एक उदासीनता वक्र बंडलों का प्रतिनिधित्व करने वाले सभी बिंदुओं का वह स्थान है, जिसके बीच उपभोक्ता उदासीन है।
- मांग वक्र बाजार की मांग अनुसूची का एक चित्रमय प्रतिनिधित्व है।
- उपयोगिता फलन एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जिसका उपयोग सेवाओं और वस्तुओं के सेट के लिए वरीयताओं को मापने के लिए किया जाता है।
- एक बजट बाधा, उन सभी सेवाओं और वस्तुओं के संयोजन का प्रतिनिधित्व है जो एक उपभोक्ता अपनी दी गई आय के भीतर खरीद सकता है।

<http://ncert.nic.in/textbook/pdf/leec202.pdf>

65. Answer: a

Explanation:

- LRAC (दीर्घकालिक औसत लागत) सबसे कम या न्यूनतम औसत कुल लागत दिखाता है, जिस पर एक फर्म, लंबे समय में, किसी भी स्तर के आउटपुट का उत्पादन कर सकती है।
- LRMC (दीर्घकालिक सीमांत लागत) वक्र, आउटपुट की प्रत्येक इकाई के लिए, लंबे समय में व्यय की गई कुल लागत को दर्शाता है।
- LRAC और LRMC दोनों वक्र 'U' आकार के हैं।

66. Answer: c

Explanation:

यदि कांजीवरम साड़ियों के लिए मांग वक्र $D = 73000 - 17P$ और आपूर्ति वक्र $S = 28000 + 8P$ है, तो संतुलन कीमत (रुपए में) 1800 होगी।

संतुलन बिंदु पर,

माँग = आपूर्ति

$$73000 - 17P = 28000 + 8P$$

$$73000 - 28000 = 17P + 8P$$

$$45000 = 25P$$

$$P = 1800$$

Equilibrium Price = Rs 1800

67. Answer: c

Explanation:

- शुद्ध पूंजी आगम द्वारा किसी भी चालू खाता घाटा की वित्तपोषित आवश्यकता होती है।

- एक बजट अधिशेष एक ऐसी अवधि या स्थिति होती है जिसमें प्राप्तियां या आय व्यय या परिव्यय से अधिक होती हैं।
- मुद्रा अवमूल्यन का अर्थ है एक अस्थायी विनिमय दर प्रणाली में मुद्रा के मूल्य में गिरावट। यह गिरावट विदेशी मुद्राओं के संदर्भ में है।

68. Answer: c

Explanation:

सही उत्तर विकल्प 3 है, अर्थात् व्यक्तिगत प्रयोज्य आय।

- व्यक्तिगत प्रयोज्य आय (PDI) एक पारिवारिक इकाई के पास उपलब्ध शुद्ध धन है जिसे बचाया जा सकता है और खर्च किया जा सकता है।
 - इसकी गणना सभी आयकरों की कटौती के बाद की जाती है। $PDI = \text{व्यक्तिगत आय} - \text{व्यक्तिगत कर भुगतान} - \text{कर रहित आय}$
- राष्ट्रीय आय किसी देश में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का कुल आर्थिक मूल्य है।
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) भौगोलिक सीमाओं से परे किसी देश के नागरिकों द्वारा अर्जित आय है।
 - इसमें उस देश में रहने वाले विदेशियों की आय शामिल नहीं है।

Your Personal Exams Guide

69. Answer: c

Explanation:

- विद्युत्स्थैतिक अवक्षेपक में इलेक्ट्रोड तार होते हैं जिन्हें कई हजार वोल्ट पर बनाए रखा जाता है, यह इलेक्ट्रॉनों को जारी करने के लिए एक कोरोना उत्पन्न करता है।
- कणिका तत्व को हटाने के लिए विद्युत्स्थैतिक अवक्षेपक का उपयोग किया जाता है। इसमें थर्मल पावर प्लांट से निकास में मौजूद 99 फीसदी से अधिक कणिका तत्वको निकालने की क्षमता है।

70. Answer: c

Explanation:

- ह्यचीन्थ प्रकार के पानी के पौधों को वैज्ञानिक रूप से **जलकुंभी (आइचोरनिया क्रेसेप्स)** के नाम से जाना जाता है, यह दुनिया का सबसे संकटग्रस्त जलीय खरपतवार बन गया है।
- यह एक **जलीय पौधा** है जो **दक्षिण अमेरिका** में पाया जाता है। वे आमतौर पर नम या छायादार स्थानों में, घने हरे रंग के क्लंप या सांचों में उगते हैं।
- उनमें **गुलाबी और लैवेंडर रंग के फूल** होते हैं।

71. Answer: d

Explanation:

- वायुमंडल पृथ्वी के चारों ओर **गैसों का एक आवरण** है।
- पृथ्वी के वायुमंडल में **78% नाइट्रोजन, 21% ऑक्सीजन, 0.04% कार्बन डाइऑक्साइड और लगभग 0.97% आर्गन** है, और शेष जल वाष्प है।

72. Answer: a

Explanation:

- ग्रीनहाउस गैसों वे गैसों होती हैं जो **थर्मल अवरक्त रेज** के भीतर **उज्ज्वल ऊर्जा का उत्सर्जन और अवशोषण** करती हैं। इनसे **पृथ्वी की सतह गर्म** होती है और इससे **ग्लोबल वार्मिंग** होती है।
- प्राथमिक ग्रीनहाउस गैसों **ओजोन, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, कार्बन डाइऑक्साइड और जल वाष्प** हैं।

73. Answer: d

Explanation:

दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में, भगवान विष्णु को भगवान **वेंकटेश्वर** के नाम से भी जाना जाता है।

भैरव	भगवान शिव
रुद्र	भगवान शिव
पशुपति	भगवान शिव
वैकटेश्वर	भगवान विष्णु

74. Answer: a

Explanation:

- पृथ्वी की त्रिज्या पृथ्वी के चयनित केंद्र से उसकी सतह पर एक बिंदु तक की दूरी है। यह बिंदु समुद्र तल पर हो सकता है, या पृथ्वी के आकार का प्रतिनिधित्व करने वाले एक आदर्श दीर्घवृत्ताभ की सतह हो सकता है। पृथ्वी की त्रिज्या 6,371 किमी है।
- आर्कटिक महासागर में कोला में सबसे गहरी ड्रिल, अब तक 12 किमी की गहराई तक पहुंच गई है। इस परियोजना को सोवियत संघ द्वारा निष्पादित किया गया था और ड्रिल 12 km गहरी पृथ्वी की पर्पटी में चली गई थी।
- चट्टानों का तनाव में विभंजन होता है और यदि विभंजन मूव एक या दोनों तरफ की चट्टानें ब्लॉक होती हैं, तो इसके परिणामस्वरूप त्रुटि होती है। एक त्रुटि के साथ चट्टानें अलग-अलग दिशा में चलती हैं।

Your Personal Exams Guide

75. Answer: b

Explanation:

- महाद्वीपीय बहाव सिद्धांत के अनुसार, सभी महाद्वीपों ने एक एकल महाद्वीपीय द्रव्यमान बनाया जिसका नाम पैजिया था।
- लॉरेशिया उत्तरी महाद्वीप है जिसे मेसोजोइक युग के अंत में पंगियन महाद्वीप के विभाजन के हिस्से के रूप में बनाया गया था।
- गोंडवाना एक महाद्वीप था जो नियोप्रोटेरोज़ोइक से कार्बोनिफेरस तक मौजूद था। यह अंटार्कटिका, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, मेडागास्कर, ऑस्ट्रेलिया-न्यू गिनी और न्यूजीलैंड में टूट गया।

- पंथलसा एक सुपर महासागर था जिसने सुपर महाद्वीप पैजिया से घिरा था।

76. Answer: b

Explanation:

- उपग्रह एक प्राकृतिक या कृत्रिम वस्तु है जो ग्रहों या तारा की परिक्रमा करते हैं।
- सौरमंडल में बुध और शुक्र एकमात्र ऐसे ग्रह हैं जिनके पास कोई उपग्रह नहीं है।

बुध	0
शुक्र	0
पृथ्वी	1 प्राकृतिक उपग्रह (चंद्रमा)
मंगल	2
बृहस्पति	79
शनि	82
यूरेनस	27
नेपच्यून	14

77. Answer: b

Explanation:

- पृथ्वी की पर्पटी पृथ्वी की सतह की सबसे बाहरी परत है और प्रमुख रूप से आग्नेय चट्टानों से बनी है।
- 8 तत्व हैं जो पृथ्वी की पर्पटी बनाते हैं। ये हैं:
 1. 46.6% ऑक्सीजन
 2. 27.7% सिलिकॉन

3. 8.1% एल्यूमीनियम
4. 5.0% आयरन
5. 3.6% कैल्शियम
6. 2.8% सोडियम
7. 2.6% पोटेशियम
8. 2.1% मैग्नीशियम

78. Answer: c

Explanation:

- भारत में दो मुख्य मौसमी फसलें हैं- **खरीफ और रबी**।
- **खरीफ** फसल का मौसम **जून से सितंबर** तक होता है। इन्हें जून- जुलाई में बोया जाता है और सितंबर - अक्टूबर में काटा जाता है। इस मौसम में उगाई जाने वाली फसलों में कपास, मूंगफली, रागी, बाजरा, मक्का, चावल और सोयाबीन आदि शामिल हैं।
- **रबी** फसल का मौसम **नवंबर से मार्च** तक होता है। इन्हें नवंबर में बोया जाता है और अप्रैल-मई के आसपास काटा जाता है। इस मौसम में पैदा होने वाली फसलों में हरी मटर, सरसों, जौ और गेहूं आदि शामिल हैं।

79. Answer: b

Explanation:

- 1857 का विद्रोह **ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के खिलाफ भारत में एक प्रमुख विद्रोह** था। इसे **भारतीय विद्रोह या सिपाही विद्रोह** के रूप में भी जाना जाता है।
- विद्रोह तब शुरू हुआ जब **सातवीं अवध अनियमित घुड़सवार सेना के सिपाहियों ने राइफलों में इस्तेमाल किए जाने वाले नए कारतूसों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया** क्योंकि कारतूसों को मुंह का उपयोग करके खोला जाना था। सैनिकों को उनमें गाय और सुअर के वसा के उपयोग का संदेह था जो हिंदू और मुस्लिम सैनिकों की भावनाओं को चोट पहुंचाते हैं।
- विद्रोह के दौरान उनके भारतीय अधीनस्थों द्वारा अवध सैन्य पुलिस के **कैप्टन हार्से** को सुरक्षा दी गई थी।

- लखनऊ, कानपुर और बरेली जैसे प्रमुख शहरों में, साहूकार और अमीर भी विद्रोहियों का शिकार बन गए।

80. Answer: b

Explanation:

- पहली शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य में, **जूलियस सीज़र**, एक कुलीन सैन्य कमांडर के तहत, रोमन साम्राज्य 'को वर्तमान ब्रिटेन और जर्मनी तक बढ़ाया गया था।
- वह एक **इतिहासकार, एक सैन्य जनरल और एक रोमन राजनेता** थे, जिन्होंने रोमन साम्राज्य के उदय और रोमन गणराज्य की समाप्ति की घटनाओं में प्रमुख भूमिका निभाई।

81. Answer: c

Explanation:

राजाधिराजचोल साम्राज्य से सम्बंधित है।

- राजाधिराज चोल भारत के दक्षिणी भाग में 11 वीं शताब्दी में चोल वंश के सम्राट थे।
- बिम्बिसार, अजातशत्रु और महापद्म नंद मगध साम्राज्य से सम्बंधित थे।
- चोल वंश दक्षिण भारत में मौजूद था। उनके शासक शक्तिशाली थे और उनका राजवंश दुनिया के इतिहास में सबसे लंबे समय तक राज करने वाले राजवंशों में से एक था।
- **चोल कला स्कूल** दक्षिण पूर्व एशिया में फैला और दक्षिण पूर्व एशियाई वास्तुकला और कला को प्रभावित किया।

82. Answer: a

Explanation:

- उज्बेकिस्तान के अल-बिरुनी ने **ग्यारहवीं शताब्दी** में भारत की यात्रा की।

- उन्होंने भारत पर एक विश्वकोशीय कृति लिखी जिसका नाम 'तौकीक मा ली-ल-हिन्द मिन मकुल्लाह मकबुल्लाह फी अल-अक्ल अ मरदुल्लाह' है, जिसका 'द बुक कन्फर्मिंग व्हाट पर्टेन टू इंडिया, वेदर रेशनल या डेस्पिकबल' में अनुवाद किया गया।

83. Answer: a

Explanation:

सही उत्तर दुर्गा है।

★ Key Points

- वैदिक काल को प्रारंभिक वैदिक काल और उत्तर वैदिक काल में विभाजित किया गया है।
- प्रारंभिक वैदिक काल के दौरान, मुख्य रूप से 33 देवता थे।
- वे पृथ्वी, अग्नि, सोम, ब्रह्मपति, नदियाँ, इंद्र, रुद्र, सूर्य, वरुण, अदिति, उषा और अश्विन थे।
- इनमें इंद्र, अग्नि और वरुण उस अवधि के दौरान सबसे लोकप्रिय थे।
- उत्तर वैदिक काल के दौरान, पिछले देवताओं ने अपनी प्रासंगिकता खो दी, और अब प्रजापति (ब्रह्मांड के निर्माता) को ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र (शिव) के रूप में भी जाना जाता है।

84. Answer: a

Explanation:

- इवेंजेलिस्ता टोरिकेली को 1643 में बैरोमीटर का आविष्कार करने के लिए सार्वभौमिक रूप से श्रेय दिया जाता है। बैरोमीटर का उपयोग वायुमंडलीय दबाव को मापने के लिए किया जाता है।
- क्रिश्चियन ह्यूजेस ने टाइटन और ओरियन नेबुल्ला की खोज की। टाइटन शनि का चंद्रमा है। ओरियन सबसे चमकीला नक्षत्र है।
- जेम्स चैडविक ने 1932 में न्यूट्रॉन की खोज की। न्यूट्रॉन एक परमाणु के नाभिक में मौजूद एक उप-परमाणु तटस्थ कण है।
- अर्नेस्ट ओ. लॉरेंस ने साइक्लोट्रॉन की खोज की। यह एक ऐसा उपकरण है जिसमें विद्युत और चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करके परमाणु और उप-परमाणु कणों को त्वरित किया जाता है।

85. Answer: c

Explanation:

- हाइड्रोजन परमाणु का आकार- 53 पीएम
- समुद्र तल से ऊपर माउंट एवरेस्ट की ऊँचाई- 8,848 मीटर
- पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी- 384,400 किमी
- एंड्रोमेडा आकाशगंगा की दूरी- 2.537 मिलियन प्रकाश वर्ष

86. Answer: d

Explanation:

- $f \times T = 1$ एक तरंग की आवृत्ति (f) और समय अवधि (T) के बीच का सही संबंध है।
- चूंकि $T = 1/f$, इसलिए, $T \times f = 1$

87. Answer: a

Explanation:

- गाइजर ट्यूबों का उपयोग करके अल्फा, बीटा और गामा किरणों का पता लगाया जा सकता है।
- इस उपकरण का उपयोग विकिरण को मापने और पहचानने के लिए किया जाता है।

88. Answer: c

Explanation:

यदि किसी वस्तु को 12 सेमी वक्रता की त्रिज्या के अवतल दर्पण के सामने 10 सेमी पर रखा जाता है, तो दर्पण से बनी छवि बाईं ओर से 15 सेमी की दूरी पर होगी।

दर्पण से वस्तु की दूरी (u) = -10 सेमी

फोकस दूरी = $-(\text{वक्रता की त्रिज्या का } 1/2)$

$$= -(1/2 * 12) = -6$$

इसलिए दर्पण सूत्र को लागू करके हम प्राप्त करते हैं,

$$1/f = 1/v + 1/u$$

$$-1/6 = 1/v - 1/10$$

$$1/v = 1/10 - 1/6$$

$$1/v = 3/30 - 5/30$$

$$1/v = -2/30$$

दर्पण से छवि की दूरी (v) = -15 सेमी (दर्पण का बायां पक्ष)

89. Answer: a

Explanation:

सही उत्तर विकल्प 1 है, अर्थात् फ्रांसीसी।

- भारतीय संविधान के स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों को फ्रांसीसी संविधान से ग्रहण किया गया है।
- भारत ने राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत, राज्य सभा के सदस्यों का नामांकन और राष्ट्रपति के चुनाव की विधि आयरलैंड से ग्रहण की है।
- भारत ने एक मजबूत केंद्र के साथ फेडरेशन, केंद्र में अवशिष्ट शक्तियों का निहितार्थ, केंद्र द्वारा राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति और सर्वोच्च न्यायालय के सलाहकार क्षेत्राधिकार को कनाडा से ग्रहण किया है।
- भारत ने संयुक्त राज्य अमेरिका से मौलिक अधिकारों, न्यायिक समीक्षा को ग्रहण किया है।

90. Answer: b

Explanation:

- निम्नलिखित सभी आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली की विशेषताएं हैं, सिवाय - प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र एक प्रतिनिधि का चुनाव करता है।
- आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली एक **चुनावी प्रणाली** है जिसमें डिवीजनों को निर्वाचित निकाय में एक निर्वाचक मंडल में आनुपातिक रूप से परिलक्षित किया जाता है। यह इस सिद्धांत पर काम करता है कि सभी को **निष्पक्ष प्रतिनिधित्व का अधिकार** है।

91. Answer: d

Explanation:

सही उत्तर है: प्रधानमंत्री विधायिका के प्रति जवाबदेह नहीं है

★ Important Points

- प्रधानमंत्री विधायिका के प्रति जवाबदेह है।
- वह उन नीतियों को स्थापित करने के लिए जिम्मेदार है जो देश और इसके लोगों को लाभान्वित करती हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कि विधान सभा द्वारा पारित कानून प्रभावी ढंग से निष्पादित किए जाते हैं।

★ Key Points

संसदीय प्रकार की सरकार की विशेषताएं

- एक नाममात्र कार्यकारी और एक वास्तविक कार्यकारी का अस्तित्व।
- लोक सभा में बहुमत पाने वाली राजनीतिक पार्टी **सरकार बनाती है।**
- संसद में मंत्रियों की **सामूहिक जिम्मेदारी।**
- **मंत्रियों की दोहरी सदस्यता** (विधायिका और कार्यपालिका दोनों में)
- **प्रधान मंत्री** का नेतृत्व और **निचले सदन का विघटन प्रकृति।**
- **राजनीतिक समरूपता** और शक्तियों का संलयन।

92. Answer: a

Explanation:

- एक न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश सेवानिवृत्त होने की आयु तक, अर्थात क्रमशः 62 वर्ष और 65 वर्ष तक कार्यालय में रहते हैं।
- भारतीय संविधान द्वारा किसी न्यायाधीश के लिए कोई निश्चित कार्यकाल निर्धारित नहीं किया गया है।

93. Answer: a

Explanation:

- रोम संधि ने 25 मार्च 1957 को यूरोपीय आर्थिक समुदाय की स्थापना की। इसे यूरोपीय संघ (TEFU) के कार्यकरण संधि के रूप में भी जाना जाता है।
- इस पर इटली, फ्रांस, बेल्जियम, पश्चिम जर्मनी और नीदरलैंड ने हस्ताक्षर किए थे।
- यह 1 जनवरी, 1958 को लागू हुआ और यूरोपीय संघ के संवैधानिक आधार पर दो संधियों में से एक है।
- दूसरी संधि यूरोपीय संघ पर संधि (TEU) है।

94. Answer: a

Explanation:

- पंकज आडवाणी अंग्रेजी बिलियर्ड्स के एक भारतीय पेशेवर खिलाड़ी और पूर्व पेशेवर स्नूकर खिलाड़ी हैं।
- नारायण कार्तिकेयन एक रेसिंग ड्राइवर हैं। वह भारत के पहले फॉर्मूला वन ड्राइवर थे।
- पुलेला गोपीचंद भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच हैं।
- धनराज पिल्ले एक सेवानिवृत्त भारतीय हॉकी खिलाड़ी हैं।

95. Answer: d

Explanation:

देवदास एक बंगाली प्रणय उपन्यास है जिसे शरत चंद्र चट्टोपाध्याय ने लिखा है।

रबिंद्रनाथ टैगोर	गीतांजलि
प्रेमचंद	गोदान
मुल्क राज आनंद	अनटचेबल
शरत चंद्र चट्टोपाध्याय	देवदास

96. Answer: d

Explanation:

- आर्थ्रोपोडा एनिमलिया का सबसे बड़ी जाति है जिसमें कीड़े शामिल हैं।
- छिद्रिण या स्पंज सबसे पुराने और सरल बहुरंगी जंतु हैं।
- वलयिन खंडित कीड़े हैं जो दुनिया भर में पाए जाते हैं।
- चूणप्रिवार कशेरुकीय जानवरों की दूसरी सबसे बड़ी जाति है।

97. Answer: d

Explanation:

- कोशिकाओं के संरचनात्मक संशोधन के आधार पर, सरल उपकला को बेलनाकार को छोड़कर, निम्नलिखित सभी प्रकारों में विभाजित किया गया है।
- उपकला एक पतला ऊतक है जो शरीर की सतह की बाहरी परत बनाता है। ये पशु ऊतक हैं।

98. Answer: a

Explanation:

- महाराणा जगत सिंह द्वितीय द्वारा निर्मित "लेक पैलेस" उदयपुर में स्थित है।

- यह 1743 और 1746 के बीच बनाया गया था। यह पिछोला झील पर जग निवास द्वीप पर स्थित है और अब यह एक होटल है जिसमें 83 कमरे और सुइट हैं।

99. Answer: d

Explanation:

- अमृता शेर गिल एक प्रख्यात भारतीय-हंगेरियन चित्रकार थीं, जिन्हें कभी-कभी भारत के फ्रीडा कहलो के रूप में भी जाना जाता था।
- सोनल मानसिंह एक भारतीय शास्त्रीय नृत्यांगना हैं।
- शोवना नारायण एक प्रसिद्ध भारतीय कथक नृत्यांगना हैं।
- भीमसेन जोशी एक प्रसिद्ध भारतीय गायक थे।
-

100. Answer: a

Explanation:

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने वर्ष 2014 में "गांधी शांति पुरस्कार" प्राप्त किया।
- गांधी शांति पुरस्कार भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है और इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया है। यह संस्थानों और व्यक्तियों को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों के प्रति उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार में 1 करोड़ रु. का नकद पुरस्कार एक प्रशस्ति पत्र और एक पट्टिका दी जाती है।

101. Answer: a

Explanation:

ग्रेनाइट:

1. ग्रेनाइट कठोर, क्रिस्टलीय संरचना के साथ मोटे कणों वाली चट्टानें होती हैं।

2. यह एक प्रकार की आग्नेय चट्टानें (प्लूटोनिक चट्टानें) हैं।
3. ग्रेनाइट उनके खनिज तत्वों के आधार पर मुख्य रूप से सफेद, गुलाबी या ग्रे रंग के हो सकते हैं।
4. इन चट्टानों में मुख्य रूप से **फेल्सपार**, **क्वार्ट्ज**, **माइका** और एम्फीबोल खनिज होते हैं।
5. इसमें आयतन द्वारा 20% और 60% क्वार्ट्ज, और कुल फेल्सपार का कम से कम 35% शामिल होता है।

102. Answer: b

Explanation:

संकल्पना:

ईंट मृदा प्रकृति में संसंजक के साथ-साथ प्रति m^3 अच्छे सामर्थ्य वाली होनी चाहिए।

ईंटों के निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त मृदा गाद मृदा होगी क्योंकि इस मृदा में पर्याप्त संसंजकता होती है और थोड़ा गाद सामग्री का सामर्थ्य बढ़ाने में सहायता करता है। अपक्षीण मृदा में पर्याप्त मात्रा में नमी होती है। अपक्षय मृदा को नरम बनाने के लिए मृदा को उचित गठन और सुनम्यता प्रदान करता है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

ईंट मृत्तिका का अपक्षय मृदा की 60-120 cm की परतों को बनाकर किया जाता है जो पर्यावरणीय परिस्थितियों के अधीन होता है।

ईंट मृत्तिका के लिए उपयुक्तता क्रम: गाद भरी मृत्तिका > रेतीली मृत्तिका > मृत्तिका > मृत्तिका रेत / गाद

103. Answer: b

Explanation:

सही उत्तर: कायांतरित शैल

अवसादी शैल $\Rightarrow$ अवसादों के संचय, संघनन और समेकन द्वारा निर्मित शैल अवसादी शैल हैं। इसे द्वितीयक शैल के रूप में भी जाना जाता है।

कायांतरित शैल $\Rightarrow$ रूपांतरण के कारण बनने वाली चट्टानें (सभी परिवर्तनों के लिए जिम्मेदार प्रक्रिया, जो किसी मूल चट्टान में आस-पास के परिवर्तनों, तापमान और दबाव की स्थितियों के प्रभाव में होती है) को मेकायांतरित शैल के रूप में जाना जाता है।

104. Answer: b

Explanation:

पत्थर की संदलन क्षमता: इसे प्रति इकाई क्षेत्रफल भार के रूप में परिभाषित किया जाता है जिस पर पत्थर टूटना शुरू हो जाता है।

पत्थर का गठन यह सुनिश्चित करता है कि पत्थर खुरदरा या सुचारु है इसलिए पत्थर की सतह के बीच घर्षण और CTM मशीन के गठन पर निर्भर करता है और इसलिए पत्थर की संदलन क्षमता गठन पर निर्भर करती है।

विशिष्ट गुरुत्व: यह पत्थर के घनता को दर्शाता है इसलिए संदलन क्षमता विशिष्ट गुरुत्व द्वारा प्रत्यक्ष प्रभावित होती है।

चूंकि पत्थरों में नगण्य सुनम्यता और संपीडितता होती है इसलिए पत्थरों की सुकार्यता क्षमता का कोई बोध नहीं होता है। इसलिए **सुकार्यता** कंक्रीट की क्रशिंग क्षमता को प्रभावित नहीं करता है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

पत्थर की संदलन क्षमता का न्यूनतम मान 100 N/mm^2 से कम नहीं होना चाहिए।

अन्य कारक जिन पर संदलन क्षमता निर्भर करती है: घटकों की कठोरता, पत्थर में खनिजों का अनुपात, संसंजक, सरंध्रता, सीमेंटिंग सामग्री।

पत्थर का विशिष्ट गुरुत्व 2.4 – 2.8 होता है।

105. Answer: a

Explanation:

एक अच्छे भवन निर्माण पत्थर में निम्नलिखित गुण होते हैं:

- संघर्षण परीक्षण में घर्षण प्रतिशत 3 से अधिक नहीं होना चाहिए
- विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण कम से कम 2.7 होना चाहिए
- कठोरता का गुणांक 17 से अधिक होना चाहिए
- पत्थर के भार से जल अवशोषण का प्रतिशत 5 से कम होना चाहिए
- दृढ़ता सूचकांक 13 से कम नहीं होना चाहिए
- सन्दलन सामर्थ्य 100 N/mm^2 से अधिक होना चाहिए

∴ सबसे उपयुक्त विकल्प 2.7 है।

106. Answer: b

Explanation:

संकल्पना:

मृदा का टेंपरिंग: यह मृदा में पानी मिलाने की और मिश्रण बनाने से पहले कुछ दिनों के लिए इसे अबाधित रहने की अनुमति देने की प्रक्रिया है।

मर्दन: यह प्लास्टिक बनाने के लिए मिश्रित मृत्तिका (अतिरिक्त खनिजों के साथ मृत्तिका) के साथ पानी के मिश्रण की प्रक्रिया है।

ईंट की मृदा का मर्दन मिट्टी के अपक्षय होने के बाद होता है, और इसे मिश्रित किया जाता है और इसे आकार में ढालने से पहले ईंट की मिट्टी की तैयारी का अंतिम चरण है।

सानना या तो हाथ से या संयुक्त सानना-विलयन द्वारा पहले से मिश्रित मिट्टी में नमी मिलाकर किया जाता है और इसे पग मिलों (अक्सर मृत्तिका मिक्सर के रूप में कहा जाता है) में किया जाता है।

मर्दन एक समरूप द्रव्यमान प्राप्त करने और निम्नलिखित संचकन प्रक्रिया के लिए सुनम्यता विकसित करने के लिए किया जाता है।

पगिंग: यह मृत्तिका की व्यवहार्य और विलयन को प्लास्टिक और संगत बनाने की प्रक्रिया भी है।

संचकन: यह तैयार ईंट की मिट्टी को ईंट का एक आवश्यक आकार देने की प्रक्रिया है। यह हाथ से ढाला जा सकता है या मशीन से ढाला जा सकता है।

107. Answer: a

Explanation:

अच्छी ईंट की मिट्टी की संरचना:

1) सिलिका

ईंट के लिए एक अच्छी मिट्टी में सिलिका का 50 – 60% मौजूद होना चाहिए।

यह कच्ची ईंटों को टूटने, सिकुड़ने और आवेष्टन से रोकता है।

सिलिका ईंटों को एकसमान आकार प्रदान करती है।

सिलिका की अधिकता ईंटों को भंगुर बनाती है।

2) एल्यूमिना

ईंट के लिए एक अच्छी मिट्टी में एल्यूमिना का 20 – 30% मौजूद होना चाहिए।

एल्यूमिना मिट्टी को सुघट्यता प्रदान करती है, ताकि इसे ढाला जा सके।

यदि यह अतिरिक्त होता है तो यह कच्ची ईंटों के सूखने और दहन के दौरान सिकुड़ने और आवेष्टन का कारण बनता है।

3) चूना

यह अच्छी ईंटों के लिए 5% से अधिक नहीं होना चाहिए।

4) लौह ऑक्साइड

यह अच्छी ईंटों के लिए 5 – 6% की सीमा में होना चाहिए।

यह ईंट को रंग प्रदान करता है।

5) मैग्नेशिया

यह ईंट को रंग प्रदान करता है।

यह ईंटों में सिकुड़न को भी कम करता है।

108. Answer: d

Explanation:

संकल्पना:

सीमेंट सामग्री के कार्य:

चूना: यह कैल्शियम ऑक्साइड या कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड होता है। इसमें सीमेंट का 61-67% होता है

सिलिकेट के कैल्शियम और एल्यूमिनेट्स बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में चूने की उपस्थिति की आवश्यकता होती है, जो मुख्य रूप से **बाँग यौगिकों** के गठन के लिए जिम्मेदार होते हैं जो सामर्थ्य और जोड़ने का गुणधर्म प्रदान करता है। चूने की कमी से सीमेंट का सामर्थ्य कम हो जाता है। चूने में कमी से सीमेंट जल्दी सेट हो जाता है।

सिलिका: सिलिकॉन डाइऑक्साइड (SiO_2) को सिलिका कहा जाता है। यह सीमेंट में 17-25% के रूप में मौजूद होता है।

सिलिका की पर्याप्त मात्रा सीमेंट में मौजूद होनी चाहिए क्योंकि यह सीमेंट को सामर्थ्य प्रदान करता है। इसके अलावा, अगर यह उच्च मात्रा में मौजूद होता है, तो यह सीमेंट में कम उष्मा उत्पन्न करता है इसलिए रासायनिक क्रिया और ऊष्मा प्रतिरोधी होने से बचाता है।

एल्यूमिना: एल्यूमिना एल्युमिनियम ऑक्साइड (Al_2O_3) होता है। एल्यूमिना सीमेंट में 3-8% के रूप में मौजूद होता है और सीमेंट को त्वरित सेटिंग गुण प्रदान करता है। एल्यूमिना की अपेक्षित मात्रा की उपस्थिति से क्लिंकिंग तापमान कम होता है। अतिरिक्त एल्यूमिना सीमेंट को कमजोर कर देता है। यह जलयोजन की उष्मा भी बढ़ाता है।

मैग्नेशिया: मैग्नीशियम ऑक्साइड (MgO) को मैग्नेशिया कहा जाता है। यह सीमेंट में 2% से अधिक मौजूद नहीं होना चाहिए। अतिरिक्त मैग्नेशिया सीमेंट के सामर्थ्य को कम कर देता है। यदि सीमित मात्रा में मौजूद होता है, तो यह सामर्थ्य प्रदान करता है।

आयरन ऑक्साइड: (Fe_2O_3), आयरन ऑक्साइड सीमेंट को रंग प्रदान करता है। यह सीमेंट में 1-6% के रूप में मौजूद होता है और एक फ्लक्स के रूप में कार्य करता है। बहुत अधिक तापमान पर, यह कैल्शियम और एल्युमिनियम के साथ रासायनिक क्रिया करके ट्रायकैल्शियम एल्मिनो-फेराइट बनाता है। ट्रायकैल्शियम एल्मिनो-फेराइट कठोरता और सीमेंट को सामर्थ्य प्रदान करता है।

कैल्शियम सल्फेट (जिप्सम): यह जिप्सम ($\text{CaSO}_4 \cdot 2\text{H}_2\text{O}$) के रूप में सीमेंट में मौजूद होता है और यह सीमेंट की स्थापन क्रिया को धीमा कर देता है या मंदित करता है। इसके अलावा, जलयोजन की ऊष्मा की दर को कम करता है।

क्षारीय: 1% से अधिक मौजूद नहीं होना चाहिए। अतिरिक्त क्षारीय पदार्थ पृष्ठ की सतह पर उत्फुल्लन या सफेद धब्बे का कारण बनता है जिससे कंक्रीट में दरार भी आ सकती है।

109. Answer: d

Explanation:

पानी मिलाने के बाद सीमेंट का स्थापन और दृढ़ीकरण सीमेंट के कुछ घटक यौगिकों जैसे ट्राईकैल्शियम एलुमिनेट, ट्राईकैल्शियम सिलिकेट, डाईकैल्शियम सिलिकेट, और टेट्राकैल्शियम एल्युमिनोफेराइट के जलयोजन के कारण होता है।

इन यौगिकों को बोग के यौगिक के रूप में जाना जाता है।

बोग के यौगिक का जलयोजन

ट्राईकैल्शियम एलुमिनेट (C_3A): जब सीमेंट में पानी मिलाया जाता है तो सेलाइट सबसे तेजी से प्रतिक्रिया करता है। यह फ्लैश स्थापन के लिए जिम्मेदार होता है। इस घटक के बढ़ने से त्वरित स्थाप्य सीमेंट के निर्माण में मदद मिलती है। जलयोजन की ऊष्मा 865 J/CaI होती है।

ट्राईकैल्शियम सिलिकेट (C_3S): इसे एलाइट भी कहा जाता है। यह कंक्रीट के शुरुआती सामर्थ्य के लिए भी जिम्मेदार है। वह सीमेंट जिसमें C_3S की अधिक मात्रा होती है, वह शीत काल में कंक्रीट कार्य के लिए अच्छी होती है। जलयोजन की ऊष्मा 500 J/CaI होती है।

डाईकैल्शियम सिलिकेट (C_2S): यह यौगिक धीरे-धीरे प्रतिक्रिया से गुजरेगा। यह कंक्रीट के प्रगतिशील सामर्थ्य के लिए जिम्मेदार होता है। इसे बेलाइट भी कहा जाता है। जलयोजन की ऊष्मा 260 J/CaI है।

टेट्रा कैल्शियम एल्युमिनोफेराइट (C_4AF): इसे फेलाइट कहा जाता है। जलयोजन की ऊष्मा 420 J/CaI है। इसका सीमेंटिंग मान सबसे खराब होता है, लेकिन यह सीमेंट की मजबूती के दीर्घकालिक लाभ के लिए जिम्मेदार होता है।

110. Answer: a

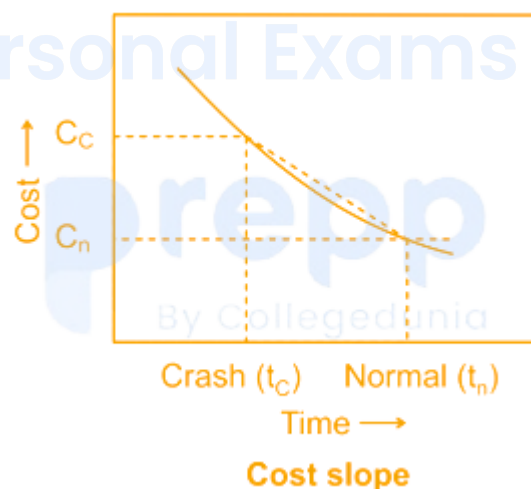
Explanation:

1. सीमेंट का तेजी से सख्त होना **क्लिकर की बारीक पीस** द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, इस प्रकार सीमेंट कणों के सतह क्षेत्र में वृद्धि होती है जो सीमेंट के जलयोजन की दर को बढ़ाता है जिससे सीमेंट का समय निर्धारित करने में कमी होती है।
2. रैपिड हार्डनिंग सीमेंट साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (OPC) के समान है, लेकिन उच्च त्रि-कैल्शियम सिलिकेट (C3S) सामग्री और महीन पीस के साथ। यह ओपीसी की तुलना में अधिक तेजी से ताकत हासिल करता है, हालांकि अंतिम ताकत केवल थोड़ी अधिक है। इस प्रकार के सीमेंट को हाई स्ट्रेंथ पोर्टलैंड सीमेंट (HSPC) भी कहा जाता है। इस सीमेंट की एक दिन की ताकत समान जल-सीमेंट अनुपात के साथ ओपीसी की तीन-दिवसीय ताकत के बराबर है।

111. Answer: a

Explanation:

संकल्पना:



लागत ढलान: प्रत्यक्ष लागत वक्र एक वक्र है जिसे वक्र की समतलता के आधार पर एक सीधी रेखा द्वारा अनुमानित किया जा सकता है। इस सीधी रेखा ई ढलान लागत ढलान होता है। यह परियोजना लागत विश्लेषण में बहुत सहायक होता है।

$$C_s = \frac{\text{Crash Cost} - \text{Normal Cost}}{\text{Normal Time} - \text{Crash Time}}$$

न्यूनतम लागत ढलान वाली गतिविधि में पहले गिरावट आनी चाहिए, क्योंकि इससे परियोजना में इष्टतम गिरावट होती है।

112. Answer: b

Explanation:

संकल्पना:

प्रतिरूपी क्रिया: यह एक क्रिया है जिसकी अवधि शून्य है और यह दो क्रियाओं के बीच संबंध स्थापित करने के एकमात्र उद्देश्य से बनाई गई है। यह डैशित रेखाओं द्वारा दर्शाया जाता है।

नींव की खुदाई करें: यह एक आंतरिक गतिविधि होगी (परियोजना का एक हिस्सा है जिसे अंतिम भाग की घटना तक पहुंचने के लिए कुछ अवधि और लागत की आवश्यकता होती है।

आगमन कंक्रीट सामग्री के लिए प्रतीक्षा करना: इसके लिए कोई लागत की और न ही किसी भी समय की आवश्यकता होती है इसलिए इसे प्रतिरूपी क्रिया कहा जा सकता है।

नींव के कंक्रीट को बिछाना: यह उत्खनन के बाद का दूसरा चरण है जिसके लिए धन और समय की आवश्यकता होगी, इसलिए प्रतिरूपी क्रिया नहीं होगी।

नींव की कंक्रीट का उपचार: कंक्रीट डालने के बाद यह तीसरा चरण है जिसमें न्यूनतम 7 दिनों का उपचार और जनशक्ति और संसाधन लागत की आवश्यकता होती है।

113. Answer: c

Explanation:

संकल्पना:

कुल फ्लोट : यह समय की वह राशि है जिससे परियोजना के पूरा होने के समय को प्रभावित किए बिना किसी गतिविधि के पूरा होने के समय को विलंबित किया जा सकता है।

मुक्त फ्लोट: यह समय की वह राशि है जिससे नेटवर्क में तत्काल आनुक्रमिक गतिविधियों के शुरुआती समय को प्रभावित किए बिना गतिविधि के पूरा होने के समय को विलंबित किया जा सकता है।

हस्तक्षेपपूर्ण फ्लोट: वह अधिकतम राशि जिसके द्वारा परियोजना में विलंब किए बिना एक गतिविधि को विलंबित किया जा सकता है, लेकिन कुछ निम्नलिखित गतिविधि की प्रारंभिक शुरुआत में विलंब होगा।

स्वतंत्र फ्लोट: वह राशि जिसके द्वारा परियोजना में विलंब किए बिना किसी गतिविधि को विलंबित किया जा सकता है; भले ही सभी पूर्ववर्ती गतिविधि विलंब से पूरी हो और सभी अनुवर्ती गतिविधि पहले प्रारंभ हो।

114. Answer: b

Explanation:

इमारत की कुल लागत के प्रतिशत का विच्छेद निम्नानुसार है:

प्रकार	सामग्री की लागत (कुल लागत के % में)	श्रम लागत (कुल लागत के % में)
आवासीय इमारत	60 – 70	25 – 35
औद्योगिक इमारत	65 – 75	20 – 30

महत्वपूर्ण बिंदु:

इमारत की कुल लागत में दुर्घटना की लागत, सामग्री में वृद्धि, पर्यावरण की स्थिति, विलम्ब, बीमा आदि की लागत शामिल होती है जो कुल लागत का 5-10% होता है।

115. Answer: c

Explanation:

संकल्पना:

अनुमान: परियोजना प्रबंधन में अनुमान परिभाषित क्षेत्र में एक परियोजना को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय और अन्य संसाधनों के पूर्वानुमान की प्रक्रिया है। अनुमान परियोजना के सभी मानकों को चाहे वह सामग्री हो या मजदूर या बजट के कुल सामान का हिसाब देता है।

नपाई: यह गणित की वह शाखा है जो समतल आकृतियों के सतह क्षेत्रफल से संबंधित होती है। इसके द्वारा हम समतल के कुछ आकृतियाँ जैसे कि घनाभ, सिलेंडर, प्रिज़्म आदि प्राप्त करते हैं। निर्माण में हम आवश्यक कंक्रीट या कंक्रीट संरचना के क्षेत्र या आयतन की गणना करने के लिए नपाई का उपयोग कर सकते हैं।

मात्रा का सर्वेक्षण: परियोजना के आरंभ से अंत तक परियोजना में शामिल विभिन्न कार्यों की सटीक मात्रा की गणना करना।

मूल्यांकन: यह संपत्ति जैसे कि एक भूमि, एक पुरानी इमारत आदि के वर्तमान मूल्य का आकलन करने की तकनीक है। इस तकनीक में बाजार की वर्तमान स्थिति के आधार पर मूल्यहास की कुछ राशि लगाई जाती है।

116. Answer: c

Explanation:

प्रस्तावित इमारत का समाविष्ट क्षेत्रफल = 150 वर्ग मीटर

आंगन क्षेत्र = $5 \times 4 = 20$ वर्ग मीटर

$\therefore$ प्लिंथ क्षेत्र = $150 - 20 = 130$ वर्ग मीटर

$\therefore$ इमारत की कुल लागत = $130 \times 1250 = 162500$

117. Answer: c

Explanation:

आम तौर पर मिट्टी कार्य के लिए 30 m लीड और 1.5 m लिफ्ट का अनुमान लगाया जाता है

लीड: यह निक्षेपण के केंद्र से उत्खनन के केंद्र के बीच औसत क्षैतिज दूरी है।

लिफ्ट: यह औसत ऊंचाई है जहाँ पर मिट्टी को स्रोत से उठाकर ढेर लगाया जाता है।

आम तौर पर मिट्टी कार्य के लिए 30 m लीड और 1.5 m लिफ्ट का अनुमान लगाया जाता है।

118. Answer: b

Explanation:

संकल्पना:

- i) कंक्रीट के गीले आयतन के लिए $= 1 \text{ m}^3$
- ii) कंक्रीट का शुष्क आयतन उसके गीले आयतन से 54 % से अधिक लिया जाना चाहिए।
- iii) कंक्रीट अनुपात $= 1 : 2 : 4$, जो यह दर्शाता है कि 1 क्यूबिक मीटर के कंक्रीट में 1 भाग सीमेंट, 2 भाग रेत या महीन गिट्टी और 4 भाग गिट्टी या मोटी गिट्टी होनी चाहिए।
- iv) मोटी गिट्टी का घनत्व 1450 से 1550 kg/m^3 में परिवर्तित होता रहता है।

गणना:

कंक्रीट का कुल गीला आयतन $= 100 \text{ m}^3$

आवश्यक कंक्रीट का कुल शुष्क आयतन $= 1.54 \times 100 = 154 \text{ m}^3$

गिट्टी का आवश्यक आयतन:

$$V = \frac{4}{7} \times 154 = 88 \text{ m}^3$$

119. Answer: c

Explanation:

संकल्पना:

चूना कंक्रीट के मामले में, संसाधन 24 घंटे के बाद शुरू होता है और न्यूनतम 7 दिनों की अवधि के लिए किया जाता है। इसलिए नींव पर चिनाई का काम न्यूनतम 7 दिनों के बाद किया जा सकता है।

सीमेंट कंक्रीट के मामले में कंक्रीट के प्रारंभिक और अंतिम स्थापन समय को सुनिश्चित करने के लिए संसाधन 3-48 घंटे के बाद शुरू होती है। संसाधन 7 दिनों की न्यूनतम अवधि तक या उस अवधि तक की जाती है जिस पर कंक्रीट का विशेष सामर्थ्य 70% तक हो जाता है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

संरचना में पर्याप्त नमी सुनिश्चित करने के लिए संसाधन की जाती है, यह जलयोजन की उष्मा भी सुनिश्चित करता है जिससे सामर्थ्य और स्थायित्व बढ़ाने में मदद मिलती है।

सीमेंट के तेजी से सख्त होने या अतिरिक्त-सख्त कठोरीकरण सीमेंट द्वारा बनाई गई संरचनाओं के मामले में प्रारंभिक 2-4 दिनों के लिए ही संसाधन की आवश्यकता होती है, क्योंकि शुरूआती दिनों में हासिल किया गया सामर्थ्य इन मामलों में अधिक होता है।

120. Answer: d

Explanation:

संकल्पना: $\{\rm{Floor\;area}}\} = \left(\{\rm{c}}\}.\{\rm{l}}\}.\{\rm{d}}\} - \frac{\{\rm{t}}\}^2}{2} - \frac{\{\rm{t}}\}^2}{2} \right) \times \left(\{\rm{c}}\}.\{\rm{l}}\}.\{\rm{d}}\} - \frac{\{\rm{t}}\}^2}{2} - \frac{\{\rm{t}}\}^2}{2} \right)$ जहाँ, c.l.d = केंद्र रेखा आयाम t = मोटाई
गणना: दिया गया है, केंद्र रेखा की लंबाई = 14.7 m केंद्र रेखा की चौड़ाई = 9.7 m t = 0.3 m
 $\{\rm{Floor}}\}\; ; \{\rm{Area}}\} = \left(\{14.7 - \frac{\{0.30\}^2}{2} - \frac{\{0.30\}^2}{2} \right) \times \left(\{9.7 - \frac{\{0.30\}^2}{2} - \frac{\{0.30\}^2}{2} \right)$; फर्श क्षेत्रफल = $14.4 \times 9.4 = 135.36 \; \{\rm{m}}\}^2$

121. Answer: a

Explanation:

सही उत्तर: बेंच मार्क

G.T.S. (व्यापक त्रिकोणमितीय सर्वेक्षण) बेंचमार्क एक स्थायी रूप से निर्धारित संदर्भ सर्वेक्षण स्टेशन (या बिंदु) है, जो एक मानक डेटम (माध्य समुद्र तल) के संबंध में ज्ञात ऊंचाई है। ये भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा अधिक सटीकता के साथ स्थापित किए गए हैं।

स्थायी बेंचमार्क का उद्देश्य लंबे समय तक बिना किसी परिवर्तन के अपनाए गए डेटम के संदर्भ में अपनी ऊंचाई बनाए रखना है, और यह वहाँ स्थित होता है जहाँ विक्षुब्ध करने वाले प्रभावों को नगण्य माना जाता है।

122. Answer: b

Explanation:

संकल्पना:

टेप संशोधन:

निम्न तालिका विभिन्न प्रकार के सुधारों के लिए सुधार की प्रकृति को दर्शाती है:

Your Personal Exams Guide

त्रुटि के कारण	त्रुटि	संशोधन
मानकीकरण	+ve या -ve	क्रमशः -ve या +ve
तापमान	+ve या -ve	क्रमशः -ve या +ve
कर्षण	+ve या -ve	क्रमशः -ve या +ve
ढलान	हमेशा +ve	हमेशा -ve
शिथिलन	हमेशा +ve	हमेशा -ve
गलत संरेखण	हमेशा +ve	हमेशा -ve

★ Additional Information

सुधार: **Your Personal Exams Guide**

वास्तविक मान और प्रेक्षित/मापा के बीच के अंतर को सुधार के रूप में जाना जाता है।

∴ सुधार = सही मान - मापा मान

⇒ $C = T.V. - M.V.$

यह धनात्मक या ऋणात्मक हो सकता है।

यदि

$M.V. > T.V., C < 0 \rightarrow$ ऋणात्मक

$M.V. < T.V., C > 0 \rightarrow$ धनात्मक

123. Answer: d

Explanation:

संकल्पना:

कम्पास सर्वेक्षण: कम्पास सर्वेक्षण, सर्वेक्षण की वह शाखा है जिसमें किसी वस्तु की स्थिति कम्पास द्वारा निर्धारित कोणीय मापन का उपयोग करके और एक श्रृंखला या टेप का उपयोग करके रैखिक मापन का उपयोग करके स्थित की जाती है। कम्पास सर्वेक्षण बड़े क्षेत्रों के लिए किया जाता है। इसलिए, बिंदुओं का पता लगाना और क्षेत्र का पथरेखन कम्पास सर्वेक्षण के मुख्य उद्देश्य होते हैं।

कम्पास सर्वेक्षण का सिद्धांत पथरेखन है, जिसमें संयोजित रेखाओं की एक श्रृंखला शामिल होती है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

श्रृंखला सर्वेक्षण का उपयोग तब किया जाता है जब सर्वेक्षण किया जाने वाला क्षेत्र अपेक्षाकृत सपाट और छोटा होता है।

पथरेखन का उपयोग तब किया जाता है जब क्षेत्र बड़ा होता है और उतार-चढ़ाव मौजूद होते हैं।

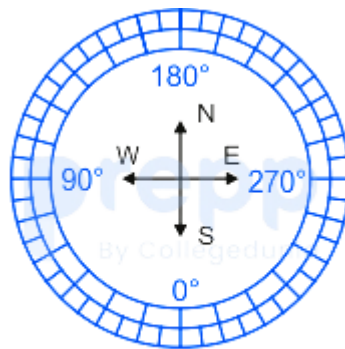
कम्पास सर्वेक्षण में, दो प्रकार के कम्पास का उपयोग किया जाता है। प्रिज्मीय और सर्वेक्षक का कम्पास।

Your Personal Exams Guide

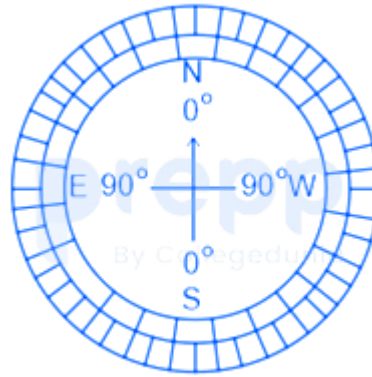
124. Answer: d

Explanation:

वस्तु	प्रिज्मीय दिक्सूचक	सर्वेक्षक का दिक्सूचक
सुई	वृहत प्रकार	एज बार प्रकार
पैमाना	वृहत प्रकार की चुंबकीय सुई के साथ स्वतंत्र रूप से प्लवमान	बॉक्स से जुड़ा हुआ होता है
दिक् मान	पूर्ण वृत्त दिक् मान	वृत्तपादीय दिक् मान
अंशांकन	उलटा (चूँकि एक प्रिज्म के माध्यम से अंशांकन का पठन किया जाना होता है)	प्रत्यक्ष
अवलोकन और पठन	एक ही समय पर किया जा सकता है	पहले अवलोकन किया जाता है और फिर सर्वेक्षक द्वारा सुई के उत्तरी सिरे का पठन किया जाता है
तिपाई	आवश्यक नहीं है	आवश्यक है



(a) Prismatic Compass



Surveyor's Compass

125. Answer: b

Explanation:

वास्तविक देशान्तर रेखा को उस समतल के रूप में परिभाषित किया गया है जो अवलोकन के स्थान पर वास्तविक उत्तरी ध्रुवों (भौगोलिक उत्तरी ध्रुव) और वास्तविक दक्षिणी ध्रुवों (भौगोलिक दक्षिणी ध्रुव) से होकर गुजरता है।

वास्तविक देशान्तर रेखा खगोलीय अवलोकन द्वारा स्थापित की जा सकती है क्योंकि यह वास्तविक उत्तर और दक्षिण से गुजरती है।

किसी भी स्थान पर वास्तविक देशान्तर रेखाएँ परिवर्तनीय नहीं हैं और वे उत्तरी या दक्षिणी गोलार्ध में ध्रुव पर एक बिंदु में अभिसरित हो जाती हैं।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण विभागों द्वारा तैयार किए गए मानचित्र वास्तविक देशान्तर रेखाओं पर आधारित हैं।

126. Answer: a

Explanation:

नति: यह स्थानीय चुंबकीय क्षेत्र और क्षैतिज के बीच चुंबकीय उत्तर (चुंबकीय मध्याह्न) के साथ संरेखित ऊर्ध्वाधर समतल में एक कोण होता है।

अवनति: यह चुंबकीय और भौगोलिक मध्यान्ह के बीच का कोण होता है, या चुंबकीय उत्तर और वास्तविक उत्तर दिशा के बीच क्षैतिज समतल में कोण होता है।

चुंबकीय रेखाएँ	परिभाषा
अविनत रेखा	शून्य अवनति के स्थानों को जोड़ने वाली रेखा।
अनत रेखा	शून्य नति के स्थानों को जोड़ने वाली रेखा।
समनत रेखा	समान नति के स्थानों को जोड़ने वाली रेखा।
समगतिक रेखा	पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के क्षैतिज घटक के समान मान के स्थानों को जोड़ने वाली रेखा।

127. Answer: b

Explanation:

पृथ्वी की चुंबकीय क्षेत्र की रेखाएँ आम तौर पर दक्षिण से उत्तर की ओर चलती हैं। भूमध्य रेखा के पास वे पृथ्वी की सतह के समानांतर होती हैं। बल की रेखाओं का क्षैतिज प्रक्षेपण चुंबकीय मध्यान्ह को परिभाषित करता है और ये बल रेखाएँ पृथ्वी की सतह के साथ जो कोण बनाती हैं उसे कम्पास सुई की डिप के रूप में जाना जाता है।

भूमध्य रेखा पर, भूमध्य रेखा पर सुई की डिप शून्य होगी क्योंकि बलों की रेखाएँ समानांतर होती हैं।

ध्रुवों पर, डिप उत्तरी गोलार्ध में उत्तर की ओर और दक्षिणी गोलार्ध में दक्षिण की ओर प्रवृत्त होती है।

किसी भी अन्य स्थानों पर, यह किसी क्षेत्र में चुंबकीय क्षेत्र की सीमा के अनुसार परिवर्तित होती है।

128. Answer: b

Explanation:

अवनति: वास्तविक मेरिडियन और चुंबकीय मेरिडियन के बीच क्षैतिज कोण को अवनति कहा जाता है।

स्थानिक आकर्षण: स्थानिक आकर्षण वह घटना है जिसके द्वारा चुंबकीय सुई को लगातार एक स्थान पर चुंबकीय उत्तर दिशा की तरफ झंगित करने से रोका जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये चुंबकीय दिशा सूचक अन्य चुंबकीय वस्तुओं जैसे कि बिजली की तारें, रेल, इस्पात और लौह संरचनाएं, इस्पात टेप इत्यादि से प्रभावित होता है।

चुंबकीय असर: वह क्षैतिज कोण जो एक रेखा चुंबकीय मेरिडियन के साथ बनाती है और जिसे चुंबकीय उत्तर रेखा से मापा जाता है उसे चुंबकीय असर कहा जाता है। यह समय के साथ बदलता है। एक रेखा के चुंबकीय मेरिडियन क्षेत्र में प्रिज्म दिशा सूचक का उपयोग करके मापा जा सकता है।

दिगंश: एक रेखा का दिगंश भौगोलिक या वास्तविक मेरिडियन से दक्षिणावर्त मापा गया क्षैतिज कोण है।

129. Answer: a

Explanation:

सही उत्तर: तीव्र प्रवणता

निकटता से फैली समोच्च रेखाएँ एक तीव्र प्रवणता को दर्शाती हैं।

अब प्रश्न में, A-A अनुभाग में, रेखाएँ अभिसरण करती हैं इसलिए यह तीव्र प्रवणता है।

130. Answer: d

Explanation:

अवधारणा:

वास्तविक क्षेत्रफल = मापा गया क्षेत्रफल $\times$ (R.F.)

क्षेत्रफल के लिए,

$$\text{Representative factor (R.F.)} = \left(\frac{\text{true length}}{\text{standard length}} \right)^2$$

गणना:

दिया गया है:

मानक जंजीर लंबाई = 100 m, (चूंकि 100 m जंजीर)।

मापा गया क्षेत्रफल = 100 एकड़

अभी,

वास्तविक लंबाई = 100 + 0.8 = 100.8 m

$$\text{Representative factor (R.F.)} = \left(\frac{\text{true length}}{\text{standard length}} \right)^2$$

$$(\text{R.F.}) = \left(\frac{100.8}{100} \right)^2 = 1.01606$$

वास्तविक क्षेत्रफल = 100 $\times$ 1.01606

वास्तविक क्षेत्रफल = 101.606 एकड़

सुझाव और युक्ति:

आभासी जंजीर द्वारा मापी गई वास्तविक लंबाई का पता लगाने के लिए-

वास्तविक लंबाई $\times$ वास्तविक जंजीर लंबाई = मापित लंबाई $\times$ वास्तविक लंबाई,

131. Answer: a

Explanation:

संकल्पना:

सक्रिय भू-दाब का गुणांक:

$$K_a = \frac{1 - \sin(\phi)}{1 + \sin(\phi)} = \tan^2 \left(45 - \frac{\phi}{2} \right)$$

निष्क्रिय भू-दाब का गुणांक:

$$K_p = \frac{1 + \sin(\phi)}{1 - \sin(\phi)} = \tan^2 \left(45 + \frac{\phi}{2} \right)$$

132. Answer: d

Explanation:

एकरूपता का गुणांक / एकरूपता गुणांक:

इसे दानेदार सामग्री के छलनी विश्लेषण में D60 और D10 छलनी आकार के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है।

जितना C_u का मान उच्चतर होता है उतना ही कण के आकार की श्रेणी उच्च होती है।

$$C_u = \frac{D_{60}}{D_{10}}$$

समान रूप से वर्गीकृत मिट्टी के लिए, $C_u = 1$

अच्छी तरह से वर्गीकृत रेत के लिए, $C_u > 6$

अच्छी तरह से श्रेणीबद्ध बजरी के लिए $C_u > 4$

वक्रता का गुणांक / वक्रता गुणांक:

$$C_c = \frac{D_{30}^2}{D_{60} \times D_{10}}$$

अच्छी तरह से वर्गीकृत मिट्टी के लिए, $1 < C_c < 3$

अंतराल श्रेणीबद्ध मिट्टी के लिए, $1 < C_c$ or $C_c > 3$

जहाँ

D60 = आकार में 60% वजन के हिसाब से महीन

D30 = आकार में 30% वजन के हिसाब से महीन

D10 = आकार में 10% वजन के हिसाब से महीन = प्रभावी आकार

133. Answer: b

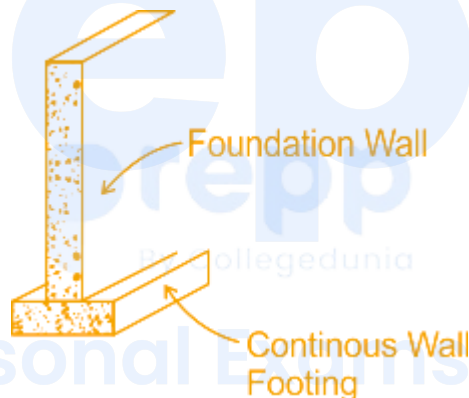
Explanation:

अवधारणा :

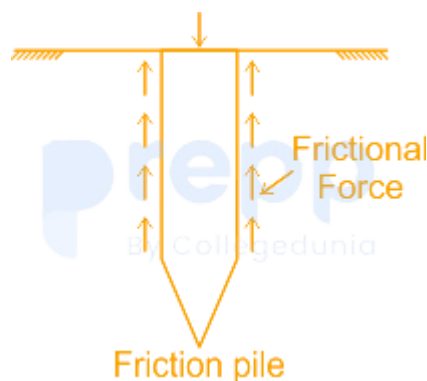
फुटिंग की आनुपातिकता को एक फुटिंग तंत्र की व्यवस्था के रूप में परिभाषित किया जाता है कि मृदा रेखाओं के संपर्क में क्षेत्र का केंद्रक लोड के परिणामी की कार्यरत रेखा पर स्थिर हो।

यह विभिन्न स्तंभों के लिए फुटिंग के समान व्यवस्थापन को सुनिश्चित करने के लिए एक अनुप्रयोगी लोड मानदंड द्वारा नियंत्रित होता है।

नीचे फुटिंग की आनुपातिकता की आकृति है (कार्यरत रेखा पर केन्द्रक समान है)।



इसके अलावा, घर्षण ढेर को प्लवमान ढेर भी कहा जाता है, क्योंकि ये ढेर कठोर परत पर रुकते नहीं हैं, इसलिए छोर प्रतिधारण क्रिया द्वारा कोई प्रतिक्रिया अथवा प्रतिरोध नहीं दर्शाया जाता है, यह परत घर्षण प्रतिरोध पर निर्भर करता है।



महत्वपूर्ण बिंदु:

साधारण इमारतों के लिए:

अनुप्रयोगी लोड = गतिहीन लोड + $0.5 \times$ (गतिशील लोड)

परत का घर्षण: यह ढेर पर मिट्टी के दाने द्वारा की गई घर्षण की क्रिया द्वारा सतह क्षेत्रफल द्वारा उत्पन्न प्रतिरोध है।

134. Answer: c

Explanation:

व्याख्या:

सुनम्यता सूचकांक (PI) पानी की सामग्री की सीमा है जिस पर मृदा प्लास्टिक स्थिति में रहती है।

गणितीय रूप से परिभाषित किया गया है,

सुनम्यता सूचकांक = तरल सीमा - प्लास्टिक सीमा

यह पैरामीटर ऋणात्मक नहीं हो सकता है अगर प्लास्टिक की सीमा, कुछ अपवादों में, तरल सीमा से अधिक होती है, इसे शून्य माना जाता है और मृदा को गैर-प्लास्टिक माना जाता है।

सुनम्यता सूचकांक = $20 - 25 = -5$

∴ सुनम्यता सूचकांक को शून्य माना जाता है।

एक मृदा की सुनम्यता दरार के बिना विरूपण से गुजरने की क्षमता है। यह विशेष रूप से मृत्तिका मृदा के लिए, महीन कणमय मृदा का एक महत्वपूर्ण सूचकांक गुणधर्म है।

135. Answer: c

Explanation:

- रनअवे गति अधिकतम गति है जो टरबाइन सैद्धांतिक रूप से प्राप्त कर सकता है। इसे भार अस्वीकरण के दौरान हासिल किया जाता है।
- पानी के टरबाइन की रनअवे गति पूर्ण प्रवाह और शून्य शाफ्ट भार पर इसकी गति होती है। टरबाइन को इस गति के यांत्रिक बलों को जीवित रखने के लिए डिजाइन किया जाता है। निर्माता रनअवे गति रेटिंग की आपूर्ति करते हैं।

136. Answer: a

Explanation:

अवधारणा:

हम जानते हैं कि दाब केंद्र वह बिंदु है जिस पर तरल पदार्थ के कारण दाब बल लगता है और यह इस प्रकार होगा

$$h = \bar{x} + \frac{I_G}{A\bar{x}} (\sin \theta)^2$$

जहाँ, h दाब केंद्र को दर्शाता है, I_G = क्षेत्रफल का दूसरा आघूर्ण, A = क्षेत्रफल, और $\bar{x}$ = गुरुत्व का केंद्र

ऊर्ध्वधर का अर्थ है $\theta = 90^\circ$ and $\sin \theta = 1$

$$\frac{I_G}{A\bar{x}} (\sin \theta)^2 = \frac{I_G}{A\bar{x}}$$

$$h = \bar{x} + \frac{I_G}{A\bar{x}}$$

अब, जैसे-जैसे निमज्जन की गहराई बढ़ती है, $\bar{x}$ बढ़ता है जिसके परिणामस्वरूप h में वृद्धि होती है, लेकिन वृद्धि की दर कम हो जाएगी क्योंकि कारक का भाजक में $\frac{I_G}{A\bar{x}}$ है।

इसलिए h , $\bar{x}$ के करीब आएगा।

महत्वपूर्ण लेख:

$\theta = 90^\circ$ के लिए, ऊर्ध्वधर का अर्थ है, दाब केंद्र गुरुत्व केंद्र से सबसे दूर है।

$\theta = 0^\circ$ के लिए, क्षैतिज का अर्थ है, दाब केंद्र गुरुत्व केंद्र के साथ सम्पाती है।

137. Answer: a

Explanation:

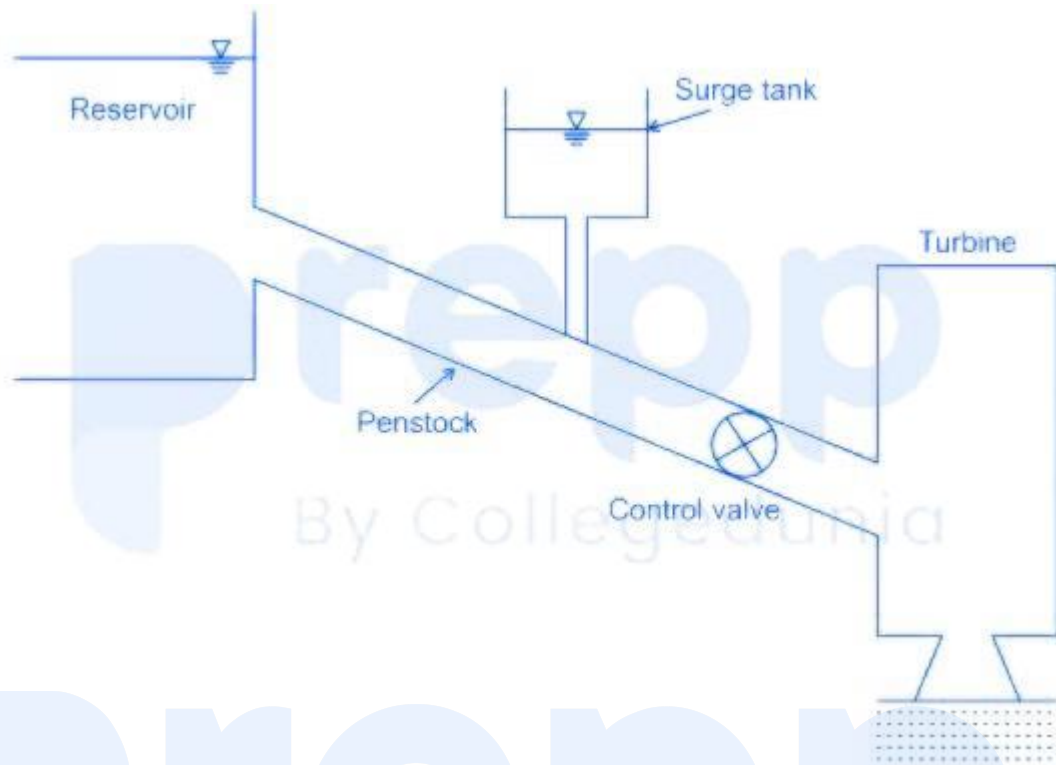
गुहिकायन को एक ऐसे क्षेत्र में प्रवाहित होने वाले तरल के वाष्प के बुलबुले के निर्माण की घटना के रूप में परिभाषित किया जाता है जहां तरल का दाब उसके वाष्प दाब से नीचे हो जाता है और उच्च दाब के क्षेत्र में इन वाष्प के बुलबुलों का अचानक निपात हो जाना है। जब वाष्प दाब का निपात होता है, तो बहुत अधिक दाब उत्पन्न होता है।

गुहिकायन के प्रभाव:

- (i) धात्विक सतहें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं और सतहों पर गुहिकाएँ बन जाती हैं।
 - (ii) वाष्प के बुलबुले के अचानक निपात के कारण काफी शोर और कंपन उत्पन्न होता है।
 - (iii) गुहिकायन के कारण, रनर वेन्स और ड्राफ्ट ट्यूब की धातु धीरे-धीरे गल जाती है, जिसके परिणामस्वरूप टरबाइन की दक्षता कम हो जाती है।
- द्रवचालित टरबाइन में जल घन गुहिकायन की विशेषता नहीं है।

जल घन:

जब एक लंबे पाइप में प्रवाहित होने वाले पानी को अचानक वाल्व को बंद करके या इसी तरह के किसी भी कारण से अचानक रोक दिया जाता है, तो गतिमान पानी के संवेग के नष्ट होने के कारण दाब में अचानक वृद्धि होती है। यह पाइप के साथ उच्च दाब की एक तरंग का कारण बनता है जो शोर उत्पन्न करता है जिसे दस्तक के रूप में जाना जाता है। पाइप में अचानक दाब बढ़ने की इस घटना को **जल घन** या घन ब्लो कहा जाता है। जल घन एक पेनस्टॉक में विकसित होता है।



138. Answer: d

Explanation:

एक टर्बाइन की विशिष्ट गति को एक ज्यामितीय समरूप टर्बाइन की गति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो इकाई शक्ति को तब विकसित करता है जब इकाई शीर्ष (1 मीटर शीर्ष) के तहत कार्य किया जाता है। इसे संबंध द्वारा निर्धारित किया जाता है।

$$N_s = \frac{N\sqrt{P}}{H^{\frac{5}{4}}}$$

पंप के लिए, $N_s = \frac{N\sqrt{Q}}{H^{\frac{3}{4}}}$

जहाँ,

N_s = विशिष्ट गति, N = rpm में गति, P = उत्पन्न शक्ति, और H = टर्बाइन द्वारा उत्पन्न ऊँचाई

स्पष्ट रूप से सूत्र से, यह कहा जा सकता है कि

$$N_s \propto \frac{1}{(H)^{\frac{5}{4}}}$$

यदि H बढ़ता है तो विशिष्ट गति कम हो जाएगी।
इसके अलावा,

जैसे ही गुरुत्वीय त्वरण घटता है प्रतिरोध कम हो जाता है; प्रवाह बढ़ता है और इसलिए विशिष्ट गति बढ़ जाती है।

★ Mistake Points

दिए गए विकल्पों में से गलत कथन की पहचान करने के लिए कहा गया है

139. Answer: b

Explanation:

अवधारणा:

चरण विधियों में, संगणना को ऊर्ध्वप्रवाह में उप क्रांतिक प्रवाह से आगे बढ़ना चाहिए। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उप क्रांतिक प्रवाह में ऊर्ध्वप्रवाह गहराई अधिक होती है और अनुप्रवाह में कम होती है, इसलिए ऊर्ध्वप्रवाह में स्थिरता अधिक होती है।

इसी प्रकार, एक अति-क्रांतिक प्रवाह के लिए, चरण विधियों में, संगणना को अनुप्रवाह पर किया जाता है क्योंकि गहराई अधिक होती है इसलिए अनुप्रवाह में स्थिरता अधिक होती है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

चरण विधि विश्लेषण के लिए निश्चित समय की आवश्यकता होती है इसलिए उच्च वेग और कम गहराई के प्रवाह का विश्लेषण इसके माध्यम से नहीं किया जा सकता है।

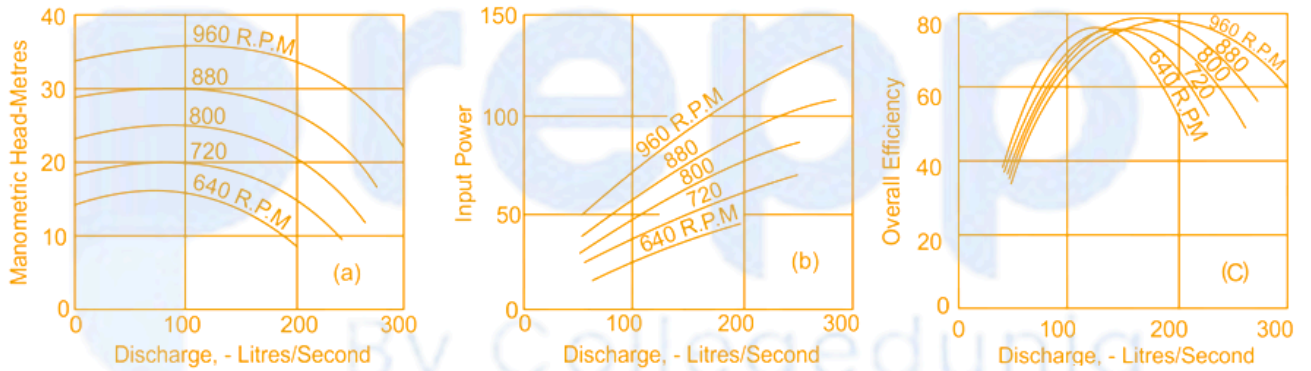
140. Answer: b

Explanation:

अवधारणा:

प्रदर्शन का विशेषता वक्र गति और विसर्जन के साथ विभिन्न मापदंडों (विसर्जन, शक्ति और शीर्ष) की भिन्नता को दर्शाता है।

निम्नलिखित केन्द्रापसारक पंपों के लिए विशेषता वक्र हैं:



स्पष्ट रूप से, विसर्जन और गति के साथ शक्ति बढ़ती है।

दाबमापी शीर्ष थोड़ा बढ़ता है फिर विसर्जन के साथ घटता है।

दक्षता की विसर्जन के साथ वक्रिय सम्बन्ध है।

141. Answer: c

Explanation:

संकल्पना:

अपकेंद्रीय पंप यांत्रिक ऊर्जा को तरल ऊर्जा में परिवर्तित किया जाता है। साथ ही, यह दबाव शीर्ष को दाबांतरीय शीर्ष में परिवर्तित करके दाबांतरीय शीर्ष को बढ़ाता है। इसलिए, इस प्रक्रिया के दौरान एक अवस्था ऐसी होती है जो प्रेरक के लक्ष्य पर दबाव शून्य या ऋणात्मक दबाव तक पहुंच सकता है जो गुहिकायन प्रभाव का नेतृत्व कर सकता है (यदि यह वाष्प दबाव से नीचे पहुँचता है)। इसलिए इस प्रभाव को कम करने के लिए इसे संप स्तर से एक विशिष्ट ऊंचाई पर स्थापित किया जाना चाहिए, जिसे चूषण ऊंचाई कहा जाता है।

इस न्यूनतम दाबांतरीय शीर्ष की आवश्यकता चूषण को संभव बनाने के लिए होती है जिसे NPSH (शुद्ध धनात्मक चूषण शीर्ष) द्वारा दर्शाया जाता है।

इसलिए, अपकेंद्रीय पंप की ऊंचाई इस प्रकार होती है जिससे ऋणात्मक दबाव वाष्प दबाव से नीचे नहीं पहुँचता है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

NPSH को थॉमस के गुहिकायन संख्या गुना दाबांतरीय शीर्ष द्वारा परिभाषित किया जाता है।

गुहिकायन एक निम्न-दबाव वाली घटना है जो उपकरण के घर्षण और भंजन के कारण होती है।

142. Answer: b

Explanation:

व्याख्या:

पीटोट ट्यूब एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग किसी पाइप या चैनल के किसी भी बिंदु पर प्रवाह के वेग की गणना के लिए किया जाता है।

पीटोट ट्यूब का उपयोग एक बिंदु पर वेग मापने के लिए किया जाता है।

यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि यदि किसी बिंदु पर प्रवाह का वेग शून्य हो जाता है, तो गतिज ऊर्जा के दाब ऊर्जा में बदलने के कारण वहाँ का दाब बढ़ जाता है।

$$V = \sqrt{2gh}$$

यह इस सिद्धांत पर आधारित है कि यदि किसी बिंदु पर प्रवाह का वेग शून्य हो जाता है, तो गतिज ऊर्जा को दबाव ऊर्जा में बदलने के कारण वहाँ दबाव बढ़ जाता है।

कार्यप्रणाली:

- तरल ट्यूब के ऊपर तक प्रवाहित होता है और जब साम्यावस्था प्राप्त होती है, तो तरल पानी की धारा की मुक्त सतह से एक स्तर ऊपर की ऊँचाई तक पहुँच जाता है
- चूँकि इस स्थिति के तहत स्थैतिक दाब मुक्त सतह के नीचे इसकी गहराई के कारण द्रवस्थैतिक दाब के बराबर होता है, काँच की ट्यूब में तरल और मुक्त सतह के बीच के स्तर में अंतर गतिशील दाब $p_0 - p = \frac{\rho V^2}{2} = h\rho g$ का माप बन जाता है, जहाँ p_0 , p और V क्रमशः बिंदु A पर प्रगतिरोध दाब, स्थिर दाब और वेग हैं
- इस तरह की एक ट्यूब को पीटोट ट्यूब के रूप में जाना जाता है और यह तरल के वेग को मापने का सबसे सटीक साधन प्रदान करता है

- एक मुक्त सतह वाले तरल की एक खुली धारा के लिए, यह एकल ट्यूब वेग निर्धारित करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन एक बंद नलिका से प्रवाहित होने वाले तरल के लिए, पीटोट ट्यूब केवल प्रगतिरोध दाब को मापता है और इसलिए स्थैतिक दाब को अलग से मापा जाना चाहिए

★ **Mistake Points**

विकल्प में प्रगतिरोध बिंदु पर वेग का उल्लेख किया गया है, प्रगतिरोध बिंदु पर वेग पहले से ही शून्य है, प्रगतिरोध बिंदु पर वेग को मापने की कोई आवश्यकता नहीं है। पीटोट ट्यूब का उपयोग प्रगतिरोध दबाव को मापकर किसी भी बिंदु पर वेग मापने के लिए किया जाता है। इसलिए दिए गए विकल्पों में से सबसे अच्छा संभव विकल्प, विकल्प B है।

143. Answer: a

Explanation:

सातत्य समीकरण, द्रव्यमान के संरक्षण के सिद्धांत पर आधारित है। सभी अनुप्रस्थ-काट पर एक पाइप के माध्यम से प्रवाहित होने वाले एक तरल पदार्थ के लिए प्रति सेकेंड तरल पदार्थ की मात्रा स्थिर होती है।

सातत्य समीकरण इस प्रकार है $\rho_1 A_1 V_1 = \rho_2 A_2 V_2$

बर्नौली का समीकरण, ऊर्जा के संरक्षण के सिद्धांत पर आधारित है। सभी अनुप्रस्थ-काट पर एक पाइप के माध्यम से प्रवाहित होने वाले एक आदर्श तरल पदार्थ के लिए कुल ऊर्जा स्थिर होगी।

संवेग का संरक्षण बताता है कि तरल पदार्थ के द्रव्यमान पर कार्य करने वाला शुद्ध बल उस दिशा में प्रति इकाई समय प्रवाह के संवेग में बदलाव के बराबर होता है।

144. Answer: d

Explanation:

अवधारणा:

कर्षण-बल किसी प्रवाही जैसे पानी या हवा के माध्यम से निकाय की गति के कारण होने वाला प्रतिरोध बल है। यह गति की दिशा के विपरीत कार्य करता है। यह निकाय और प्रवाही के बीच का सापेक्ष वेग है। यह इस प्रकार होगा-

$$F = \frac{1}{2} C_d \rho A v^2$$

जहाँ,

C_d = कर्षण गुणांक जो रेनॉल्ड संख्या पर निर्भर करता है, ρ = माध्यम/ प्रवाही का घनत्व, A = अनुमानित क्षेत्रफल, और v वेग है।

स्पष्ट रूप से, विकल्पों में से यह देखा जा सकता है कि कर्षण-बल अनुमानित क्षेत्रफल, द्रव्यमान घनत्व और वेग पर निर्भर करता है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

C_d का मान है:

$$C_d = \frac{24}{Re}$$

145. Answer: c

Explanation:

i) **तट संचयन:** जब जलाशय भर जाता है, तो पानी की एक निश्चित मात्रा पारगम्य जलाशय तट में जमा हो जाती है। जलाशय खाली होने पर यह पानी बाहर निकलता है। पानी के इस आयतन को तट संचयन के रूप में जाना जाता है।

ii) **उपयोगी संचयन:** सामान्य और न्यूनतम पूल स्तर के बीच जलाशय में संग्रहीत पानी के आयतन को उपयोगी संचयन कहा जाता है।

iii) **अतिरिक्त संचयन:** अधिकतम पूल स्तर और सामान्य पूल स्तर के बीच संग्रहीत पानी के आयतन को अतिरिक्त संचयन कहा जाता है।

iv) **घाटी संचयन:** बांध के निर्माण से पहले, धारा प्रणाली में पानी की एक चर राशि संग्रहीत की जाती है, जिसे घाटी संचयन कहा जाता है।

बांध के निर्माण के बाद, संचयन बढ़ता है और संचयन में निवल वृद्धि होती है, जो एक जलाशय संचयन क्षमता और प्राकृतिक घाटी संचयन के घटाव बराबर होती है।

बाढ़ शमन के लिए प्रभावी संचयन = उपयोगी संचयन + अतिरिक्त संचयन - घाटी संचयन

इसलिए एक प्राकृतिक धारा प्रणाली द्वारा संग्रहीत पानी के आयतन को घाटी संचयन के रूप में जाना जाता है।

146. Answer: a

Explanation:

अवधारणा:

DAD वक्र: एक तूफान की क्षेत्रफल की विशेषताओं को गहराई-क्षेत्रफल-अवधि वक्र द्वारा दर्शाया जाता है। एक बार जब क्षेत्रफल के लिए पर्याप्त वर्षा रिकॉर्ड एकत्र किया जाता है तो मूल या कच्चे डेटा का विश्लेषण किया जा सकता है और जल संसाधन विकास परियोजनाओं की योजना में उपयोग के लिए वक्र या सांख्यिकीय मानों के रूप में उपयोगी जानकारी का उत्पादन करने के लिए संसाधित किया जा सकता है।

कई जलविज्ञानीय समस्याओं के लिए समय के विश्लेषण के साथ-साथ तूफानी वर्षा के क्षेत्रीय वितरण की आवश्यकता होती है। एक तूफान का गहराई-क्षेत्रफल-अवधि (DAD) विश्लेषण विभिन्न आकारों के क्षेत्रफलों में विभिन्न अवधि के भीतर वर्षा की अधिकतम मात्रा निर्धारित करने के लिए किया जाता है।

समवर्षा लेखाचित्र : यह वर्षा की तीव्रता और समय के बीच का एक आलेख है। वर्षा की तीव्रता उत्तरोत्तर बढ़ती जाती है जब तक कि यह अधिकतम मान तक नहीं पहुंच जाती है और फिर धीरे-धीरे कम हो जाती है।

द्रव्यमान वक्र: संचित वर्षा v/s समय का आलेखीय प्रतिनिधित्व है। अन्तर्वहि के द्रव्यमान वक्र बड़ी संख्या में पिछले वर्षों की धारा के समवर्षा लेखाचित्र के द्वारा तैयार किया जा सकता है।

दोहरा द्रव्यमान वक्र: इसका उपयोग किसी विशेष क्षेत्र के लिए वर्षा की स्थिरता की जांच करने के लिए किया जाता है। वर्तमान द्रव्यमान वक्र को एक वक्र पर भिन्नता की जांच करने के लिए पिछले डेटा की तुलना में आलेखित किया जाता है।

147. Answer: d

Explanation:

रोक दृष्टि दूरी, $SSD = vt + \frac{v^2}{2g(\eta f \pm N)}$

जहाँ v = वाहन की गति

t = ड्राइवर का प्रतिक्रिया समय

η = ब्रेक की क्षमता

f = सड़क का घर्षण गुणांक

N = सड़क की ढाल

अतः रोक दृष्टि दूरी, कुल प्रतिक्रिया समय, वाहन की गति, ब्रेक की क्षमता और सड़क की ढाल पर निर्भर करता है।

148. Answer: b

Explanation:

अवधारणा:

रेल-गेज: यह रेलवे ट्रैक की दो पटरियों के बीच की दूरी है।

आम तौर पर रेल गेज के 4 प्रकार होते हैं:

1. **ब्रॉड गेज:** चौड़ाई 1676 mm से 1524 mm या 5'6" से 5'0"। इस गेज का उपयोग सामान्य उद्देश्य (यात्री + लोडिंग) के लिए किया जाता है। 140 kmph तक की गति के लिए

2. **मानक गेज :** चौड़ाई 11435 mm और 1451 mm अथवा 4'-8½"। इस गेज का शुरुआती दौर में इस्तेमाल किया गया था, अब इसका उपयोग अप्रचलित है।

3. **मीटर गेज:** चौड़ाई 1067 mm, 1000 mm और 915 mm अथवा 3'-6", 3'-33/8" और 3'-0"। यह गेज भारतीय मापन प्रणाली अर्थात् MKS इकाइयों के लिए बनाया गया है

4. **संकीर्ण गेज:** चौड़ाई 762 mm और 610 mm अथवा 2'-6" and 2'-0"। इस गेज का उपयोग व्यक्तिगत परिवहन करने के लिए किया जाता है अर्थात् किसी विशेष संगठन आदि के लिए।

दाब को मापने के लिए, बैरोमीटर का उपयोग किया जाता है।

149. Answer: a

Explanation:

प्राथमिक प्रदूषक: प्रदूषक जो अभिज्ञेय स्रोतों से सीधे या तो प्राकृतिक खतरनाक घटनाओं जैसे धूल भरी आंधी, ज्वालामुखी आदि से या मानव गतिविधियों से जैसे लकड़ी, कोयला, घरों या उद्योगों या ऑटोमोबाइल में तेल जलाना आदि से उत्सर्जित होते हैं।

महत्वपूर्ण प्राथमिक वायु प्रदूषक निम्न हैं:

1. सल्फर के ऑक्साइड, विशेष रूप से सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2);
2. कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) और कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) जैसे कार्बन के ऑक्साइड, विशेष रूप से कार्बन मोनोऑक्साइड (CO);
3. नाइट्रोजन ऑक्साइड, जैसे NO , NO_2 , NO_3 (NO_x के रूप में व्यक्त किया जाता है);
4. वाष्पशील कार्बनिक यौगिक, ज्यादातर हाइड्रोकार्बन; तथा
5. निलंबित कणिका पदार्थ (SPM)।

ये प्राथमिक प्रदूषक अक्सर एक दूसरे के साथ या जल वाष्प के साथ प्रतिक्रिया करते हैं, इस प्रकार वे प्रदूषकों का एक नया समूह बनाने के लिए सूर्य के प्रकाश द्वारा सहायता प्राप्त करते हैं और अवप्रेरित हो जाते हैं, **द्वितीयक प्रदूषक** कहलाते हैं।

ये वे रासायनिक पदार्थ हैं, जो सूर्य की ऊर्जा के कारण प्राकृतिक या एन्थ्रोपोजेनिक प्रदूषकों की रासायनिक प्रतिक्रियाओं से या उनके ऑक्सीकरण के कारण उत्पन्न होते हैं।

महत्वपूर्ण द्वितीयक प्रदूषक निम्न हैं:

- (i) सल्फ्यूरिक एसिड (H_2SO_4);
- (ii) ओज़ोन (O_3);
- (iii) फार्मलडीहाइड्स; और
- (iv) पेरॉक्सी-एसीटाइल-नाइट्रेट (PAN); आदि.

प्राथमिक प्रदूषक : CO , CO_2 , SO_x , NO_x , एरोसोल्स, जीवाणु, पराग, निलंबित कणिका, फ्लाय ऐश, कोहरा, ओस, काजल, ज्वालामुखी, आदि.

द्वितीयक प्रदूषक: क्लोरोफ्लोरोकार्बन, ओजोन, काला धुँआ, आम्ल वर्षा (H_2SO_4 , HNO_3 , H_2CO_3), PAN (पेरोक्सीएसीटाइल नाइट्रेट), PBN (पेरोक्सीब्यूटाइल नाइट्रेट), PPN (पेरोक्सीप्रोपाइल नाइट्रेट)

150. Answer: c

Explanation:

व्याख्या:

सामान्य घरों में आम तौर पर प्रति व्यक्ति प्रति दिन 200 - 300 लीटर अपशिष्ट जल का उत्पादन होता है। इस सीवेज में, 99.9% पानी और बाकी 0.1% ठोस सामग्री है।

महत्वपूर्ण बिंदु:

यहां एक सामान्य सीवेज संयंत्र से घरेलू सीवेज घटकों का विवरण दिया गया है:

Your Personal Exams Guide

प्राचल	दस्तावेज का मान		
	प्रबल	मध्यम	दुर्बल
कुल निलंबित ठोस (TSS) (mg/L)	350	200	100
व्यवस्थापित ठोस समूह (mL/L)	20	10	5
जैव रासायनिक ऑक्सीजन की मांग (BOD 5, 20)	300	200	100
रासायनिक ऑक्सीजन की मांग (COD)	1000	500	250

151. Answer: a

Explanation:

एक संरचना में गठित प्लास्टिक कब्जे की संख्या निम्न द्वारा दी गई है:

$$N = D_s + 1$$

जहां,

D_s = स्थिर अनिश्चितता की डिग्री

N = निर्मित प्लास्टिक कब्जों की संख्या

आइए हम पूरी बालिश्त में समान रूप से वितरित लोड के अधीन स्थिर बीम का एक उदाहरण लेते हैं, इसलिए निर्मित प्लास्टिक कब्जों की संख्या = $D_s + 1$

जहाँ, $D_s = 2$

इसलिए निर्मित प्लास्टिक कब्जों की संख्या तीन है अर्थात् एक केंद्र में और दो अवलंब पर।
पहले प्लास्टिक कब्जा केंद्र में बनता है और अवलंब में दो प्लास्टिक कब्जे बनते हैं, इसलिए भले ही केंद्र में पहली प्लास्टिक कब्जे का गठन किया जाता है, संरचना की स्थिर अनिश्चितता की डिग्री समान रहती है।

152. Answer: b

Explanation:

सही उत्तर: $m = 2j - 3$

ट्रस: इसे एक फ्रेमवर्क के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें आमतौर पर छत, पुल या अन्य संरचना को आलम्बन प्रदान करने के लिए राफ्टर, पोस्ट और स्ट्रट शामिल होते हैं।

∴ एक ट्रस को सरल ट्रस के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है यदि $m = 2j - 3$ है।

153. Answer: d

Explanation:

जब एक बेलनाकार शाफ्ट छोरों पर समान और विपरीत जोड़ों के अधीन होती है, या तो यह संतुलन में होगी या यह एक समान दर पर घूमेगी।

या तो मामले में, यह मरोड़ के अधीन है और प्रत्येक अनुप्रस्थ परिच्छेद द्वारा स्थापित प्रतिबल अपरूपण प्रतिबल हैं।

अनुप्रस्थ परिच्छेद (या तो खोखले या ठोस) में विकसित अपरूपण प्रतिबल, केंद्र में शून्य से और सीमाओं पर अधिकतम से परिवर्तनशील होगा।

मरोड़ के अधीन संरचना का विश्लेषण करते समय बनाई गई विभिन्न धारणाएं हैं:

a) वृत्ताकार खंड वृत्ताकार रहते हैं।

- b) समतल अनुभाग घुमाव आघूर्ण के आवेदन से पहले समतल रहते हैं घुमाव आघूर्ण के आवेदन के बाद भी समतल ही रहते हैं।
- c) अनुभाग में सरल अरीय रेखा के अनुप्रस्थ परिच्छेद पर प्रक्षेपण सीधे रहता है।
- d) शाफ्ट, शाफ्ट के अक्ष के लंबवत तलों में मरोड़ बलों द्वारा लोड की गई होती है।
- e) प्रतिबल आनुपातिक सीमा से अधिक नहीं होता है।
- f) छड़ की सामग्री सजातीय और पूरी तरह से प्रत्यास्थ है, और हुक के नियम का पालन करती है।

154. Answer: d

Explanation:

अधिकतम विकृति ऊर्जा सिद्धांत (हैग्स सिद्धांत)

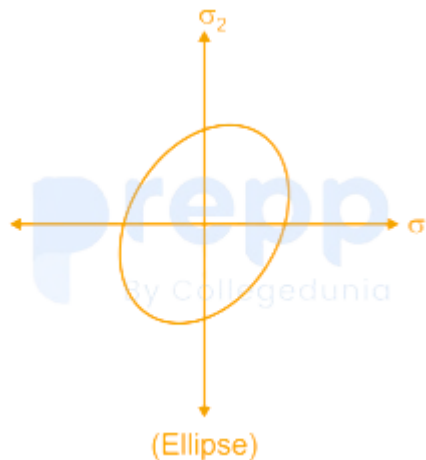
इस सिद्धांत के अनुसार, एक निकाय जटिल प्रतिबल तब विफल होता है जब साधारण तनाव में प्रत्यास्थ सीमा पर कुल विकृति ऊर्जा होती है।

ग्राफिकल प्रतिरूप

$$\{\sigma_1^2 + \sigma_2^2 + \sigma_3^2 - 2\mu(\sigma_1\sigma_2 + \sigma_2\sigma_3 + \sigma_3\sigma_1)\} \leq \sigma_y^2 \text{ शून्य विफलता के लिए}$$

$$\{\sigma_1^2 + \sigma_2^2 + \sigma_3^2 - 2\mu(\sigma_1\sigma_2 + \sigma_2\sigma_3 + \sigma_3\sigma_1)\} \leq \left(\frac{\sigma_y}{\text{FOS}}\right)^2 \text{ डिजाइन के लिए}$$

यह सिद्धांत भंगुर सामग्री पर लागू नहीं होता है जिसके लिए तनाव और संपीड़न में प्रत्यास्थ सीमा प्रतिबल काफी भिन्न होते हैं।



155. Answer: c

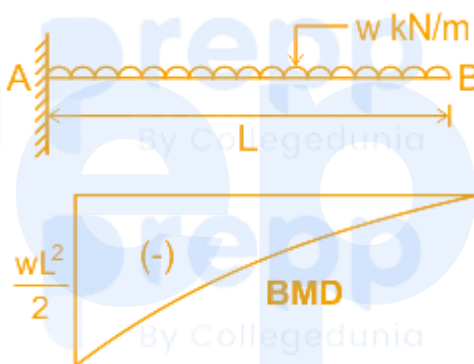
Explanation:

नति परिवर्तन बिन्दु:

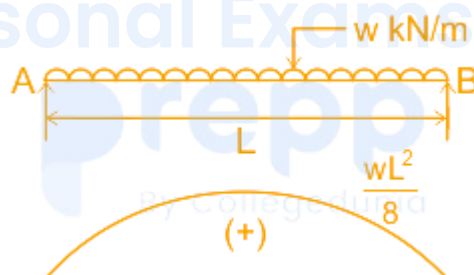
नति परिवर्तन बिन्दु वह बिंदु है जहाँ बंकन आघूर्ण अपना चिह्न बदलता है अर्थात् धनात्मक मान से ऋणात्मक मान या इसके विपरीत।

पूरी बालिष्ठ में UDL के अधीन बंकन आघूर्ण आरेख इस प्रकार होगा:

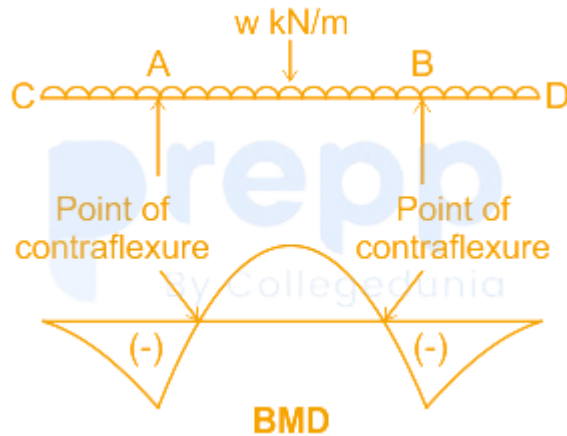
भुजोत्तोलक बीम:



साधारण आश्रित बीम:



अग्र भाग के साथ बीम:



156. Answer: b

Explanation:

सही उत्तर: 2

$$E = 2G(1 + \mu) = 3K(1 - 2\mu)$$

∴ समदैशिक सामग्री के लिए प्रतिबल-विकृति संबंध को परिभाषित करने के लिए 2 स्वतंत्र प्रत्यास्थ स्थिरांक आवश्यक हैं।

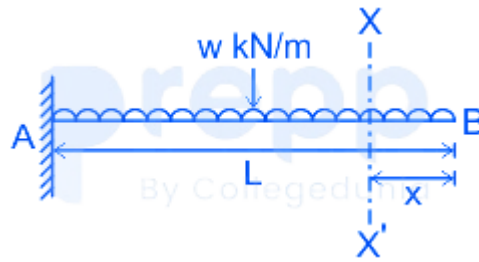
157. Answer: d

Explanation:

प्रत्यास्थ वक्र की अवकलित समीकरण है:

$$EI \frac{\partial^2 y}{\partial x^2} = M$$

पूरी बालिष्ठ में udl के अधीन एक भुजोत्तोलक बीम के लिए, दूरी x पर बंकन आघूर्ण इस प्रकार होगा :



$$M = wx^2/2$$

$$EI \frac{\partial^2 y}{\partial x^2} = \frac{wx^2}{2}$$

उपरोक्त समीकरण का समाकलन करने पर ,

$$\frac{\partial y}{\partial x} = \frac{wx^3}{6EI} + c_1$$

$$x = L, dy/dx = 0, \text{पर}$$

$$0 = \frac{wL^3}{6EI} + c_1$$

$$c_1 = -\frac{wL^3}{6EI}$$

$$\frac{\partial y}{\partial x} = \frac{wx^3}{6EI} - \frac{wL^3}{6EI}$$

फिर से समाकलन करने पर ,

$$y = \frac{wx^4}{24EI} - \frac{wL^3}{6EI}x + c_2$$

$$\text{At, } x = L, y = 0$$

$$c_2 = \frac{wL^4}{24EI} - \frac{wL^4}{6EI}$$

$$c_2 = \frac{wL^4}{24EI} - \frac{wL^4}{6EI}$$

$$c_2 = -\frac{wL^4}{8EI}$$

अधिकतम प्रवणता मुक्त छोर पर होती है, इसलिए $x = 0, dy/dx = (dy/dx)_{\max}$

$$\left(\frac{\partial y}{\partial x} \right)_{\max} = \frac{wL^3}{6EI}$$

महत्वपूर्ण बिंदु:

विभिन्न बीमों का विक्षेपण और ढलान निम्न द्वारा दिया जाता है:

	$y_B = \frac{PL^3}{3EI}$	$\theta_B = \frac{PL^2}{2EI}$
	$y_B = \frac{wL^4}{8EI}$	$\theta_B = \frac{wL^3}{6EI}$
	$y_B = \frac{ML^2}{2EI}$	$\theta_B = \frac{ML}{EI}$
	$y_B = \frac{wL^4}{30EI}$	$\theta_B = \frac{wL^3}{24EI}$
	$y_c = \frac{PL^3}{48EI}$	$\theta_B = \frac{wL^2}{16EI}$
	$y_c = \frac{5}{384} \frac{wL^4}{EI}$	$\theta_B = \frac{wL^3}{24EI}$
	$y_c = 0$	$\theta_B = \frac{ML}{24EI}$
	$y_c = \frac{ML^2}{8EI}$	$\theta_B = \frac{ML}{2EI}$
	$y_c = \frac{PL^3}{192EI}$	$\theta_A = \theta_B = \theta_C = 0$
	$y_c = \frac{wL^4}{384EI}$	$\theta_A = \theta_B = \theta_C = 0$

जहाँ, y = बीम का विक्षेपण, θ = बीम का ढलान

158. Answer: d

Explanation:

अवधारणा:

क्षीणता अनुपात को स्तंभ की प्रभावी लंबाई और न्यूनतम परिभ्रमण त्रिज्या के अनुपात के रूप में परिभाषित किया जाता है।

$$\lambda = \frac{L_{\text{eff}}}{r_{\text{min}}}$$

जहाँ,

$$r_{\text{min}} = \sqrt{\frac{I}{A}}$$

$$I = \frac{\pi \times D^4}{64}$$

$$A = \frac{\pi}{4} \times D^2$$

जहाँ,

L_{eff} = स्तंभ की प्रभावी लंबाई

r_{min} = न्यूनतम परिभ्रमण त्रिज्या

I = केन्द्रक अक्ष की जड़ता का आघूर्ण

A = स्तंभ के अनुप्रस्थ काट का क्षेत्रफल

गणना:

दोनों सिरों से कब्जायुक्त स्तंभके लिए, L_{eff} = स्तंभ की स्वयम की लंबाई = 5 m = 500 cm

$$r_{\text{min}} = \sqrt{\frac{D^2}{16}} = \frac{D}{4}$$

$$D = 16 \text{ cm}$$

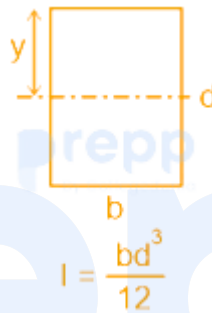
$$r_{\min} = 4 \text{ cm} = 0.04 \text{ m}$$

$$\lambda = \frac{500}{4} = 125$$

159. Answer: c

Explanation:

संकल्पना:



हमारे पास बीम के लिए बंकन समीकरण है, जैसे कि

$$\frac{\sigma}{y} = \frac{M}{I} = \frac{E}{R}$$

जहाँ,

σ = बंकन प्रतिबल, y = उदासीन अक्ष से दूरी, M = किसी खण्ड का बंकन आघूर्ण, I = जड़त्व आघूर्ण, E = सामग्री का प्रत्यास्थता मापांक, और R = वक्रता की त्रिज्या

जब एक बीम को इस तरह से डिज़ाइन किया जाता है कि चरम फाइबर को अधिकतम अनुमत प्रतिबल $p_{\max}$ पर c / s परिवर्तित करके भारित किया जाता है, तो इसे एकसमान सामर्थ्य वाली बीम के रूप में जाना जाएगा।

$$\therefore \frac{\sigma}{y} = \frac{M}{I}$$

$$\sigma = \frac{M \times y}{bd^3/12}$$

$$\sigma = \frac{M \times d_x \times 12}{bd_x^3 \times 2} \therefore y = d_x/2$$

$$\sigma = \frac{6M}{bd_x^2}$$

$$d_x^2 = \frac{6M}{\sigma b} \Rightarrow d_x = \sqrt{\frac{6M}{\sigma b}}$$

$$\therefore d_x \propto \sqrt{M}$$

160. Answer: a

Explanation:

कठोर युग्मीय फ्रेम, फ्रेमयुक्त संरचनाएं हैं जिसमें घटक अक्षीय, अपरूपण और बंकन वाले प्रभावों द्वारा जनित लोड वहन करते हैं।

कठोर-जोड़ों (आघूर्ण संधि) को जुड़े घटकों के बीच बंकन आघूर्ण के अलावा अक्षीय और अपरूपण बलों को स्थानांतरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

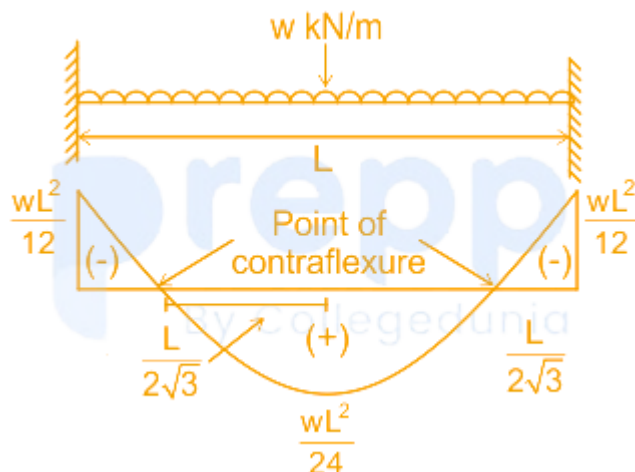
कठोर युग्मीय फ्रेम में, जोड़ केवल एक समग्र के रूप में घूर्णन माना जाता है।

161. Answer: c

Explanation:

बीम में नति परिवर्तन बिन्दु एक ऐसा बिंदु है जिस पर बंकन आघूर्ण धनात्मक से ऋणात्मक और इसके विपरीत में अपना चिह्न बदलता है।

पूरी बालिश्त में udl के अधीन एक निश्चित बीम के लिए बंकन आघूर्ण आरेख नीचे दिखाए अनुसार है:



नति परिवर्तन बिन्दु के जोड़ केंद्र से $L/(2\sqrt{3})$ दूरी पर होते हैं।

162. Answer: d

Explanation:

अक्षीय बल, बंकन आघूर्ण, अपरूपण बल और मरोड़ के कारण लम्बाई s वाले किसी अवयव (यह वक्र या सीधा हो सकता है) में संग्रहीत प्रत्यास्थता विकृति ऊर्जा का संक्षेप निम्नवत है:

अक्षीय बल, P	$\left(U_1 = \lim_{ds \rightarrow 0} \frac{P^2}{2AE} \right)$
बंकन, M	$\left(U_2 = \lim_{ds \rightarrow 0} \frac{M^2}{2EI} \right)$
अपरूपण बल, V	$\left(U_3 = \lim_{ds \rightarrow 0} \frac{V^2}{2AG} \right)$
मरोड़, T	$\left(U_4 = \lim_{ds \rightarrow 0} \frac{T^2}{2GJ} \right)$

बीम में विकृति ऊर्जा

- यह बीम में अपरूपण बल पर निर्भर करता है
- यह बीम में बंकन आघूर्ण पर निर्भर करता है
- यह स्थितिज ऊर्जा से अलग होता है

163. Answer: b

Explanation:

सामान्य पोर्टलैंड सीमेंट की (OPC) विशेषताएँ:

1. यह 3 ग्रेड में उपलब्ध है - OPC 33, OPC-43 और OPC-53 और संख्या 33, 43, 53 सीमेंट के मानक परीक्षण से प्राप्त सीमेंट की 28 दिनों की अभिलाक्षणिक संपीड़न सामर्थ्य के अनुरूप होती है।
2. प्रारंभिक दृढ़ीकरण समय 30 मिनट से कम नहीं होना चाहिए और अंतिम दृढ़ीकरण समय 10 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए।
3. ली-शैटेलियर की विधि से गणना किए जाने पर दृढ़ता 5 से 10 mm तक होती है।
4. जब 90 माइक्रोन की छलनी से लगातार 15 मिनट के लिए निरंतर छाना जाता है तो अवशेष कावजन 10% से अधिक नहीं होना चाहिए।
5. इसका तनन सामर्थ्य संपीड़न सामर्थ्य के 10-15% होता है।
6. इसका तनन सामर्थ्य क्रमशः 3 दिन और 7 दिनों के बाद 2 MPa और 2.5 MPa से कम नहीं होना चाहिए।
7. 3 दिन, 7 दिन और 28 दिनों में 33 ग्रेड के लिए इसका संपीड़न सामर्थ्य क्रमशः 16 MPa (160 kg/cm²), 22 MPa (220 kg/cm²) और 33 MPa (330 kg/cm²) होगा।
8. प्रज्वलन पर कुल हानि 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

164. Answer: a

Explanation:

एक कंक्रीट मिश्रण का सामर्थ्य इसके अभिलाक्षणिक सामर्थ्य के रूप में निर्दिष्ट किया जाता है।

कंक्रीट मिश्रण के अभिलाक्षणिक सामर्थ्य को 28 दिनों पर 150 mm के घन के संपीड़न सामर्थ्य के रूप में N/mm² में परिभाषित किया जाता है, जो परीक्षण के परिणाम के 5 प्रतिशत से अधिक गिरने की उम्मीद नहीं है।

विभिन्न कंक्रीट मिश्रणों को वर्गीकृत किया जाता है, और प्रत्येक मिश्रण को इसके ग्रेड पदनाम द्वारा पहचाना जाता है। कंक्रीट के मिश्रण में, मिश्रण को निरूपित करने के लिए एक अक्षर M का उपयोग किया जाता है और एक संख्या निर्दिष्ट की जाती है, जो संख्यात्मक रूप से 28 दिनों के अभिलाक्षणिक सामर्थ्य के बराबर होती है।

∴ एक कंक्रीट मिश्रण के पदनाम में 'M' अक्षर और संख्या, मिश्रण और 28 दिनों में 150 mm के घन के अभिलाक्षणिक संपीड़न सामर्थ्य का प्रतीक है।

∴ M 15 ग्रेड के कंक्रीट का अर्थ है कि कंक्रीट मिश्रण जो 15 MPa या 15 N/mm² के रूप में 28 दिन का सामर्थ्य (अभिलाक्षणिक) प्राप्त करता है।

165. Answer: d

Explanation:

समुद्र के पानी में कंक्रीट (IS 456: 2000 के अनुसार)

समुद्र के पानी में कंक्रीट या समुद्र के तट के साथ सीधे संपर्क में आने वाले सरल कंक्रीट के मामले में न्यूनतम M 20 ग्रेड और प्रबलित कंक्रीट के मामले में M 30 होगा। इस प्रकार की परिस्थितियों में स्लैग या पोजोलाना सीमेंट का उपयोग लाभकारी है।

प्रभावन	सरल कंक्रीट की न्यूनतम ग्रेड	प्रबलित कंक्रीट की न्यूनतम ग्रेड
मृदू	-	M20
मध्यम	M15	M25
तीव्र	M20	M30
अधिक तीव्र	M20	M35
चरम	M25	M40

166. Answer: b

Explanation:

IS 456: 2000, खंड 26.5.3.1 के अनुसार,

एक स्तंभ में अनुदैर्घ्य प्रबलन:

अनुदैर्घ्य बार की न्यूनतम संख्या:

स्तंभ में प्रदान किए गए अनुदैर्घ्य बार की न्यूनतम संख्या निम्नवत होगी

- आयताकार स्तंभ में चार
- वृत्ताकार स्तंभों में छह

इस्पात का प्रतिशत:

अनुदैर्घ्य प्रबलन के अनुप्रस्थ-काट का क्षेत्रफल निम्न होगा स्तंभ के कुल अनुप्रस्थ-काट के क्षेत्रफल के 0.8 प्रतिशत से न तो कम न ही 6 प्रतिशत से अधिक होना चाहिए।

अनुदैर्घ्य प्रबलन बार का न्यूनतम व्यास:

स्तंभ में प्रयोग किए गए मुख्य अनुदैर्घ्य सुदृढ़ीकरण बार का व्यास 12 mm से कम नहीं होना चाहिए।

सर्पिल प्रबलन:

सर्पिल प्रबलन वाले प्रबलित कंक्रीट स्तंभ में सर्पिल प्रबलन के अंतर्गत अनुदैर्घ्य प्रबलन के कम से कम छह बार होंगे।

अंतराल:

स्तंभ की परिधि के साथ मापा जाने वाला अनुदैर्घ्य बार का अंतराल 300 mm से अधिक नहीं होना चाहिए।

167. Answer: b

Explanation:

न्यूनतम स्पष्ट आवरण अरक्षितता स्थिति और अग्नि प्रतिरोध पर निर्भर करता है।

अग्नि प्रतिरोध के लिए सांकेतिक आवरण:

सांकेतिक आवरण सभी इस्पात सुदृढ़ीकरण के लिए कंक्रीट आवरण की डिजाइन गहराई है।

यह बार के व्यास से अधिक नहीं होगा।

अग्नि प्रतिरोध की निर्दिष्ट अवधि को पूरा करने के लिए सभी सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदान किए जाने वाले सामान्य वजन वाले मोटे कंक्रीट के सांकेतिक आवरण का न्यूनतम मान नीचे दी गई तालिका में दिया गया है।

सदस्य	न्यूनतम आवरण
स्लैब	20 mm
बीम	20 mm
स्तंभ	d > 12 mm के लिए 40 mm d < 12 mm के लिए 25 mm
पदाधार	50 mm

स्थिरता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सांकेतिक आवरण:

अरक्षितता	सांकेतिक कंक्रीट आवरण (mm में) निम्न से कम नहीं होता है
हल्का	20
मध्यम	30
गंभीर	45
अधिक गंभीर	50
अत्यधिक	75

नोट:

मुख्य सुदृढ़ीकरण के लिए, हल्की अरक्षितता के लिए 12 mm तक के व्यास वाले सांकेतिक आवरण को 5 mm तक कम किया जा सकता है।

Your Personal Exams Guide

168. Answer: d

Explanation:

स्पष्टीकरण:

पोर्टलैंड सीमेंट के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए निम्न परीक्षण को अनिवार्य रूप से किया जाता है:

- 1) ला-शातैलिए परिक्षण: इस परिक्षण का प्रयोग चूना के कारण OPC की दृढ़ता के माप के लिए किया जाता है। चूना और मैग्नीशिया सीमेंट की दृढ़ता के लिए जिम्मेदार दो मुख्य यौगिक हैं।
- 2) ब्लैन वायु पारगम्यता: इसका प्रयोग सीमेंट की महीनता के माप के लिए किया जाता है।

- 3) विकट उपकरण: इसका प्रयोग स्थापन काल और कंक्रीट की स्थिरता के माप के लिए किया जाता है।
- 4) तन्य (ब्रीकेट) परिक्षण मशीन: इसका प्रयोग कंक्रीट के तन्य सामर्थ्य के माप के लिए किया जाता है।

169. Answer: a

Explanation:

Explanation:

It is found that the approximate ratio of the strength of cement concrete at 3 months to that at 28 days of curing is 1.15.

कंक्रीट के ग्रेड जिसका हम उपयोग करते हैं, उसके संबंध में नीचे दी गई तालिका 1, 3, 7, 14 और 28 दिनों के बाद कंक्रीट द्वारा प्राप्त संपीडक क्षमता को दर्शाती है, :

काल	क्षमता % में
1 दिन	16
3 दिन	40
7 दिन	65
14 दिन	90
28 दिन	99

कंक्रीट की क्षमता प्रारंभिक काल (कुछ वर्षों तक) में बढ़ती रहती है और फिर कम होने लगती है। कंक्रीट के घन पर किए गए व्यावहारिक परीक्षण से प्राप्त ग्राफ / संबंध के आधार पर यह पाया गया है कि, 3 महीने में और 28 दिनों के इलाज में सीमेंट कंक्रीट की क्षमता का सन्निकट अनुपात 1.15 होगा।

170. Answer: b

Explanation:

समुच्चय संघात परिक्षण:

इसे समुच्चय की चर्मलता को निर्धारित करने के लिए संचालित किया जाता है।

प्रतिरूप 12.5 mm की छलनी से गुजरता है लेकिन इन्हें प्रत्येक परत पर 25 गुना टैम्पन के साथ 3 परतों में भरी 10 mm की छलनी पर पुनः प्राप्त कर लिया जाता है और फिर 13.5 से 14 kg के हथौड़े को 15 संघात के लिए 38 cm की ऊंचाई से स्वतंत्र रूप से गिरने दिया जाता है।

समुच्चय संघात मान कुल समुच्चय वजन के 2.36 mm की छलनी से गुजरने वाला प्रतिशत महीन होता है।

विनिर्देश:

फुटपाथ के प्रकार	अधिकतम समुच्चय संघात मान (%)
बिटुमिनस सतह ड्रेसिंग; प्रवेशन मैकडम ; बिटुमिनस कार्पेट; और सीमेंट कंक्रीट घर्षण कोर्स	30
बिटुमेन बंधित मैकडैम	35
सीमेंट कंक्रीट बेस कोर्स	45

171. Answer: d

Explanation:

कंक्रीट के शुष्कीकरण के छह तरीके हैं:

कंक्रीट कार्य का छायांकन, हेसियन या गनी बैग के साथ कंक्रीट सतहों को आवृत करना, पानी का छिड़काव, तालाब विधि, पटलीय शुष्कीकरण और भाप शुष्कीकरण।

जब गीली कंक्रीट की सतह जलरोधी सामग्री की एक परत से ढकी होती है, जिसे सात दिनों तक कंक्रीट की सतह के संपर्क में रखा जाता है तो शुष्कीकरण के इस तरीके को **पटलीय शुष्कीकरण** के रूप में जाना जाता है।

अवरक्त विकिरण: इस विधि का उपयोग रुस में किया जाता है और यह दावा किया जाता है कि तापमान में तेजी से वृद्धि के कारण इस विधि में मजबूती का नुकसान नहीं होता है। यह विधि व्यावहारिक रूप से खोखले कंक्रीट उत्पादों के लिए उपयुक्त है जहां अवरक्त तापक प्री-कास्ट घटकों के खोखले भाग में रखे जाते हैं।

172. Answer: a

Explanation:

कंक्रीट की ताकत उसके भंजन के लिए प्रतिरोध है। इसे कई तरीकों से मापा जा सकता है जैसे कि संपीड़न में, तनाव में, कतरनी या प्रत्यास्था में ताकत।

किसी दिए गए सीमेंट और स्वीकार्य समुच्चय के लिए, सीमेंट, समुच्चय और पानी के समुचित रूप से रखे गए मिश्रण द्वारा विकसित की जाने वाली ताकत इससे प्रभावित होती है:

- a) सीमेंट और मिश्रित पानी का अनुपात
- b) सीमेंट और समुच्चय का अनुपात
- c) समुच्चय कणों की ग्रेडिंग, सतह की बनावट, आकार, शक्ति और कठोरता
- d) समुच्चय का अधिकतम आकार

इसलिए,

कंक्रीट की ताकत पानी के सीमेंट अनुपात के विलोम या सीमेंट-पानी के अनुपात में समान आनुपातिक है।

जितना अधिक सीमेंट-पानी का अनुपात होगा, उतना ही कंक्रीट की ताकत होगी।

जल-समुच्चय अनुपात में वृद्धि से कंक्रीट की ताकत में कमी आएगी।

173. Answer: d

Explanation:

टिकाऊपन को अपने वांछित इंजीनियरिंग गुणों को बनाए रखते हुए अपक्षय क्रिया, रासायनिक हमले और घर्षण का विरोध करने के लिए कंक्रीट की क्षमता के रूप में परिभाषित किया गया है।

IS 456: 2000 के अनुसार, कंक्रीट के स्थायित्व को प्रभावित करने वाले कारक हैं:

- i) पर्यावरण
- ii) घटक सामग्री का प्रकार और गुणवत्ता
- iii) सीमेंट सामग्री और कंक्रीट के पानी-सीमेंट अनुपात
- iv) अंतःस्थापित इस्पात का आवरण
- v) अवयव की आकृति और आमाप

सीमेंट सामग्री:

मिश्रण को आसंजन सुनिश्चित करने और अलगाव और स्राव को रोकने के लिए डिज़ाइन किया जाना चाहिए। यदि सीमेंट कम हो जाता है, तो निश्चित w/c अनुपात में अपर्याप्त संघनन के कारण कार्य क्षमता कम हो जाएगी। हालाँकि, यदि पानी को निर्माण की क्षमता में सुधार के लिए मिलाया जाता है, तो पानी / सीमेंट अनुपात बढ़ता है और जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक पारगम्य सामग्री बनती है।

यदि अतिरिक्त सीमेंट सामग्री का उपयोग किया जाता है, तो सिकुड़न, क्षार-सिलिका अभिक्रिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं जो अंततः कंक्रीट के स्थायित्व को प्रभावित करती हैं।

उपचार:

उचित शक्ति वृद्धि उपादान नमी प्रतिधारण की अनुमति देना और पूरी तरह से जलयोजन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है।

पारगम्यता:

इसे स्थायित्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। यह देखा जा सकता है कि उच्च पारगम्यता आमतौर पर उच्च सरंधता के कारण होती है। इसलिए, एक उचित उपचार, पर्याप्त सीमेंट, उचित संघनन और उपयुक्त कंक्रीट आवरण एक कम पारगम्यता कंक्रीट प्रदान कर सकता है।

174. Answer: d

Explanation:

रकाब और अनुदैर्घ्य स्टील में वृद्धि के साथ खण्ड की मरोड़ क्षमता में वृद्धि होती है।

गणितीय रूप से,

$$V_{ue} = V_u + 1.6 \frac{T_u}{b}$$

जहाँ,

V_{ue} = समतुल्य अपरूपण

V_u = अपरूपण

T_u = मरोड़ आघूर्ण

b = बीम की चौड़ाई

175. Answer: d

Explanation:

सही उत्तर: दोनों ऊष्मा उत्पन्न होती है और रसायन शुरू होता है

जब पानी को सीमेंट में जोड़ा जाता है तो दोनों ऊष्मा उत्पन्न होती है और रसायन शुरू होता है।

पानी मिलाने के बाद सीमेंट का स्थापन और सख्तीकरण सीमेंट के कुछ घटक यौगिकों जैसे ट्राईकैल्शियम एलुमिनेट, ट्राईकैल्शियम सिलिकेट, डाईकैल्शियम सिलिकेट, और टेट्राकैल्शियम एल्युमिनोफेराइट के जलयोजन के कारण होता है।

176. Answer: c

Explanation:

सुदृढीकरण और कंक्रीट के बीच आबंधन ताकत मुख्य रूप से घर्षण और आसंजन से आती है और कंक्रीट के गुणों और मात्रा परिवर्तन के कारण सापेक्ष आंदोलन, जैसे कंक्रीट सिकुड़न दोनों से प्रभावित होती है।

प्रबलित कंक्रीट बीम में बंधन कंक्रीट में अंतः स्थापित कंक्रीट और इस्पात सलाखों के बीच विकसित आसंजन बल है, जो किसी भी बल का प्रतिरोध करता है जो सलाखों को धकेलने या खींचने में सक्षम होता है।

उदाहरण: कंक्रीट की सिकुड़न कंक्रीट की सलाखों को अधिक मजबूती से जकड़ने का कारण बनती है। यह कंक्रीट और इस्पात के बीच घर्षण को बढ़ाती है और सही रूप से आबन्ध की ताकत में सुधार करती है, खासकर सपाट सलाखों के लिए।

177. Answer: d

Explanation:

पानी-सीमेंट अनुपात एक कंक्रीट मिश्रण में इस्तेमाल पानी के वजन और सीमेंट के वजन का अनुपात है।

कम अनुपात उच्च शक्ति और स्थायित्व उत्पन्न करता है, लेकिन मिश्रण के निर्माण में और उसकी उपयोगिता में मुश्किलें पैदा करता है।

जल सीमेंट अनुपात कंक्रीट की ताकत के व्युत्क्रमानुपाती है, कम पानी-सीमेंट अनुपात में समुच्चय, सीमेंट और रेत के बीच आबंध में वृद्धि होती है।

जैसे ही जल सीमेंट अनुपात बढ़ता है, कंक्रीट में सीमेंट की मात्रा घट जाती है इसलिए कंक्रीट में घोल की उपलब्धता कम हो जाती है। जितना महीन घोल होगा उतना अधिक विसर्पण होगा। इसलिए हम कह सकते हैं कि कंक्रीट की ताकत विसर्पण के व्युत्क्रमानुपाती है।

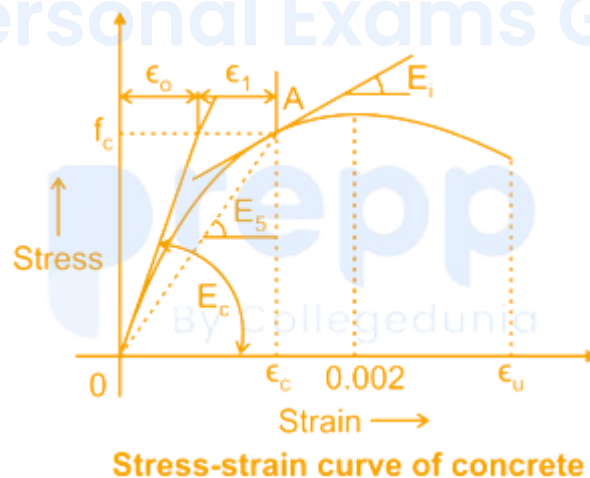
178. Answer: c

Explanation:

IS 456:2000 के अनुसार, कंक्रीट के लिए सुरक्षा का आंशिक कारक 1.5 के रूप में लिया जाता है। कंक्रीटन में तैयारी, परिवहन और स्थापन में अनिश्चितता के कारण कंक्रीट के लिए सुरक्षा के उच्च कारक की आवश्यकता होती है।

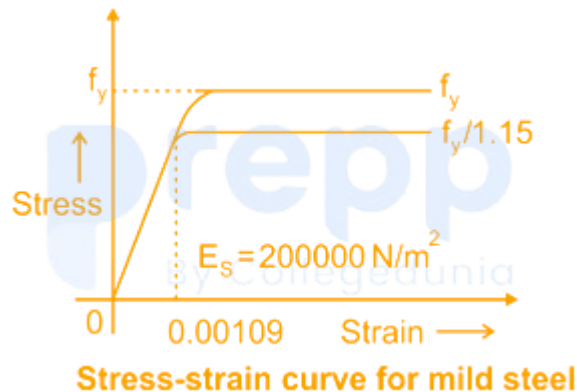
विफलता की लिमिट स्टेट को नियोजित करने वाले आनमानी सदस्यों के डिजाइन की धारणाएँ निम्नलिखित हैं:

- (i) अक्ष के लिए सामान्य समतल खंड बंकन के बाद समतल रहते हैं।
- (ii) बाह्यतम अधिक संपीडित फाइबर में कंक्रीट में अधिकतम तनन बंकन में 0.0035 के रूप में लिया जाता है।
- (iii) कंक्रीट के मान्य प्रतिबल-तनाव वक्र को परवलयिक माना जाता है जैसा कि नीचे दी गई आकृति में दिखाया गया है:



- (iv) कंक्रीट के तनन सामर्थ्य को अनदेखा किया जाता है।

(v) सुदृढीकरण के डिजाइन प्रतिबल को प्रतिबल-तनाव वक्र घटता से दर्शाकर प्राप्त किया जा सकता है जैसा कि नीचे दिए गए चित्र में दिखाया गया है:



स्टील और कंक्रीट के लिए आंशिक सुरक्षा कारक क्रमशः 1.15 और 1.5 माने जाने चाहिए।

(vi) विफलता पर खंड में प्रतिबल सुदृढीकरण में अधिकतम प्रतिबल, से कम नहीं होगा।

जहां f_y स्टील की क्षमता के अभिलक्षण और E_s = स्टील का प्रत्यास्थ मापांक है।

∴ कंक्रीट की तुलना में स्टील के लिए सुरक्षा का कारक कम है क्योंकि कंक्रीट भंगुर सामग्री है और स्टील की तुलना में अपेक्षाकृत कम विश्वसनीय है।

179. Answer: d

Explanation:

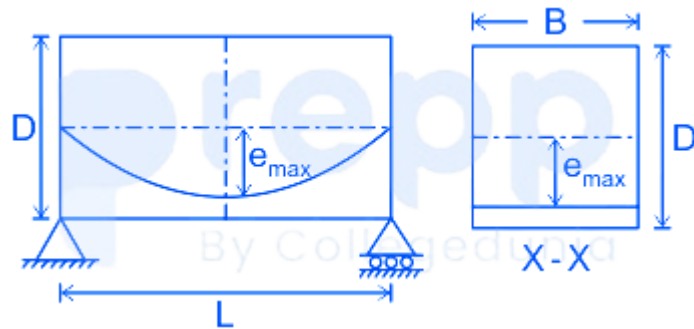
कंक्रीट की ताकत और गुणवत्ता निम्न कारकों पर निर्भर करती है।

कारक	महत्वपूर्ण बिंदु
पानी-सीमेंट अनुपात	शक्ति के विलोम आनुपातिक। आमतौर पर सीमा लगभग 0.45 से 0.6 है। अतिरिक्त पानी सीमेंट अनुपात से पृथक्करण, स्राव आदि हो सकता है।
समुच्चय का आकार	गोल समुच्चय में सीमेंट घोल और समुच्चय के बीच आबंध का अभाव होता है। कोणीय समुच्चय बेहतर अन्तर्ग्रथन प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं लेकिन इसमें बड़ी मात्रा में रिक्तियां होती हैं। इसलिए हमें बेहतर मजबूती के लिए परतदार समुच्चय की आवश्यकता है।
समुच्चय का आमाप	बड़े आकार के समुच्चय कम ताकत प्रदान करते हैं क्योंकि उनके पास सीमेंट घोल के निर्माण के लिए एक कम विशिष्ट पृष्ठीय क्षेत्रफल होता है। उचित भार वितरण पर जोर दिया जाता है जब तनाव हो और जो आंतरिक स्राव और सूक्ष्म दरारें विकसित करता हो।
समुच्चय की ग्रेडिंग	अच्छी तरह से वर्गीकृत समुच्चय में रिक्तियों की कम मात्रा होती है, जिससे बेहतर ताकत मिलती है।
कंक्रीट का जीवन काल	कंक्रीट की आयु के साथ इसकी ताकत बढ़ जाती है क्योंकि जलयोजन की डिग्री अधिक होती है ।

चूंकि सभी विकल्प सही हैं और व्याख्या के अनुरूप हैं, इसलिए सभी विकल्प सही हैं। अभिसामयिक पूर्व तनाव में, कंक्रीट में विकर्ण तनाव

180. Answer: d

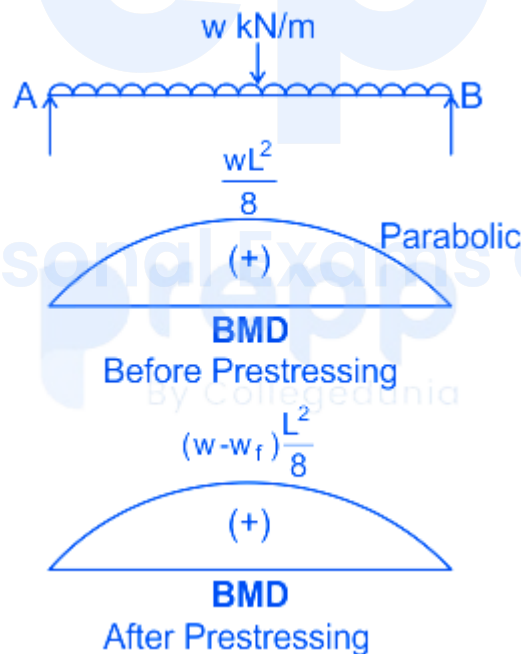
Explanation:



पूर्व-प्रतिबलन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक ठोस तत्व को आमतौर पर इस्पात के तारों या रस्सियों द्वारा संपीड़ित किया जाता है। निर्माण प्रक्रिया (पूर्व-तनाव) के दौरान पूर्व-ढलाई अवयवों को पूर्व-प्रतिबलित किया जा सकता है या एक बार पूरा होने के बाद संरचना पर तनन किया जा सकता है (उत्तर तनाव)।

जब तत्व को लोड किया जाता है, तो तन्य तनाव की शुरुआत के लिए क्षतिपूर्ति की भरपाई होती है। इसलिए कंक्रीट आमतौर पर संपीड़न में रहता है।

समान रूप से समर्थित बीम के लिए पूरे बालिश्त के दौरान समान रूप से वितरित लोड के अधीन (पूर्व-प्रतिबलन से पहले और पूर्व-प्रतिबलन के बाद), बंकन आघूर्ण आरेख इस प्रकार होगा-



यह ऊपर दी गई आकृति में दिखाया गया है कि पूर्व-प्रतिबलन से पहले, बीम शिथिलता प्रकृति में झुक जाएगा और पूर्व-प्रतिबलन तार को डालने के बाद, बीम का बंकन अलग होगा या बंकन आघूर्ण कम हो जाएगा।

पूर्व-प्रतिबलन केबल डालने का आदर्श तरीका ऐसा होगा कि लोड संतुलन तयार का आकार बंकन आघूर्ण आरेख की दर्पण प्रतबिम्ब हो।

181. Answer: c

Explanation:

विफलता होने से पहले सुरक्षा और सेवाक्षमता आवश्यकताओं के लिए स्वीकार्य सीमा को "सीमा अवस्था" कहा जाता है।

सीमा अवस्था विधि में संरचना को जीवन भर उस पर क्रिया करनेवाले सभी भारों को सुरक्षित रूप से सहन करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, यह विक्षेपण और क्रैकिंग जैसी सेवाक्षमता आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा।

एक सीमा अवस्था विधि में सदस्यों को पहले सब क्रांतिक सीमा अवस्था को संतुष्ट करने के लिए डिज़ाइन किया जाता है और फिर यह सुनिश्चित करने के लिए जाँच की जाती है कि अन्य सीमा अवस्थाओं तक नहीं पहुँची है।

सीमा अवस्था में सेवाक्षमता जांच (दरार होना) मुख्य रूप से मुख्य पट्टी के अंतरालन द्वारा नियंत्रित की जाती है, क्योंकि मुख्य पट्टी के अंतरालन में वृद्धि से बीम में दरार बढ़ जाएगी।

Your Personal Exams Guide

182. Answer: b

Explanation:

स्लैब हमेशा कम अवधि के लिए बनाया जाता है।

IS 456:2000 की धारा 24.1 के अनुसार,

प्रभावी अवधि से गहराई अनुपात (A -मान) के लिए दो अवधि में से छोटी अवधि का प्रयोग किया जाना चाहिए।

3.5 m तक की अवधि और हल्के इस्पात सुदृढीकरण के साथ, 3 kN/m^2 तक के लोड के लिए ऊर्ध्वाधर विक्षेपण की सीमा को संतुष्ट करने वाली समग्र गहराई से अवधि का अनुपात निम्नानुसार है:

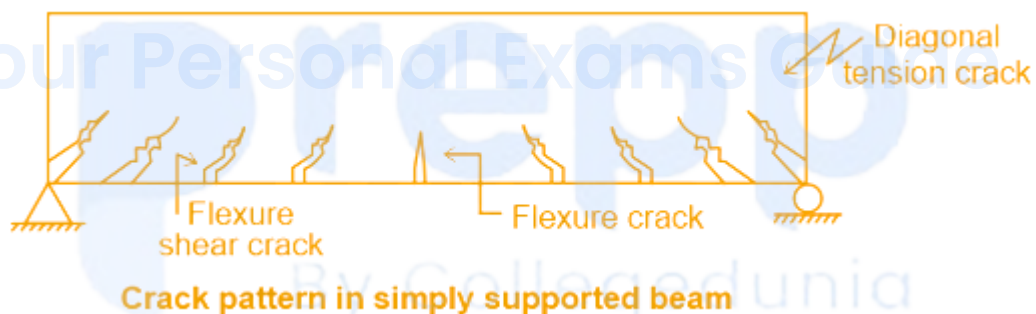
अनु. क्रम	प्रकार	A-मान
1.	साधारणतः समर्थित स्लैब	35
2.	निरंतर स्लैब	40

183. Answer: c

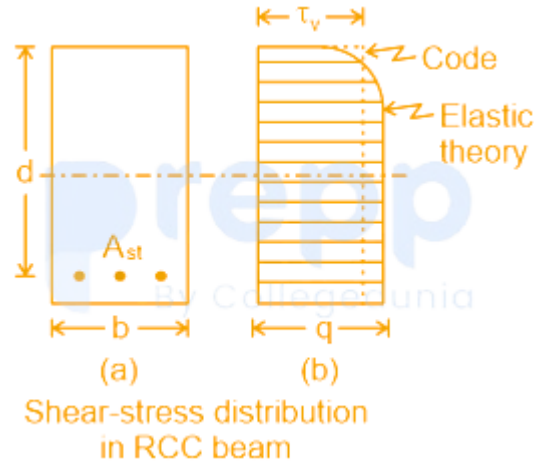
Explanation:

संकल्पना

यह तनाव जो अपरूपण के कारण आलम्बन पर या उसके निकट बीम के तनाव क्षेत्र में उत्पन्न होता है, उसे विकर्ण तनाव कहा जाता है, जो अपरूपण के कारण होता है, जिसका प्रतिरोध केवल कंक्रीट द्वारा नहीं किया जा सकता। इसलिए R.C.C बीम में विकर्ण तनाव सहन करने के लिए और बीम में दरारे होने से बचाने के लिए अपरूपण प्रबलन प्रदान किया जाता है।



विकर्ण तनाव बीम के तनन क्षेत्र में प्राप्त होता है, आमतौर पर तनन क्षेत्र एक बीम में उदासीन अक्ष के नीचे होता है और संपीड़न क्षेत्र उदासीन अक्ष के ऊपर होता है। तो विकर्ण तनाव उदासीन अक्ष के नीचे बढ़ता है जहां अपरूपण बल अधिक होता है और यह उदासीन अक्ष के ऊपर कम हो जाता है। एक बीम की गहराई के साथ अपरूपण प्रतिबल वितरण नीचे दिखाया गया है।



∴ बीम में विकर्ण तनाव उदासीन अक्ष के नीचे बढ़ता है और उदासीन अक्ष के ऊपर घटता है।

184. Answer: d

Explanation:

IS 456:2000 खंड क्रमांक 26.5.2 के अनुसार, प्रबलित छड़ का अधिकतम व्यास पट्टिका की मोटाई के आठवें भाग से अधिक नहीं होगा।

पट्टिका में किसी भी दिशा में मृदु इस्पात का सुदृढीकरण कुल अनुप्रस्थ काट क्षेत्रफल के 0.15 प्रतिशत से कम नहीं होगा।

हालांकि, उच्च मूल्य विकृत सलाखों या वेल्ड तार तन्तु का उपयोग किए जाने पर इस मूल्य को 0.12 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

185. Answer: c

Explanation:

IS 456: 2000 के खंड क्रमांक 38.1 के अनुसार, सबसे बाहरी संपीड़न फाइबर में कंक्रीट में अधिकतम विकृति, बंकन में 0.0035 के रूप में लिया जाता है।

जबकि IS 456: 2000 के खंड क्रमांक 39.1 के अनुसार, अक्षीय संपीड़न में कंक्रीट में अधिकतम संपीड़ित विकृति 0.002 के रूप में लिया जाता है।

कंक्रीट में अत्यधिक संपीड़ित चरम फाइबर पर अधिकतम संपीड़ित तनाव अक्षीय संपीड़न और बंकन के अधीन होता है और जब खंड पर कोई प्रतिबल नहीं होता है, तो कम से कम संपीड़ित चरम फाइबर पर 0.0035 शून्य से 0.75 गुना तनाव होगा।

186. Answer: c

Explanation:

व्याख्या:

पूर्व तनित वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक ठोस तत्व को आमतौर पर स्टील के तारों या स्ट्रैंड्स द्वारा संकुचित किया जाता है।

पूर्व तनित कंक्रीट में सुदृढीकरण का उद्देश्य कंक्रीट में प्रारंभिक कंप्रेसिव स्ट्रेस प्रदान करना है।

निर्माण प्रक्रिया (प्री-टेंशनिंग) के दौरान प्रीकास्ट तत्वों को प्रीस्ट्रेस किया जा सकता है या एक बार पूरा होने के बाद संरचनाओं पर जोर दिया जा सकता है (पोस्ट-टेंशनिंग)।

तत्व लोड होने पर पेश किए गए तन्यता तनाव के लिए प्रेस्ट्रेसिंग क्षतिपूर्ति करता है। इसलिए कंक्रीट आम तौर पर संपीड़न में रहता है।

प्रेस्ट्रेसिंग दो मुख्य उद्देश्यों को पूरा करता है:

1. मृत और जीवित भार के लिए सदस्य के प्रतिरोध में सुधार करना।
2. सदस्य या संरचना के व्यवहार को इस तरह से संशोधित करना ताकि वह अपने इच्छित उद्देश्य के लिए अधिक उपयुक्त हो सके।

प्रेस्ट्रेसिंग स्टील का प्राथमिक उद्देश्य कंक्रीट पर बल लगाना है, या तो बांड द्वारा या विशेष एंकरिंग उपकरणों के माध्यम से।

187. Answer: a

Explanation:

संरचनाओं पर गतिशील लोड के प्रभाव को समायोजित करने के लिए प्रभाव कारक लिया जाता है।

IRC 112 के अनुसार, विभिन्न प्रकार के वाहनों में अलग-अलग प्रभाव कारक होता है।

प्रबलित कंक्रीट संरचनाओं के लिए, यह इस प्रकार है

$$I.F = \frac{4.5}{6+L}$$

जहां,

L = पुल की बालिश्त

जैसे ही पुल की बालिश्त बढ़ती है, प्रभाव कारक घट जाता है।

188. Answer: b

Explanation:

विफलता होने से पहले सुरक्षा और सेवाक्षमता आवश्यकताओं के लिए स्वीकार्य सीमा को "सीमा स्थिति" कहा जाता है।

सीमा स्थिति विधि में, संरचना को जीवन भर उस पर क्रिया करने के लिए सभी लोड को सुरक्षित रूप से सहन करने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा, यह विक्षेपण और दरार जैसी सेवाक्षमता आवश्यकताओं को भी पूरा करेगा।

दो स्थिति हैं:

i) **पतन सीमा स्थिति:** संरचना या संरचना के हिस्से के पतन की सीमा का आकलन एक या अधिक जोखिम खंडों के टूटने से और प्रत्यास्थ या प्लास्टिक अस्थिरता या पलटने के कारण आकुंचन से किया जा सकता है।

प्रत्येक खंड पर बंकन, अपरूपण, मरोड़ और अक्षीय लोड का प्रतिरोध उचित आंशिक सुरक्षा कारकों का उपयोग करके संरचनाओं पर लोड के सबसे प्रतिकूल संयोजन द्वारा उत्पादित उस खंड पर उपयुक्त मानों से कम नहीं होगा।

ii) **सेवाक्षमता की सीमा:** इसमें विक्षेपण और दरार की सीमा होती है।

189. Answer: a

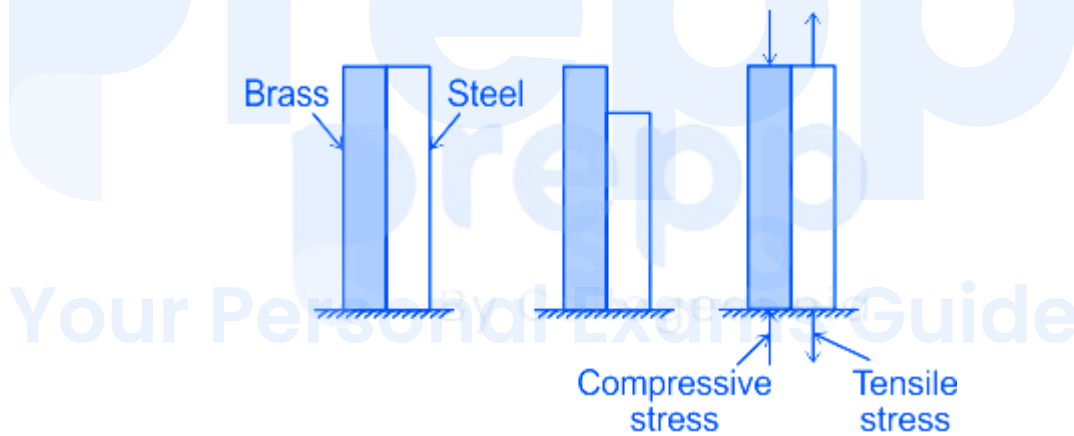
Explanation:

अवधारणा:

जब एक समग्र प्रणाली को तापमान वृद्धि के अधीन किया जाता है, तो शुरू में उच्च तापीय गुणांक मान (आरेख में पीतल) वाले घटक कम तापीय गुणांक मान (आरेख में इस्पात) वाले घटक की तुलना में अधिक वृद्धि का प्रयास करेंगे।

लेकिन छोर की बाधाओं के कारण दोनों घटकों को समान मात्रा में वृद्धि के लिए व्यवस्थापित होना पड़ता है। यही कारण है कि जिस घटक का तापीय गुणांक कम होता है और जिसने शुरू में कम वृद्धि की है, औसत वृद्धि हासिल करने के लिए अब तन्य प्रतिबल के अधीन होगा।

इसी प्रकार, जिस घटक में उच्च तापीय गुणांक होता है और जो शुरू में अधिक बढ़ा हुआ होता है, वह औसत वृद्धि प्राप्त करने के लिए अब संपीड़ित प्रतिबल के अधीन होगा।



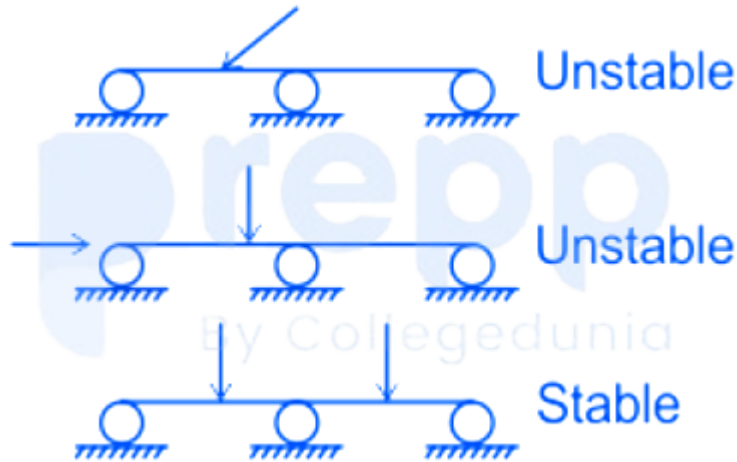
भ्रम / त्रुटि बिंदु:

यदि तापमान के अधीन समग्र प्रणाली लॉजिक को गिराती है और उत्तर उलट जाएगा। इसका अर्थ है, जिस घटक में कम तापीय गुणांक होता है वह संपीड़न प्रतिबल के अधीन होता है और जिस घटक में उच्च तापीय गुणांक मूल्य होता है वह तन्य प्रतिबल के अधीन होगा।

190. Answer: b

Explanation:

अवधारणा



एक बीम जो तीन रोलर पर आश्रित है, क्षैतिज दिशा (बीम के लिए सीधा लंबवत) गति करने के लिए स्वतंत्र है।, तो, बीम के लिए लंबवत दिशा में कोई भी लोड घटक क्षैतिज गति बीम के बाद की अस्थिरता को जन्म देगी।

191. Answer: d

Explanation: Your Personal Exams Guide

सही उत्तर: केवल A,C और D

a) बाहरी बल सभी किलकों पर समान रूप से वितरित किया जाता है। इसका मतलब है कि किलक में कोई प्रतिबल सांद्रता नहीं है और सभी किलक समान रूप से प्रतिबलित है।

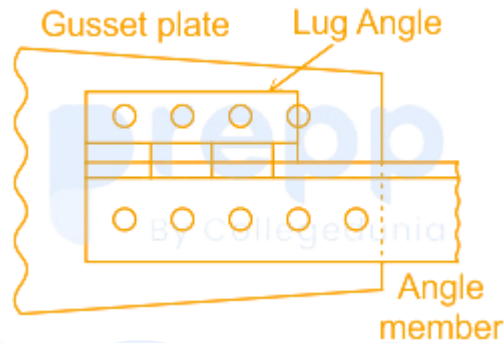
b) प्लेटों में प्रतिबल प्लेट की लंबाई के अनुरूप समान होता है और मध्य चौड़ाई पर कोई प्रतिबल सांद्रता नहीं है।

192. Answer: a

Explanation:

अवधारणा:

लग कोण, कोण का छोटा सा टुकड़ा होता है जिसका उपयोग घटकों के बाह्य पैरों को गस्सेट प्लेट से जोड़ने के लिए किया जाता है। लग कोण का उद्देश्य गस्सेट प्लेट से सम्पर्क की लंबाई कम करना और अपरूपण देरी के प्रभाव को कम करना है।



आरेख में सम्पर्क के लिए आवश्यक बोल्ट की कुल 8 संख्या। यदि सभी बोल्ट केवल सदस्य में प्रदान किए जाते हैं, तो गस्सेट प्लेट की लंबाई बहुत बढ़ जाएगी। इसके बजाय 3 बोल्ट का उपयोग लग कोण पर किया जाता है ताकि गस्सेट प्लेट की लंबाई कम हो जाए।

193. Answer: a

Explanation:

अवधारणा:

फिलेट वेल्ड :

(i) फिलेट वेल्ड तब प्रदान किया जाता है जब दो धातु सतहों को अलग-अलग तलों में जोड़ा जाता है। फिलेट वेल्ड बट वेल्ड की तुलना में अधिक सामान्य हैं।

(ii) फिलेट वेल्ड बनाना आसान है, कम सामग्री की तैयारी की आवश्यकता होती है, और बट वेल्ड की तुलना में फिट होना आसान होता है।

(iii) हालांकि, वेल्ड सामग्री की एक निश्चित मात्रा के लिए, वे मजबूत नहीं होते हैं और प्रतिबल के अधिक संकेंद्रण का कारण बनते हैं। इसलिए फिलेट वेल्ड की ताकत मुख्य अवयव के लगभग 80 से

95% है।

(iv) हल्के रूप से भारित संरचनाओं में जहां ताकत के बजाय दृढ़ता अधिनियंत्रक डिजाइन कारक है और श्रान्ति या भंगुर भंजन कोई समस्या नहीं है, वहां फिलेट वेल्ड अधिक किफायती हैं।

194. Answer: b

Explanation:

अवधारणा:

IS 800: 2007 के अनुसार, पट्टिका वेल्ड कतरनी विफलता में विफल रहता है। क्योंकि इसे डिजाइन ही ऐसे किया गया है कि यह कतरनी में तुलनात्मक रूप से कमजोर है और तनाव में मजबूत होता है। कतरनी ताकत इस प्रकार होगी

$$f_{wd} = \frac{f_u}{\sqrt{3}\gamma_{mw}}$$

जहां,

f_{wd} पट्टिका वेल्ड की डिजाइन शक्ति है,

f_u , पट्टिका वेल्ड या मूल धातु के अंतिम तनाव से छोटा है, और

γ_{mw} आंशिक सुरक्षा कारक है।

195. Answer: d

Explanation:

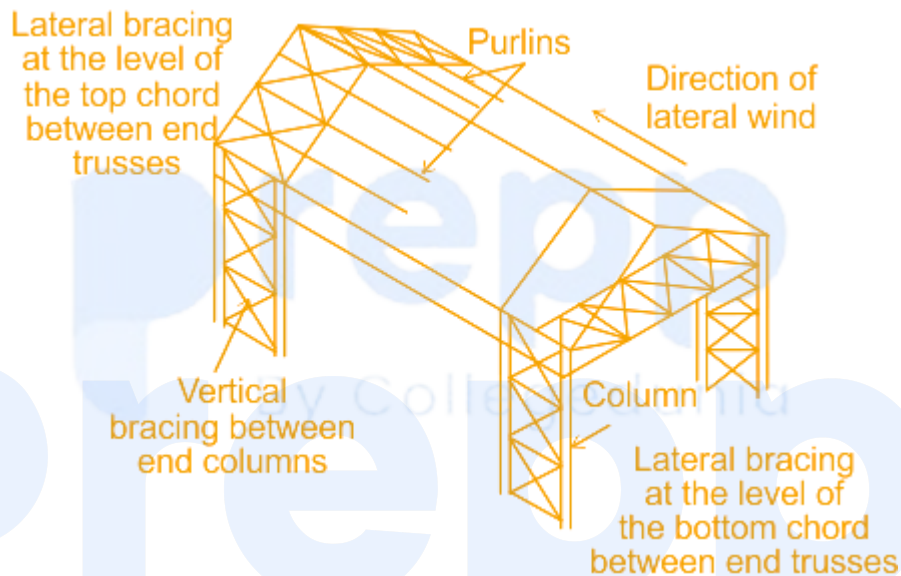
सही उत्तर: रबर

जब उनकी डिजाइन सीमा (लब्धि से पहले) के भीतर उपयोग किए जाते हैं, लगभग 0.3 का मान दर्शाते हैं, जो लब्धि के बाद विरूपण के लिए 0.5 तक बढ़ जाता है जो काफी हद तक नियत आयतन में होता है। रबर का प्वासों अनुपात लगभग 0.5 है। कॉर्क का प्वासों अनुपात 0 के करीब है, जो संकुचित होने पर बहुत कम पार्श्व विस्तार दिखाता है।

196. Answer: a

Explanation:

अवधारणा



ब्रेसिंग: जब एक मजबूत वायु कटक के समानांतर बहती है, तो रालदार औद्योगिक छत ट्रस की प्रवणता विकृत हो जाती है और कटक के समानांतर अस्थिरता पैदा होती है। इस विकृति और अस्थिरता को रोकने के लिए छत के ट्रस के शीर्ष और तल के छोरों को काट विकर्ण सदस्यों द्वारा जोड़ा जाता है जिन्हें ब्रेसिंग कहा जाता है। यह ब्रेसिंग कटक के समानांतर वायु के भार का विरोध करने में मदद करती है।

शहतीर: ये क्षैतिज बीम घटक हैं, जो कटक के समानांतर होता है और ट्रस को कटक की लंबाई के साथ जोड़ता है।

ट्रस: ये कई संरचनात्मक घटकों की संयुक्त व्यवस्था है जो शीर्ष से तल तक लोड स्थानांतरित करते हैं, और आमतौर पर नियमित अंतराल पर होते हैं।

स्तम्भ: स्तम्भ ऊर्ध्वाधर बीम घटक हैं जो ट्रस से लोड ग्रहण करते हैं और इसे नीचे में स्थानांतरित करते हैं।

197. Answer: d

Explanation:

अवधारणा:

IS 800: 2007 के खंड 11.1.4 के अनुसार, जब वायु या भूकंप के लोड के प्रभाव को ध्यान में रखा जाता है, तो किलक (या लंगर बोल्ट) में निर्दिष्ट अनुमत प्रतिबल को 25% तक बढ़ाया जा सकता है।

भ्रम / त्रुटि बिंदु:

IS 800: 2007 के खंड 11.1.4 के अनुसार, जब वायु या भूकंप के लोड के प्रभाव को ध्यान में रखा जाता है, तो संरचनात्मक इस्पात घटक में निर्दिष्ट अनुमेय तनाव 33.33% बढ़ सकता है।

198. Answer: d

Explanation:

इस्पात ग्रेड के बावजूद,

प्रत्यास्था गुणांक = $2 \times 10^5 \text{ N/mm}^2$

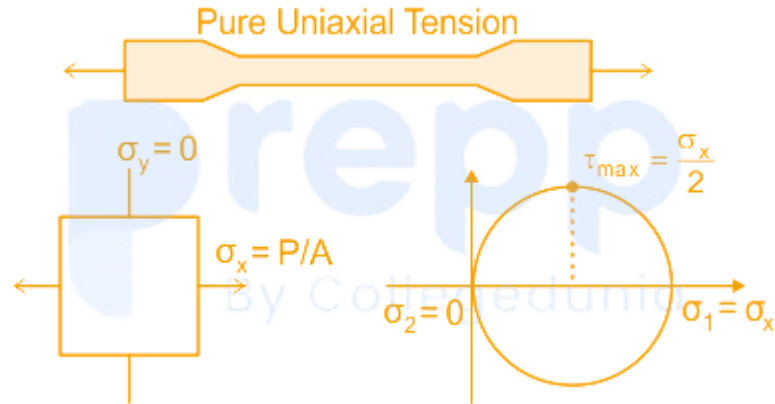
इस्पात का इकाई द्रव्यमान = 7850 kg/m^3

प्वासों (Poisson's) अनुपात = 0.3

199. Answer: c

Explanation:

अवधारणा:



जब किसी सदस्य को अक्षीय तन्व्य भार (तनाव) के अधीन किया जाता है, तो मोहर के सर्कल में अधिकतम कतरनी तनाव ($\tau_{\max}$) के बराबर त्रिज्या और अधिकतम सामान्य तनाव (σ_1) के बराबर व्यास होता है। तो, आकृति से

$$\tau_{\max} = \frac{\sigma_1}{2}$$

$$\therefore \sigma_1 = 2\tau_{\max}$$

200. Answer: b

Explanation:

अवधारणा:

आघूर्ण वितरण विधि में, संरचना के प्रत्येक जोड़ पर संधि में विकसित आघूर्ण को उस विशेष संधि से जुड़े सभी सदस्यों को वितरित किया जाता है। यह कठोर 2D फ्रेम के लिए सबसे उपयुक्त है क्योंकि कठोर 2D फ्रेम में प्रत्येक जोड़ पर केवल एक प्रकार का आघूर्ण (M_z) ही कार्यरत होता है।

स्थान फ्रेम के लिए हर जोड़ में तीन प्रकार के आघूर्ण (M_x , M_y और M_z कार्य करते हैं। इसलिए, स्थानिक फ्रेम के लिए आघूर्ण वितरण करना बहुत मुश्किल और असुविधाजनक है।

आघूर्ण वितरण विधि में केवल समय ही प्रभावी घटक होता है, अक्षीय बल प्रभाव नहीं होता है। चूंकि ट्रस को अक्षीय बल ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, इसलिए यह पिन जोड़ ट्रस या ट्रस बीम के लिए आघूर्ण वितरण करने के लिए वांछित नहीं है।